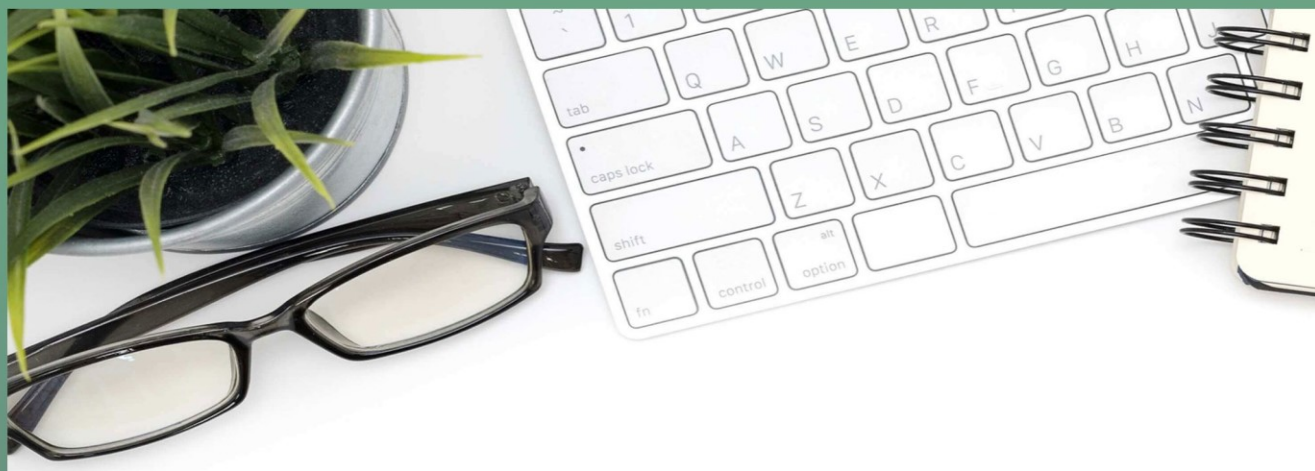

यूपीएससी और पीसीएस परीक्षाओं के लियें मासिक संकलन

अक्टूबर 2018

Powered by :

gradeup

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएएस की तैयारी के लिये

01.10.2018

1. **असम में गर्भवती महिलाओं के लिए पारिश्रमिक मुआवज़ा योजना**

- असम सरकार यह योजना चाय बागानियों के लिए शुरू करेगी।

संबंधित जानकारी

- यह योजना गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण खुराक प्रदान करेगी।
- इस योजना से 60,000 से अधिक महिलाओं के लाभान्वित होने की संभावना है।
- गर्भवती महिलाओं को मजदूरी मुआवज़े के रूप में ₹12,000 धनराशि 4 किस्तों में दी जाएगी।
- इस योजना से चाय क्षेत्रों में मातृ और नवजात मृत्यु दर कम हो सकती है।

गर्भवती महिलाओं से जुड़ी अन्य योजनाएं

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जिसका पूर्व नाम इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना था, भारत सरकार द्वारा संचालित एक मातृत्व लाभ योजना है।
- इसे 2010 में शुरू किया गया था और इसे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।
- यह 19 वर्ष या उससे अधिक उम्र की प्रथम बार गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए एक सशर्त नकदी हस्तांतरण योजना है।

जननी सुरक्षा योजना

- जननी सुरक्षा योजना 2005 में शुरू की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- जननी सुरक्षा योजना राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत एक सुरक्षित मातृत्व हस्तक्षेप है।

विषय - सा. अध्ययन पेपर 2 – कल्याणकारी योजनाएं

स्त्रोत - ए.आई.आर.

2. **S -400 वायु रक्षा प्रणाली पर रूस-भारत एजेंडा**

- भारत ने पांच अत्याधुनिक एस -400 'ट्रायम्फ' वायु रक्षा प्रणालियों को खरीदने के लिए रूस के साथ लगभग ₹39,000 करोड़ के रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर किए।

संबंधित जानकारी

- अत्याधुनिक एस -400 ट्रायम्फ को दुनिया में सबसे उन्नत लंबी दूरी की रक्षा प्रणालियों में से एक माना जाता है जिसे नाटो द्वारा एसए -21 ग्रोलर भी कहा गया है।
- एस-400 को सतह-से-वायु मिसाइल सिस्टम की एस-300 श्रृंखला के अपग्रेड के रूप में विकसित किया गया था।
- इसके शक्तिशाली रडार एक साथ सैकड़ों लक्ष्यों को ट्रैक कर सकते हैं और एक श्रृंखला में लक्ष्यों को नष्ट कर सकते हैं।
- एस-400 मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी), और बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों सहित सभी प्रकार के हवाई लक्ष्यों को नष्ट करने में सक्षम है।
- इसकी परास 400 किमी है और यह 30 किमी तक की ऊंचाई पर लक्ष्य भेद सकती है।

Ka - 226 टी हेलीकॉप्टर

- कामोव -226 T हेलीकॉप्टर पुराने चीता और चेतक बेड़े की जगह लेंगे।
- ये हेलीकॉप्टर भारत में मेक इन इंडिया के तहत रूसी सहयोग के साथ हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा बनाए जाएंगे।
- Ka-226 T एक शक्तिशाली, हल्के और बहु-उपयोगी हेलीकॉप्टर हैं जो दुर्गम पहाड़ों, गर्म जलवायु और समुद्री क्षेत्रों जैसे कठिन प्रतिकूल परिस्थितियों में दिन-रात संचालित होता है।
- इसमें अधिकतम गति 205 कि.मी./घंटा है और इसकी परास 600 कि.मी. तक है।

- इसका उपयोग जासूसी, निगरानी, लक्ष्यीकरण और परिवहन के लिए किया जाता है।

विषय - सा. अध्ययन पेपर 3 – रक्षा

स्त्रोत - दि हिंदु

3. **MIG-21s भारत द्वारा रूस को उपहार दिया जाएगा**

- भारत-रूस द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में रूस को तीन MIG-21s लड़ाकू विमानों का उपहार देने की संभावना है।

संबंधित जानकारी

- सोवियत संघ MIG-21 का उत्पादन करने वाला प्रथम देश था।
- इसने 1956 में पहली उड़ान भरी और 1959 में सेवा में शामिल हुआ।
- हालांकि, रूस ने 1985 में इस विमान का निर्माण बंद कर दिया, जबकि भारत ने उन्नत संस्करणों का संचालन जारी रखा।
- भारत ने 1963 में MIG-21 को शामिल किया और देश में विमान बनाने के लिए पूर्ण प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अधिकार प्राप्त किए।
- यह भारतीय वायुसेना का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान है।
- उपहार दिए जाने वाले विमान उड़ान-योग्य स्थिति में है और इसकी निर्माण और परिवहन लागत रूसियों द्वारा वहन की जाएगी।
- यह भारत और रूस के बीच सदाबहार दोस्ती और गहरी रणनीतिक साझेदारी को प्रदर्शित करने का प्रमुख प्रतीकात्मक संकेत होगा।
- विमान को नया पंजीकरण नंबर मिलेगा और उसे पुरानी उड़ान के लिए उपयोग किया जा सकता है।

विषय - सा. अध्ययन पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन

स्त्रोत - द हिंदु

4. **आई.यू.सी.एन. की संकटग्रस्त श्रेणी में 59 पादप प्रजातियां**

- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) ने हाल ही में 59 भारतीय पौधों की प्रजातियों को संकटग्रस्त श्रेणी में रखा है।

संबंधित जानकारी

- अध्ययन में 59 पादप प्रजातियों को रखा गया है, जिसमें उनके विलुप्त होने का खतरा है यदि प्रजातियों द्वारा सामना किए जाने वाले संकट का निवारण नहीं किया गया।
- इस रिपोर्ट में, 10 प्रजातियां हैं जो गंभीर रूप से लुप्तप्राय हैं, 18 लुप्तप्राय, छह संकटग्रस्त, पांच खतरे में हैं और एक प्रजाति में आंकड़ों की कमी है और वह कम चिंता का विषय है।

पाम बेंटिनकिया निकोबारिका

- पाम वृक्ष ग्रेट निकोबार द्वीप का स्थानीय वृक्ष है जिसे अपने वितरण गुणों के आधार पर वर्तमान संकटग्रस्त सूची में खतरनाक रूप से लुप्तप्राय रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

प्रजातियों को कम करने वाले जिम्मेदार कारक:

- जंगल में घटती कई पादप संख्या के पीछे अधिवास हानि एक बड़ा कारण है।
- बीज कम जीवन प्रदर्शित करते हैं जो कि प्राकृतिक वातावरण में गिरावट का कारण है।

रिपोर्ट का प्रभाव

- यह पाम के संरक्षण प्रयासों में मदद करेगा।
- इसके साथ ही, उन्हें बचाने के लिए अनुसंधान और संरक्षण गतिविधियों को प्रायोजित करने के लिए धन उपलब्ध कराने में सहायता करेगा।

विषय - सा. अध्ययन पेपर 3 – पर्यावरण

स्त्रोत - दि हिंदु

5. **प्रतिस्पर्धा अधिनियम की समीक्षा करने के लिए प्रतिस्पर्धा कानून समीक्षा समिति बनाई गई**

- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कानून मजबूत आर्थिक मौलिक तत्वों की जरूरतों के अनुरूप हो।

संबंधित जानकारी

- अन्य सदस्यों के साथ कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय का सचिव इस समिति के अध्यक्ष हैं।
- प्रतिस्पर्धा अधिनियम वर्ष 2002 में पारित किया गया था।
- आयोग ने 2009 से सही दिशा में काम करना शुरू कर दिया था।

- 2009 से आयोग भारतीय बाज़ार में प्रतिस्पर्धा निर्माण एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धी माहौल बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।
- भारत आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और आगे बढ़ने के लिए तैयार है।
- प्रतिस्पर्धा कानून के सर्वोत्तम अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए इसे मजबूत और पुन: संशोधित किया गया है जिससे इस देश के नागरिक अपनी आकांक्षाओं को पूरा करें और पैसे का मूल्य समझें।

समिति के केंद्रित क्षेत्र हैं:

- अस्थिर व्यापार वातावरण में प्रतिस्पर्धा अधिनियम / नियम / विनियमों की समीक्षा करना।
- प्रतिस्पर्धा क्षेत्रों जैसे अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को देखना, एंटी-ट्रस्ट कानून, विलय दिशानिर्देश और सीमापार प्रतिस्पर्धा मुद्दों को संभालना।
- अन्य नियामक शासनों, संस्थागत तंत्रों, सरकारी नीतियों का अध्ययन करना जो प्रतिस्पर्धा अधिनियम के साथ हस्तक्षेप करते हैं।

नोट:

- समिति अपना काम पूरा करेगी और अपनी पहली बैठक की तारीख के तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट जमा करेगी।

विषय- सा. अध्ययन पेपर 2- सरकारी नीतियां

स्रोत- अर्थशास्त्र टाइम्स

6. **<u>महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छता सम्मेलन</u>**

- महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छता सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।
- इसका आयोजन स्वच्छ भारत मिशन के शुरू होने की चौथी वर्षगांठ और महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के साथ में हो रहा है।

संबंधित जानकारी

- यह दुनिया भर से स्वच्छता मंत्रियों और WASH (जल, सफ़ाई और स्वच्छता) के अन्य नेताओं के लिए एक मंच प्रदान करेगा।
- संयुक्त राष्ट्र संघ धारणीय विकास लक्ष्य (एसडीजी 6.2), अर्थात सभी के लिए पर्याप्त और समान सफ़ाई और स्वच्छता पहुंचाना।
- भारत खुले में शौचालय मुक्त होने के करीब है।
- कुल मिलाकर 503 जिलों और 24 राज्यों को खुले शौचालय मुक्त घोषित किया जा चुका है।
- भारत के ग्रामीण स्वच्छता कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो अक्टूबर 2014 में 39% से 30 सितंबर 2018 तक 94.44% हो गई है।
- केंद्र सरकार ने लोकसभा को सूचित किया था कि गुजरात सहित 11 राज्यों को स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के तहत ओ.डी.एफ. घोषित किया जा चुका है।

विषय- जीएस पेपर 2- विकास में हस्तक्षेप

स्रोत हिंदू

7. **<u>मध्य प्रदेश सरकार में गाय मंत्रालय शामिल होगा</u>**

- मध्य प्रदेश सरकार ने "गाय मंत्रालय" स्थापित करने की घोषणा की है जो वर्तमान मध्य प्रदेश गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड का स्थान लेगा।

लक्ष्य

- स्वदेशी गाय नस्लों के विलुप्त होने के परिप्रेक्ष्य में जैव विविधता को संरक्षित करना।
- नस्ल में सुधार, स्वदेशी नस्ल की गायों का संरक्षण और मध्य प्रदेश के गाय उत्पादों का मूल्यवर्धन।

विषय- सा. अध्ययन पेपर 2- शासन

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>कन्याकुमारी का लाइटहाउस नया प्रकाशपुंज फैलाने के लिए तैयार</u>**

- लाइटहाउस एक संरचना है जो समुद्री या अंतर्देशीय जलमार्गों पर समुद्री पायलटों के लिए दिशा-निर्देशन मदद करने के लिए तैयार किए गए हैं।

संबंधित जानकारी

- यह प्रकाशस्तंभ 18 वीं शताब्दी में बनाया गया था, म्यूटॉम केन्द्र एक पर्यटक आकर्षण केन्द्र बनेगा।

- यह देश का पहला लाइटहाउस है जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत बनाया जाएगा।

लाइटहाउस में सुविधाएं

- इसमें लेजर शो सुविधा है जिसे भी पीपीपी मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा।
- इसमें रेस्तरां-सह-खाद्य परिसर, कॉफी शॉप और मनोरंजन केंद्र सुविधाएं भी हैं।

विषय- सा. अध्ययन पेपर 1- कला और संस्कृति

स्रोत - ए.आई.आर.

9. **<u>प्रधानमंत्री ने राजकोट में महात्मा गांधी संग्रहालय का उद्घाटन किया</u>**

- प्रधान मंत्री ने राजकोट में महात्मा गांधी संग्रहालय का उद्घाटन किया।
- यह संग्रहालय अल्फ्रेड हाई स्कूल में स्थापित किया गया है, जो महात्मा गांधी के प्रारंभिक वर्षों का एक महत्वपूर्ण भाग था।
- यह गांधीवादी संस्कृति, मूल्यों और दर्शन के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद करेगा।

विषय- सा. अध्ययन पेपर 1- कला और संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

03.10.2018

1. **<u>सिडबी ने "उद्यम अभिलाषा" की शुरूआत की है।</u>**

- भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक ने 115 आकांक्षी जिलों में राष्ट्रीय स्तर उद्यमिता जागरूकता अभियान की शुरूआत की है।

संबंधित जानकारी

- महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर इसकी शुरूआत की गई, जिसे नीति आयोग द्वारा आयोजित किया गया है।
- सिडबी की भारत सरकार सी.टी., इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आई.टी. मंत्रालय के अंतर्गत सी.एस.सी. ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ साझेदारी है।

मिशनरी अभियान के उद्देश्यों में शामिल हैं-

- आकांक्षी जिलों में ग्रामीण युवाओं की उनका स्वयं का उद्यम स्थापित करने में सहायता कर उद्यमी बनने हेतु उन्हें प्रोत्साहित करना।
- पूरे देश में डिजिटल मीडिया के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करना।
- सी.एस.सी. वी.एल.ई. के लिए व्यावसायिक अवसर उत्पन्न करना।
- इन आकांक्षी जिलों में महिला उम्मीदवारों पर ध्यान केंद्रित कर महिला उद्यमशीलता को बढ़ावा देना।
- अपना स्वयं का उद्यम स्थापित करने हेतु बैंको से ऋण की सुविधा प्राप्त करने और बैंको हेतु स्वीकार्य बनाने में उम्मीदवारों की सहायता करना।

सिडबी के संदर्भ में जानकारी

- भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एम.एस.एम.ई.) क्षेत्र के संवर्धन, वित्तपोषण, विकास और समन्वय हेतु प्रमुख वित्तीय संस्थान है।
- सिडबी, ऋण के साथ ही इसे मजबूत, जीवंत एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनाने के दृष्टिकोण के साथ एम.एस.एम.ई. क्षेत्र की वित्तीय एवं विकास आवश्यक्ताओं को पूरा करता है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर -2 – गर्वनेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>अरुणाचल प्रदेश में तितलियों की प्रजातियां दर्ज की गई हैं।</u>**

- अरुणाचल प्रदेश के पूर्व कामेंग जिले के सिजोसा क्षेत्र में तितलियों की लगभग 180 प्रजातियां दर्ज की गईं हैं।

संबंधित जानकारी

- तितलियों की महत्वपूर्ण प्रजातियों में 'क्रेटियस सिरीना', अरहोपालाओनिआ' और 'चेरसोनेसिया इंटरमीडिया' शामिल हैं।
- इस कार्यक्रम का आयोजन पक्के वन्यजीव अभ्यारण्य एवं टाइगर रिजर्व में उत्तर-पूर्व भारत समूह की तितलियों द्वारा किया गया था।
- पक्के, जैविक आकर्षण का एक महत्वूपर्ण केंद्र है और इस क्षेत्र की जैविक समृद्धि को बनाए रखने में तितलियां एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं।

टॉपिक-जी.एस. पेपर -3 –पर्यावरण

स्रोत –टाइम्स ऑफ इंडिया

3. **<u>आई.बी.एस.ए.एम.ए.आर.- VI का 6 वां संस्करण</u>**

- यह भारतीय, ब्राजीलियाई और दक्षिण अफ्रीकी नौसेना के मध्य अयोजित एक संयुक्त बहु-राष्ट्रीय समुद्री युद्धाभ्यास है।

संबंधित जानकारी

- दक्षिण अफ्रीका के सिमांस टाउन में इसका आयोजन किया जा रहा है।
- आई.बी.एस.ए.एम.ए.आर. (आई.बी.एस.ए.एम.ए.आर. V) के पिछले संस्करण का आयोजन गोवा मे किया गया था।
- इसका उद्देश्य भाग लेने वाली नौसेनाओं को संयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त कराना, इनके मध्य अर्तकार्यकारिता एवं आपसी समझ का निर्माण करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>युद्धाभ्यास अविऐंद्र-18 का दूसरा संस्करण</u>**

- यह भारतीय और रूसी संघ के मध्य द्विवार्षिक वायुसेना स्तरीय युद्धाभ्यास है।

संबंधित जानकारी

- इस युद्धाभ्यास का आयोजन लिपेटस्क, रूस में किया गया था।
- यह एयरोस्पेस सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी वायु ऑपरेशनों की ब्रीफिंग पर भी ध्यान केंद्रित करता है।
- युद्धाभ्यास का उद्देश्य एक द्विपक्षीय परिदृश्य में आतंकवाद विरोधी ऑपरेशनों में वायु शक्ति के उपयोग को सूत्रबद्ध एवं पुष्ट करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>गीता गोपीनाथ को आई.एम.एफ. की मुख्य अर्थशास्त्री के रूप में नियुक्त किया गया है।</u>**

- भारतीय मूल की महिला अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ऐसी दूसरी भारतीय हैं जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुख्य अर्थशास्त्री के रूप में नियुक्त किया गया है।

संबंधित जानकारी

- इस प्रतिष्ठित पद को ग्रहण करने वाले सबसे पहले भारतीय आर.बी.आई. के पूर्व गर्वनर रघुराम राजन थे।
- गोपीनाथ, 46 ने मॉरीस "मॉरी" ओब्स्टफेल्ड का स्थान ग्रहण किया है।
- वर्तमान में गोपीनाथ हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन एवं अर्थशास्त्र की जॉन ज़्वानस्ट्रा प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।
- गोपीनाथ, एक अमेरिकी नागरिक हैं और भारत की एक विदेशी नागरिक हैं।

आई.एम.एफ. के संदर्भ में जानकारी

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।
- इसका मुख्यालय वाशिंगटन में है।
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष प्रसिद्ध फ्रांसीसी वकील एवं पूर्व राजनेता क्रिस्टीना लीगार्ड हैं।
- वित्तीय स्थायित्व को सुनिश्चित करने हेतु आई.एम.एफ. वैश्विक मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देता है।
- यह पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाता है, अधिक रोजगार और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है और गरीबी को कम करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- महिला सशक्तीकरण

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>भारत ने डब्ल्यू.टी.ओ. को सूचित किया है कि कृषि योजना, वैश्विक नियमों के साथ समन्वयित होगी:</u>**

- भारत ने विश्व व्यापार संगठन को सूचित किया है कि उसकी प्रस्तावित राष्ट्रीय कृषि निर्यात योजना, वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप होगी।

संबंधित जानकारी

- इस योजना का उद्येश्य न्यूनतम निर्यात मूल्य अथवा प्रत्यक्ष प्रतिबंधों जैसी बाधाओं को दूर करना है।
- ऐसा प्रतीत होता है कि वर्ष 2022 तक भारत का कृषि निर्यात $ 60 बिलियन से भी अधिक होकर दोगुना हो जाएगा।

- यह उस नीति का समर्थन करती है जिसमें सरकार ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने में मदद करने का वादा किया है।
- भारत, डब्ल्यू.टी.ओ. द्वारा प्रदान की गई ग्रीन बॉक्स सब्सिडी पर अधिक ध्यान देता है।
- ग्रीन बॉक्स सब्सिडी, डब्ल्यू.टी.ओ. द्वारा अनुज्ञप्त नॉन-डिस्टॉरटिंग सब्सिडी है।
- वर्ष 2015 हेतु डब्ल्यू.टी.ओ. के नवीनतम व्यापारिक आंकड़ों के अनुसार भारत नौवां सबसे बड़ा निर्यातक राष्ट्र है।
- वर्ष 2016 में कृषि उत्पादों के वैश्विक निर्यात में इसका भाग कुछ वर्ष पहले 1 प्रतिशत से बढ़कर 2.2% हो गया है।

डब्ल्यू.टी.ओ. द्वारा प्रदान जाने वाली सब्सिडी के प्रकार

ग्रीन बॉक्स

- ग्रीन बॉक्स एक प्रकार की सब्सिडी है जो अवश्य ही व्यापार को डिस्टार्ट नहीं करती अथवा न्यूनतम डिस्टॉर्शन करती है।

एम्बर बॉक्स

- उत्पादन और व्यापार को डिस्टॉर्ट करना माने जाने वाले सभी घरेलू समर्थन मापकों हेतु कृषि के एम्बर बॉक्स का उपयोग किया जाता है।

ब्लू बॉक्स

- ये सब्सिडियां एम्बर बॉक्स कटौती समझौते के अंतर्गत नहीं आती हैं क्यों कि वे उत्पादन-सीमित कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए प्रत्यक्ष भुगतान हैं।

डब्ल्यू.टी.ओ. के संदर्भ में-

- विश्व व्यापार संगठन एक अंतर्सरकारी संगठन है जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को विनियमित करता है।
- डब्ल्यू.टी.ओ. के वर्तमान महानिदेशक रॉबर्टो अजेवेडो हैं।
- इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जिनेवा में है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- आर्थिक विकास

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

7. **<u>नोबल पुरस्कार 2018</u>**

नोबल पुरस्कार 2018	किसको	किसलिए
दवा के क्षेत्र में	अमेरिका के जेम्स एलीसन और जापान के तासुकूहोंजो	नकारात्मक प्रतिरक्षा विनियमन का कैंसर उपचार नियंत्रण
भैतिकी में	अर्थर अशकिन (यू.एस.), गेरार्ड मोरोउ (फ्रांस) और डोन्न स्ट्राइकलैंड (कनाडा)	ऑप्टिकल लेजर तकनीक जिसका वर्तमान में आंखों की सुधारात्मक शल्य चिकित्सा में उपयोग किया जा रहा है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3- विज्ञान और तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>न्यायमूर्ति रंजन गोगोई ने भारत के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की</u>**

- न्यायमूर्ति रंजन गोगोई ने भारत के 46 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की।

संबंधित जानकारी

- भारत के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह के दौरान उन्हें कार्यालय शपथ दिलाई।
- मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के बाद न्यायमूर्ति गोगोई सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं।
- न्यायमूर्ति रंजन गोगोई ने 13 महीनों के छोटे कार्यकाल के लिए पद ग्रहण किया है और वे 17 नवंबर, 2019 को सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

न्यायमूर्ति गोगोई के संदर्भ में जानकारी-

- न्यायमूर्ति गोगोई वर्ष 1978 में वकील संघ में शामिल हुए और इन्होंने मुख्य रूप से गोवाहाटी उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस की।
- फरवरी, 2001 में उन्हें गोवाहाटी उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया।
- वर्ष 2010 में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया गया और इसके बाद उन्हें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

- अप्रैल, 2012 में उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2-गर्वनेंस

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>विश्व शांति स्मारक गुबंद</u>**

- विश्व शांति स्मारक, दुनिया का सबसे बड़ा गुंबद है।

संबंधित जानकारी

- महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर इसका उद्घाटन किया गया है।
- यह गुंबद लोनीकालभोर में महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.आई.टी.) के विश्व शांति विश्वविद्यालय (एम.आई.टी.-डब्ल्यू.पी.यू.) परिसर में स्थित है।

विश्व शांति स्मारक के संदर्भ में जानकारी

- यह एम.आई.टी. विश्व शांति विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ विश्वनाथ करड के दिमाग की उपज है।
- इसके पीछे का मूल कारण धर्मों, विचारधाराओं और साहित्य के माध्यम से भारतीय एकता की पहचान की प्रतीकात्मकता को दर्शाना है।
- एम.आई.टी.-डब्ल्यू.पी.यू. ने इस परिसर में विज्ञान, धर्म और दर्शनशास्त्र पर चार दिवसीय विश्व संसद का आयोजन किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1-आर्ट एंड कल्चर

स्रोत- द हिंदू

04.10.2018

1. **<u>स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण पुरस्कार 2018</u>**

- राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2018, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा साधिकारित है।

संबंधित जानकारी

- प्रधानमंत्री ने शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले शीर्ष राज्यों, जिलों और राज्यों को पुरस्कृत किया है।
- हरियाणा को सर्वश्रेष्ठ राज्य जब कि महाराष्ट्र के सतारा जिले को सर्वश्रेष्ठ जिले के रूप में शीर्ष स्थान प्रदान किया गया है।
- उत्तर प्रदेश को अधिकतम नागरिकों की भागीदारी के लिए पुरस्कृत किया गया था।
- यह रैंकिंग मानकों के व्यापक सेट के आधार पर की गई है, जिनमें स्कूल, आंगनवाड़ी, पी.एच.सी., हाट/ बाज़ार, पंचायत जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों के सर्वेक्षण और स्वच्छता के प्रति नागरिकों की धारणाएं शामिल हैं।
- पुरस्कार प्राप्त करने वाले शीर्ष रैंक वाले राज्य और जिलें निम्नवत हैं-

  शीर्ष 3 राज्य:

  1. हरियाणा 2. गुजरात 3. महाराष्ट्र

  शीर्ष 3 जिलें:

  1. सातारा, महाराष्ट्र 2. रेवाड़ी, हरियाणा
  3. पेडापल्ली, तेलंगाना
- अधिकतम नागरिकों की भागीदारी वाले राज्य: उत्तर प्रदेश 2. गुजरात 3. महाराष्ट्र
- अधिकतम नागरिकों की भागीदारी वाले जिलें: नासिक, महाराष्ट्र 2. सोलापुर, महाराष्ट्र 3. चित्तौड़गढ़, राजस्थान

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गर्वनेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>88 मिलियन वर्ष पुराना द्वीप और गढ़ढा भू-पार्क बनाए जाएंगे</u>**

- महाराष्ट्र में उल्कापिंडों के टकराने से बनी एक प्राचीन वृत्ताकार झील और उदुपी के एक द्वीप में बेसाल्टी चट्टानों के षटकोणीय मौज़ेक, वैश्विक भू-पार्क बनने की ओर अग्रसर हैं।
- महाराष्ट्र में लोनार झील और तटीय कर्नाटक में सेंट मैरी द्वीप और मालपे तट, यूनेस्को वैश्विक भू-पार्क नेटवर्क स्टेटस के लिए जी.एस.आई. के उम्मीदवार हैं।
- भू-पार्क का नाम ऐतिहासिक स्मारकों के लिए 'विश्व धरोहर स्थल' के सदृश्य है जो वैश्विक स्तर पर भारत की प्रसिद्ध भूगर्भीय विशेषताओं को दर्शाता है।

संबंधित जानकारी

लोनार झील

- लोनार ज्वालामुखी को 1979 में भू-विरासत स्थल का दर्जा प्रदान किया गया था, जो बैसाल्टिक चट्टानों में विश्व का एकमात्र ज्ञात प्रसिद्ध उल्कापिंड गढ़ढा है।

- यह भूगर्भ विज्ञान की दृष्टि से अपेक्षाकृत युवा है, यह मात्र 50,000 वर्ष पुराना है।
- पृथ्वी पर गिरने वाले उल्कापिंड का अनुमानित बजन 2 मिलियल टन होता है जो 1.83 कि.मी. व्यास का गढ्ढा बनाता है जहां झील का निर्माण होता है।

सेंट मैरी द्वीप

- मैरी द्वीप को 1975 में राष्ट्रीय भू-विरासत स्थल घोषित किया गया था।
- यह अनुमान लगाया जाता है कि यह 88 मिलियन वर्ष पुराना है, जो उस समय में वापस ले जाता है जब ग्रेटर इंडिया, मेडागास्कर से अलग हुआ था।

जी.एस.आई. के संदर्भ में जानकारी-

- भारत भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जी.एस.आई.) की स्थापना 1851 में की गई थी, यह भारत सरकार, खान मंत्रालय का संगठन है।
- इसका मुख्यालय कोलकाता में है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>फाल आर्मीवार्म: कली में समस्या उत्पन्न करना</u>**

- भारत को इस नए प्रकार के कीट से प्रभावपूर्ण ढंग से निपटना चाहिए जो मक्का और कई अन्य फसलों की पोषिता को बर्बाद कर सकता है।
- यह कीट कई दशकों से अमेरिका में देखा जा रहा है।
- फाल आर्मीवार्म (एफ.ए.डब्लू) को वैज्ञानिक रूप से स्पोडोप्टेरा फ्रुगिपेरडा के नाम से जाना जाता है) को हाल ही में कर्नाटक और आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और गुजरात के कुछ हिस्सों में पाया गया है।
- यह मुख्य रूप से मक्के के खेतों में पाया जाता है।

संबंधित जानकारी

फाल आर्मीवार्म के संदर्भ में जानकारी-

- मादा कीट अंडे देती है और कैटरपिलर, प्यूपीकरण करने और नए कीट में परिवर्तित होने से पूर्व इन अंडों को सेती हैं और मुख्य फसल पौधों के कुछ हिस्सों को खाती है।
- अत्यधिक विनाशकारी और आक्रामक कीट कई दशकों से अमेरिका में देखा जा रहा है लेकिन अमेरिका के बाहर पहली बार वर्ष 2016 के आरंभ में पश्चिमी अफ्रीका में इस कीट के प्रसार को दर्ज किया गया था।
- मैक्सिको में अंतर्राष्ट्रीय मक्का एवं गेहूं विकास केंद्र के अनुसार इसे सी.आई.एम.एम.वाई.टी. के नाम में भी जाना जाता है जिसने 1.5 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र की अफ्रीका की मक्के की फसलों को नष्ट कर दिया है।

नियंत्रण के उपाय

- मुख्य पौधा प्रतिरोध (प्रजनन के माध्यम से), जैविक और सांस्कृतिक नियंत्रण को सम्मिलित करने हेतु एक प्रभावी आई.पी.एम. रणनीति की आवश्यक्ता होगी।
- फसलों की सुरक्षा के लिए पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित रसायनों और जैव-कीटनाशकों का उपयोग करना चाहिए।
- रसायनों के छिड़काव से तब तक बचा जाना चाहिए जब तक कि कीट भार आर्थिक देहली स्तर को पार नहीं कर जाता है।
- कीटों द्वारा दिए गए अंडे नग्न आंखों से स्पष्ट रूप से नहीं देखें जा सकते हैं। किसानों को अंडों को पहचानने और उन्हें नष्ट करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है, जिस प्रकार कैटरपिलर को बाहर निकलने से रोका जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>दुनिया के पहले हाइपरलूप यात्री कैप्सूल का अनावरण किया गया है।</u>**

- दुनिया के पहले हाइपरलूप यात्री कैप्सूल का अनावरण किया गया है, जिसकी गति 1200 कि.मी./ घंटा है। इस कैप्सूल को स्पेन में हाइपरलूप ट्रांसपोर्टेशन टेक्नोलॉजीस द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

संबंधित जानकारी

- हाइपरलूप एक ऐसी तकनीक है जिसे वर्ष 2013 में अरबपति एलोन मस्क के द्वारा प्रस्तुत करने के बाद लोकप्रियता प्राप्त हुई थी।

- यह पहला पूर्ण पैमाना यात्री कैप्सूल है, जो सर्वश्रेष्ठ स्तर पर दुनिया को यात्रा के भविष्य की झलक दिखाता है।
- ऐसा माना जाता है कि घर्षण को कम करने के लिए निम्न दाब वाले ट्यूबों के माध्यम से कैप्सूल में बैठे हुए यात्री 750 मील प्रति घंटे (1,200 किलोमीटर) प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा करते हैं।
- यह तकनीक, मौजूदा तरीकों की अपेक्षा ट्रेनों को तेज गति से चलने में सक्षम बनाएगी।

भारत के संदर्भ में जानकारी

- फरवरी में, ब्रान्सन ने व्यापक हाइपरलूप ढांचे के लिए मुंबई में प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह मुंबई-पुणे प्रणाली पर विचार करने में मदद करेगा जो यात्रा के समय को 25 मिनट तक कम कर देगा और लगभग पूरे तीन घंटे कम का समय लेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

5. **<u>गॉब्लिन: सौर मंडल के नौवें ग्रह के रूप में माना जाता है।</u>**

- एक नया खोजा गया बौना ग्रह है जिसका नाम 'द गॉब्लिन' है जो प्लूटो से बहुत दूर एक अकेली कक्षा का निर्माण कर रहा है।
- ऐसा अनुमान है कि गॉब्लिन, पृथ्वी से 10 गुना विकशालकाय है और उसका अनंतिम नाम भी है।

संबंधित जानकारी

2015 टी.जी.387

- गॉब्लिन, सूर्य से 80 खगोलीय इकाइयों (AU) की दूरी पर स्थित था, (1 AU, पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी के बराबर होता है)।
- जब यह सबसे नजदीक होता है तो गॉब्लिन, सूर्य से 65 AU की दूरी पर स्थित होता है।
- यह 40,000 वर्षों में एक बार सूर्य परिक्रमा पूरी करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>भारतीयों को यू.के. की आप्रवासन योजना से नुकसान होगा।</u>**

- नई प्रणाली के अंतर्गत आप्रवासी अपने परिवारों को केवल तभी ले जा सकने में सक्षम होंगे जब हैं वे नियोक्ता द्वारा प्रायोजित हों।

संबंधित जानकारी

- ब्रिटेन "एक बार और सभी के लिए स्वतंत्रता के आंदोलन" को समाप्त करेगा जो यूरोपीय संघ का एक आधारभूत सिद्धांत है।
- यह यूरोपीय नागरिकों के लिए और गैर यूरोपीय नागरिक आप्रवासियों के लिए अधिक मुश्किल होगा, क्यों कि स्पष्ट रूप से ब्रेक्सिट में व्यापार या निवेश को छोड़कर उन्हें सबसे महत्वूपर्ण मुद्दे के रूप में माना जाएगा।
- सरकार ने सभी निम्न जोखिम वाले देशों से अल्पकालिक व्यापार यात्रा पर आने वाले पर्यटकों और आगंतुकों हेतु “ई-गेट वीज़ा चेक की त्वरित प्रणाली“ शुरू की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>रसायन विज्ञान के क्षेत्र में प्रदान किए गए नोबेल पुरस्कार 2018</u>**

- फ्रांसिस एच. अर्नोल्ड, जॉर्ज पी. स्मिथ और सर ग्रेगॉरी पी. विंटर ने रसायन विज्ञान में संयुक्त रूप से नोबल पुरस्कार जीता है।

संबंधित जानकारी

- उन्हें रसायन विज्ञान के क्षेत्र में प्रदान किए गए नोबेल पुरस्कार 2018 में फ्रांसेस एच. अर्नोल्ड को "एंजाइमों के प्रत्यक्ष विकास के लिए" आधा पुरस्कार प्रदान किया गया है।
- पुरस्कार का अन्य आधा भाग जॉर्ज पी. स्मिथ और सर ग्रेगॉरी पी. विंटर को “पेप्टाइड और एंटीबॉडी की अवस्था प्रदर्शन के लिए“ संयुक्त रूप से प्रदान किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>रोमन साम्राज्य के गहने को खतरे का सामना करना पड़ सकता है।</u>**

- यूनेस्को ने घोषित किया था कि वर्ष 2016 में साब्रथा मुख्य रूप से सशस्त्र समूहों के कारण होने वाले क्षति के कारण खतरे में है।

संबंधित जानकारी

- लीबिया के भूमध्य तट के किनारे पर स्थित साब्रथा का प्राचीन शहर का अद्भुत प्रेरणादायक दृश्य अभी भी स्थायी है।
- विश्व धरोहर स्थल को यूनेस्को द्वारा "लुप्तप्राय" की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है, इसकी आलीशान संरचनाएं, मोर्टार और छोटे हथियारों के द्वारा की गई चोटों से खराब हो गई हैं।
- यूनेस्को ने अपनी विश्व धरोहर सूची में चार अन्य लीबियाई स्थलों के साथ साब्रथा को लुप्तप्राय स्थलों के रूप में घोषित कर दिया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी

9. **<u>लक्षद्वीप के पन्ना में खाड़ी विलास स्थापित किए जाएंगे।</u>**

- नीति आयोग ने द्वीपीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'इको-कॉटेज' और एक फिल्म सिटी स्थापित करने की योजना बनाई है।

संबंधित जानकारी

- परियोजना के लिए नीति आयोग, द्वीप विकास एजेंसी (आई.डी.ए.) जिसकी अध्यक्षता गृह मंत्री द्वारा की जाती है, के समेत अन्य हितधारकों के साथ तकनीकी संभाव्यता का अध्ययन कर रहा है।
- द्वीपीय खाड़ी विलास विकसित करने हेतु लक्षद्वीप में कई खाड़ी क्षेत्र हैं।

टॉपिक- जीएस पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

05.10.2018

1. **<u>21 आई.ओ.आर.ए. देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा पर दिल्ली के घोषणापत्र को स्वीकार किया है।</u>**

- इन देशों ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के संरक्षण के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा में आई.ओ.आर.ए. नवीकरणीय ऊर्जा की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक में दिल्ली के घोषणापत्र को स्वीकार किया है।
- हिंद महासागर तट पर नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने हेतु आई.ओ.आर.ए. सदस्य देशों के मध्य आपसी सहयोग के लिए दिल्ली घोषणापत्र को स्वीकार किया गया है।
- इसे हिंद महासागरीय क्षेत्र के लिए सामान्य नवीकरणीय ऊर्जा मुद्दे के विकास हेतु और क्षेत्रीय क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए भी स्वीकार किया गया है।

संबंधित जानकारी

दिल्ली घोषणापत्र

- यह दिल्ली में आयोजित किए गए आसियान-भारत स्मारणीय शिखर सम्मेलन का परिणाम था जो कि "शेअर्ड वैल्यू, कॉमन डेस्टिनी" थीम के अंतर्गत दो पक्षों के मध्य क्षेत्रीय वार्ता की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित किया गया था।
- पहली बार भारत और 10 आसियान देश आतंकवाद, पहचान सुरक्षा, सैन्य सहयोग और द्विपक्षीय वित्तीय समर्थन जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

हिंद महासागर तटीय सहयोग संघ

- इसे पहले हिंद महासागर तटीय पहल और क्षेत्रीय सहयोग हेतु हिंद महासागर तटीय संघ (आई.ओ.आर.-ए.आर.सी.) के नाम से जाना जाता था।
- यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसमें हिंद महासागर की सीमा के तटीय राज्य शामिल हैं।
- इसका मुख्यालय एबेन, मॉरीशस में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **सहयोग एच.ओ.पी. टी.ए.सी.-2018**

- भारत और वियतनाम के तटरक्षक बलों ने चेन्नई तट पर संयुक्त युद्धाभ्यास का आयोजन किया।

संबंधित जानकारी

- युद्धाभ्यास का मुख्य आकर्षण एक तेल के जहाज का अपहरण करना और परिणामस्वरूप दोनो देशो के समन्वित संयुक्त आपरेशन द्वारा इसके सदस्यों को सुरक्षित बचाने का परिदृश्य है।
- इस संयुक्त युद्धाभ्यास में तटरक्षक जहाज शौर्य, अर्नवेश और इंटरसेप्टर नाव C-431 के साथ एक डोर्नियर विमान और चेतक हेलीकॉप्टर भी शामिल किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर

3. **शीघ्र ही भारत के पहले डॉल्फ़िन शोध केंद्र की स्थापना पटना में की जाएगी।**

- भारत और एशिया में अपनी तरह के पहले राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र (एन.डी.आर.सी.) की स्थापना की जाएगी।

संबंधित जानकारी

- स्तनधारियों को उनके मांस, वसा और तेल के लिए एक सांकेतिक दर से मारा जा रहा है।
- यह केंद्र लुप्तप्राय स्तनधारियों को बचाने के लिए किए जाने वाले शोध और संरक्षण प्रयासों को मजबूती प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- गंगा नदी की डॉल्फिन, भारत का राष्ट्रीय जलीय पशु है लेकिन प्राय: शिकारियों के द्वारा शिकार किए जाने और कभी-कभी मछली पकड़ने के प्लास्टिक के जालों में बंद करने और मशीन बोट से टकराने के कारण अनजाने में मछलियां मारी जाती हैं।

गंगा नदी की डॉल्फिन के संदर्भ में जानकारी-

- गंगा नदी की डॉल्फ़िन, विश्व में ताजे पानी की डॉल्फिन की चार प्रजातियों में से एक है।
- ये डॉल्फिन यांगतजे नदी, पाकिस्तान में सिंधु नदी और अमेजन बेसिन नदी में भी पाई जाती हैं।
- गंगा नदी की प्रजातियां- भारत में पाई जाती हैं, बांग्लादेश और नेपाल में लगभग पूरी तरह से ये डॉल्फिन नहीं पाई जाती हैं।
- गंगा नदी की डॉल्फ़िन आसपास के उथले पानी के साथ गहराई के पानी को पसंद करती हैं।
- ये डॉल्फिन ऐसे क्षेत्रों में रहती हैं जहां न के बराबर या किसी प्रकार का कोई भी प्रवाह न हो जिससे उन्हें ऊर्जा बचाने में मदद मिल सके।
- डॉल्फिन मछलियों का शिकार करने और वापस आने के लिए गैर-प्रवाह क्षेत्र से किनारों की ओर तैरती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- टी.ओ.आई

4. **पहला राज्य जल ग्रिड पोर्टल जयपुर में लांच किया गया है।**

- जल स्वावलंबन अभियान के चौथे चरण की शुरुआत के साथ ही पहले राज्य जल ग्रिड पोर्टल को शुरू किया गया है।

संबंधित जानकारी

- यह राजस्थान सरकार की प्रमुख जल संरक्षण परियोजना है।
- जल संसाधन विभाग ने विभिन्न स्रोतों से पानी की उपलब्धता और आपूर्ति की निगरानी हेतु पोर्टल विकसित किया है।
- यह बड़े पैमाने पर प्रमुख जल निकायों की सिंचाई क्षमता के अधिकतर भाग को समुदाय-प्रबंधित तालाबों और टंकियों के माध्यम से बचाने में मदद करता है।
- इसके अतिरिक्त यह नीति आयोग द्वारा जारी किए गए जल प्रबंधन सूचकांक में राजस्थान की रैंकिंग में सुधार करने में भी मदद करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गर्वनैंस

स्रोत- द हिंदू

5. **'डिजीयात्रा' – हवाई यात्रियों के लिए एक नया डिजिटल अनुभव प्रदान करेगा।**

- नागरिक उड्डयन मंत्रालय, डिजीयात्रा प्लेटफार्म के माध्यम से हवाई यात्रियों के लिए एक नया डिजिटल अनुभव शामिल करने जा रहा है।

संबंधित जानकारी

- इस पहल का उद्देश्य एक डिजिटल पारिस्थितिक तंत्र विकसित करने हेतु पूरे उद्योग जगत को एक साथ इकठ्ठा करना है जो भारतीय ग्राहकों को एक निर्बाध, सुसंगत और कागजरहित सेवा प्रदान करेगा।
- इस प्लेटफार्म का निर्माण 4 प्रमुख आधारों जैसे: संबंधित यात्री, संबंधित हवाई अड्डे, संबंधित उड़ानें और संबंधित तंत्र के आधार पर किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. **<u>तम्बाकू उत्पादों पर चित्रित चेतावनी में भारत ने 5वां स्थान प्राप्त किया है।</u>**

- कनाडा कैंसर सोसाइटी उन देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्टेट्स रिपोर्ट जारी करती है जिनमें तम्बाकू उत्पादों पर चित्रित स्वास्थ्य चेतावनी छापी जाती है।

संबंधित जानकारी

- कनाडाई कैंसर सोसाइटी ने सिगरेट पैकेटों पर स्वास्थ्य चेतावनी के आकार के आधार पर 206 देशों और सीमाओं को स्थान प्रदान किया है।
- पूर्व तिमोर को पहला स्थान प्राप्त हुआ है, इस देश में तंबाकू उत्पादों के 85% अगले भाग पर और 100% पिछले भाग पर चित्रित चेतावनी छापी जाती है।
- नेपाल में तंबाकू उत्पादों के दोनों तरफ 90% भाग पर चित्रित चेतावनी छापी जाती है। भारतीय पैकेजिंग में तंबाकू उत्पादों के दोनों तरफ 85% चित्रित चेतावनी छापी जाती है।
- भारत सरकार ने पहली बार सभी तंबाकू उत्पादों पर क्विट-लाइन नंबर को छापना शुरू किया है।
- सार्क देशों में से भारत पहला ऐसा देश है जो तंबाकू उत्पादों पर क्विट-लाइन नंबर छापता है और एशिया में थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर के बाद तंबाकू उत्पादों पर क्विट-लाइन नंबर छापने वाला चौथा ऐसा देश है।

क्विट-लाइन नंबर

- पैकिंग चेतावनी लोगों को, विशेषकर शिक्षित व्यक्तियों और बच्चों को तंबाकू उपभोग के हानिकारक परिणामों के बारे में बताने में मदद करती है।
- क्विट-लाइन नंबर तंबाकू उत्पादों का उपयोग रोकने में उन लोगों की मदद करेगा जो तंबाकू उत्पादों को छोड़ना चाहते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण स्थान

स्रोत- ए.आई.आर

7. **<u>हमारे सौर मंडल के बाहर पहले चंद्रमा को खोजा गया है।</u>**

- नए खोजे गए एक्सोमून और ग्रह, दोनो की कक्षाएं गैसीय हैं।

संबंधित जानकारी

- खगोलविदों ने हमारे सौर मंडल के बाहर पाए गए पहले चंद्रमा का पता लगाया है।
- यह वरूण के आकार की बड़ी गैसीय दुनिया है जो कि किसी अन्य ज्ञात चंद्रमा के समान नहीं है और बृहस्पति के आकार से काफी बड़े गैसीय ग्रह के चारों-ओर चक्कर लगाती है।
- एक्सोमून और इसकी ग्रह कक्षा केप्लर -1625, हमारे सूर्य के समान तापमान रखने वाला एक तारा है लेकिन यह सूर्य से लगभग 70% बड़ा है।
- एक्सोमून की कक्षाएं अपने ग्रह से लगभग 3 मिलियन कि.मी. की दूरी पर हैं और इसका द्रव्यमान अपने ग्रह के द्रव्यमान का लगभग 5% है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>मध्य प्रदेश में पहले कौशल पार्क के लिए भारत को 150 मिलियन डॉलर का ऋण प्राप्त हुआ है।</u>**

- भारत और एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.) ने मध्य प्रदेश में देश का पहला बहु-कौशल पार्क स्थापित करने के लिए 150 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

संबंधित जानकारी

- वैश्विक कौशल पार्क (जी.एस.पी.) की स्थापना भोपाल में की जाएगी, जो राज्य में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (टी.वी.ई.टी.) प्रणाली की गुणवत्ता को विकसित करने में मदद करेगी।
- परिसर में मूल उन्नत प्रशिक्षण संस्थान बनाए जाएंगे जिनमें व्यावसायिक कौशल अधिग्रहण केंद्र और उन्नत कृषि प्रशिक्षण केंद्र भी शामिल होंगे।
- "परिसर में विनिर्माण, सेवा और उन्नत कृषि नौकरियों हेतु कौशल पर ध्यान केंद्रित करने वाली प्रशिक्षण सुविधाएं शामिल की जाएंगी, जिससे लगभग 20,000 प्रशिक्षु और प्रशिक्षकों को लाभ होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गर्वनेंस

स्रोत- फाइनैंशियल एक्सप्रेस

9. **चौथा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, लखनऊ में आयोजित किया गया।**

- यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित किया जाता है।

संबंधित जानकारी

- आई.आई.एस.एफ. की तीसरी श्रृंखला को आयोजन तमिलनाडु में किया गया था।
- इस कार्यक्रम में विज्ञान के शिक्षकों और छात्रों सहित दस हजार से अधिक वैज्ञानिक और विशेषज्ञ भाग लेंगे।
- इस साल के महोत्सव की थीम "परिवर्तन के लिए विज्ञान" है।

विज्ञान भारती के संदर्भ में जानकारी

- विज्ञान भारती (VIBHA, जिसे पहले स्वदेशी विज्ञान आंदोलन के नाम से जाना जाता था) एक गैर-लाभकारी संगठन है।
- यह भारत में विज्ञान की लोकप्रियता और नई तकनीकियों एवं प्राचीन विज्ञान को लागू करने हेतु काम करती है।
- इसे भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु में शुरू किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3–विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत-पी.आई.बी.

06.10.2018

1. **कोंकण के अल्फांजो आमों को जी.आई. टैग प्रदान किया गया**

- महाराष्ट्र के रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पालघर, ठाणे और रायगढ़ जिलों के अल्फांजों आमों को भौगोलिक संकेतक के रूप में पंजीकृत किया गया है।
- आमों के राजा अल्फांजो को महाराष्ट्र में 'हापुस' के नाम से जाना जाता है।
- इसे देशीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में न केवल इसके स्वाद के लिए बल्कि इसकी मनमोहक सुगंध और रंग के लिए भी जाना जाता है।

संबंधित जानकारी

जी.आई. टैग के संदर्भ में जानकारी-

- भौगोलिक संकेतक या जी.आई. टैग का प्रयोग उन उत्पादों पर किया जाता है जो किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में उत्पन्न होते हैं और उसमें निहित गुणवत्ताओं अथवा सम्मान का उस स्थान विशेष से गहरा नाता होता है।
- जी.आई. टैग शिल्पकारों, किसानों, बुनकरों और कारीगरों की आय को बढ़ाकर दूरस्थ क्षेत्रों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लाभान्वित कर सकते हैं।
- वर्ष 2004 में भारत में जी.आई. टैग प्राप्त करने वाला पहला उत्पाद दार्जिलिंग चाय थी।

वर्ष 2017 में प्रदान किए गए जी.आई. टैग स्टेट्स-

1. तेलंगाना के पोचांपल्ली इकात
2. पश्चिम बंगाल के गोबिंदोभोग चावल
3. आंध्र प्रदेश की दुर्गी पत्थर नक्काशी
4. आंध्र प्रदेश के एटिकोप्पाका खिलौने
5. नागालैंड के चक्शेसंग शॉल
6. आंध्र प्रदेश के बनागनापल्ले आम
7. पश्चिम बंगाल के तुलाईपंजी चावल
8. पश्चिम बंगाल के बंगलर रसगुल्ले

वर्ष 2018 में प्रदान किए गए जी.आई. टैग स्टेट्स-

1. अराकू कॉफी (आंध्र प्रदेश)
2. कड़कनाथ चिकन (मध्य प्रदेश)
3. आदिलाबाद डोकरा (तेलंगाना)
4. वरंगल इरीज (तेलंगाना)
5. कोंकण के अल्फांजो

टॉपिक- जी.एस पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी

2. **पेट्रोलियम मंत्रालय ने भारत में स्किल्स गैप को बंद करने के लिए एक टास्क फोर्स की शुरूआत की है।**

- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस एवं कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने विश्व आर्थिक मंच के सहयोग से इस टास्क फोर्स की शुरूआत की है।

संबंधित जानकारी

- कौशल विकास पर पड़ने वाले प्रभावों की गति को बढ़ाने हेतु "क्लोजिंग द स्किल गैप" टास्क फोर्स का गठन एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।
- यह टास्क फोर्स विश्व आर्थिक मंच के क्लोजिंग द स्किल गैप परियोजना के सहयोग से शुरू की जाने वाली दूसरी देश-नेतृत्वकर्ता सार्वजनिक निजी टास्क फोर्स है, विश्व आर्थिक मंच के क्लोजिंग द स्किल गैप परियोजना के सहयोग से सबसे पहली टास्क फोर्स का गठन दक्षिण अफ्रीका में किया गया था।
- मंत्रालय ने 'भारत में काम के भविष्य' पर रिपोर्ट जारी की है, यह भारत में काम के भविष्य और 'यंग इंडिया एंड वर्क' पर जारी किया गया एक उद्यम सर्वेक्षण है और भारत में युवा आकांक्षाओं का सर्वेक्षण भी है।
- इस टास्क फोर्स का उद्देश्य भारत में स्किल गैप का पता लगाने और भविष्य की नौकरियों के लिए भारतीय कर्मचारियों की संख्या को तैयार करने के लिए एक कार्य योजना विकसित करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

3. **आई.बी.एस.ए.एम.ए.आर.**

- आई.बी.एस.ए.एम.ए.आर. के छठवें संस्करण का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में किया गया था। यह भारतीय, ब्राजीलियाई और दक्षिण अफ्रीकी नौसेना के मध्य आयोजित एक संयुक्त बहुराष्ट्रीय समुद्री युद्धाभ्यास था।

संबंधित जानकारी

- इस समुद्री युद्धाभ्यास का उद्देश्य भाग लेने वाली नौसेनाओं को सामूहिक प्रशिक्षण प्रदान करना, सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को सीखने के साथ-साथ आपस में अंर्तकार्यकारिता और आपसी समझ विकसित करना है।

आई.बी.एस.ए.एम.ए.आर. के संदर्भ में जानकारी

- इसे लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक हितों और समुद्री सहयोग के सम्मिलन का सबसे स्पष्ट प्रदर्शन माना जाता है।
- इसकी शुरूआत वर्ष 2006 में की गई थी।
- आई.बी.एस.ए.एम.ए.आर.-V के पिछले संस्करण का आयोजन फरवरी, 2016 में गोवा, भारत में किया गया था और अन्य सभी पिछले युद्धाभ्यासों का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत-पी.आईबी.

4. **राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान की स्थापना की गई।**

- मंत्रिमंडल ने भोपाल के बजाय सीहोर जिले में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

- एन.आई.एम.एच.आर. देश में मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास के क्षेत्र में इस प्रकार का पहला संस्थान है।
- यह मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास के क्षेत्र में मानव संसाधन एवं अनुसंधान में क्षमता निर्माण हेतु उत्कृष्ट संस्थान के रूप में कार्य करेगा।
- यह एक संस्तुति निकाय के रूप में भी काम करेगा जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के प्रभावी पुनर्वास हेतु मॉडल/ प्रोटोकॉल का सुझाव देगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2–गर्वनैंस

स्रोत-पी.आई.बी

5. **भारत के मेथनॉल पाक कला ईंधन कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।**

- पूर्वोत्तर और असम पेट्रो-केमिकल, एक राज्य स्वामित्व वाली कंपनी है जिसने एशिया के पहले कैनस्टर आधारित और भारत के पहले "मेथनॉल पाक कला ईंधन कार्यक्रम" की शुरूआत की है।

संबंधित जानकारी

- यह परियोजना, कच्चे तेल के आयात को कम करने हेतु प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का एक प्राकृतिक विस्तार है।
- यह स्वच्छ, आयात प्रतिस्थापी, लागत प्रभावी और प्रदूषण मुक्त पाक कला माध्यम प्रदान करने हेतु एक प्रयास है।
- इसे घरेलू ईंधन और वाणिज्यिक, संस्थागत एवं रेस्तरां के लिए ईंधन के रूप में एक उत्कृष्ट विकल्प के रूप प्रदान किया जा सकता है।
- गैसीय रूप की मेथनॉल - डी.एम.ई. को एल.पी.जी. के साथ 20% अनुपात में मिलाया जा सकता है।
- अगले वर्ष तक देश में एल.पी.जी.-डी.एम.ई. मिश्रण कार्यक्रम को शुरू करने की उम्मीद जतायी जा रही है।

असम पेट्रोकेमिकल्स के संदर्भ में जानकारी-

- असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, पिछले 30 वर्षों से मेथनॉल का निर्माण कर रहा है।
- यह दिसंबर, 2019 तक अपने 100 टी.पी.डी. मेथनॉल संयंत्र को 600 टी.पी.डी. मेथैनॉल संयत्र में अपग्रेड करने की प्रक्रिया में कार्यरत है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- ऊर्जा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **गुजरात अपने गौरव की रक्षा करने हेतु कार्यरत है।**

- गिर वन में 12 सितंबर से 23 शेरों की मृत्यु से गुजरात सरकार निस्तब्ध है।

संबंधित जानकारी

- केंद्र सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने में राज्य की सहायता करने हेतु अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को बुलाया है।
- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.) ने पुष्टि की है कि इन मृत्युओं के लिए कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सी.डी.वी.) जिम्मेदार है।
- आई.सी.एम.आर.-एन.आई.वी. (आई.सी.एम.आर.-राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान) के वैज्ञानिकों ने वर्तमान में उपलब्ध सी.डी.वी. का टीका लगाने का सुझाव दिया है जो गिर शेरों के लिए सुरक्षात्मक परत के रूप में काम करेगा।
- कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सी.डी.वी.) और टिक-बोर्न बेबेसियोसिस, इन शेरों की मृत्यु का कारण बन रहा है जो गुजरात के गौरव के रूप में प्रसिद्ध हैं।
- आई.सी.एम.आर. ने यह भी सुझाव दिया है कि जानवरों को 2-3 अलग-अलग अभयारण्यों में रखा जाना चाहिए।

सी.डी.वी. के संदर्भ में जानकारी

- सी.डी.वी., कुत्तों में अत्यधिक संक्रामक और जानलेवा बीमारियों का कारण बनता है।
- यह विभिन्न जंगली मांसाहारियों जैसे- भेड़िये, लोमड़ी, रैकून, लाल पैंडा, गंधबिलाव, लकड़बग्घा, बाघ और शेरों को भी प्रभावित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान और तकनीक

स्रोत- द हिंदू

7. **ओडिशा खाद्य सुरक्षा योजना**

- ओडिशा की राज्य सरकार ने स्वयं की खाद्य सुरक्षा योजना- राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (एस.एफ.एस.एस.) की शुरूआत की है।

संबंधित जानकारी

- एन.एफ.एस.ए. को वर्ष 2014 में लागू किया गया था लेकिन कई लोग इस योजना के लाभों से वंचित रह गए थे।
- यह कदम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में छूटे लोगों को शामिल करते हुए राज्य के द्वारा दी गई याचिका का उचित जवाब देने में केंद्र सरकार के बार-बार विफल होने के कारण उठाया गया है।

- यह योजना उन गरीब लोगों को लाभान्वित करेगी जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एन.एफ.एस.ए.) में छूट गए थे।
- इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को 1 रू/कि.ग्रा. की दर से प्रत्येक व्यक्ति को प्रति माह 5 किलोग्राम चावल मिलेगा और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अंतर्गत शामिल लोगों को भी समान लाभ प्राप्त होगा।।
- चावल का वितरण चयनित लाभार्थियों को नामित उचित मूल्य की दुकानों पर ई-प्वाइंट ऑफ सेल (ई-पी.ओ.एस.) डिवाइसों के माध्यम से किया जाएगा।

एन.एफ.एस.ए. के संदर्भ में जानकारी

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 (इसे भोजन का अधिकार अधिनियम के नाम से भी जानते हैं), यह भारत की संसद का अधिनियम है।
- इसका उद्देश्य भारत की 2 बिलियन जनता के लगभग दो-तिहाई भाग को सब्सिडी वाला अनाज प्रदान करना है।
- इसमें मिड-डे मील योजना, एकीकृत बाल विकास सेवा योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – कल्याण योजनाएं

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **चालकदल स्पेस एक्स मिशन शीघ्र ही लांच किया जाएगा।**

- नासा ने घोषणा की है कि पहली चालकदल उड़ान, एक स्पेस एक्स रॉकेट के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आई.एस.एस.) पर जून, 2019 तक कराने की उम्मीद है।
- वर्ष 2011 में अंतरिक्ष शटल कार्यक्रम के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह अनुसंधान प्रयोगशाला में कक्षा के लिए पहला मानव निर्मित अमेरिकी लॉन्च होगा।
- इस मिशन में, प्रत्येक उड़ान में दो अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा जाएगा जो पृथ्वी पर लौटने से पहले दो सप्ताह तक आई.एस.एस. के बाहर परिक्रमा करता रहेगा।

संबंधित जानकारी

आई.एस.एस. के संदर्भ में जानकारी-

- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन, निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थित एक अंतरिक्ष स्टेशन है।
- आई.एस.एस.,निम्न पृथ्वी कक्षा में सबसे बड़ा मानव निर्मित निकाय है और प्राय: इसे पृथ्वी से नग्न आंखों से देखा जा सकता है।
- आई.एस.एस., माइक्रो गुरूत्वाकर्षण और अंतरिक्ष पर्यावरण अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में काम करता है जिनमें चालकदल जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान आदि के क्षेत्र में प्रयोग करते हैं।
- यह स्टेशन, चंद्रमा और मंगल पर मिशन करने हेतु आवश्यक अंतरिक्ष यान प्रणाली और उपकरणों के परीक्षण के लिए उपयुक्त स्टेशन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान और तकनीक

स्रोत-पी.आई.बी.

9. **नोबल पुरस्कार 2018**

क्षेत्र	प्राप्तकर्ता	उपलब्धि
1. दवा के क्षेत्र में	अमेरिका के जेम्स एलीसन और जापान के तासुकूहोंजो	नकारात्मक प्रतिरक्षा विनियमन के कैंसर उपचार नियंत्रण हेतु
2. भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में	अर्थर ऐशकिन (अमेरिका), गेरार्ड मोउरो (फ्रांस) और डोना स्ट्रिकलैंड (कनाडा)	आप्टिकल लेजर तकनीक जिसका वर्तमान में आंखों की सुधारात्मक शल्य चिकित्सा में उपयोग किया जा रहा है।
3. रसायन विज्ञान के क्षेत्र में	फ्रांसेस एच. अर्नाल्ड, जॉर्ज पी. स्मिथ और ग्रेगरी पी. विंटर को संयुक्त रूप से नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया है।	एच. अर्नाल्ड को "एंजाइम के प्रत्यक्ष विकास हेतु" जॉर्ज पी. स्मिथ और सर ग्रेगरी पी. विंटर - पेप्टाइड्स और एंटीबॉडी की अवस्था प्रदर्शन हेतु
4. शांति के क्षेत्र में	प्रसूतिशास्त्री डा. डेनिस मुकवेगे और यजीदी मानवाधिकार कार्यकर्ता 'नादिया मुराद	सैन्य विद्रोहों और युद्ध के हथियारों के रूप में यौन हिंसा के प्रयोग को खत्म करने के प्रयासों हेतु

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान और तकनीक

स्रोत- द हिंदू

08.10.2018

1. **<u>भारत और रूस के छात्रों के बीच अभिनव सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अटल इनोवेशन मिशन और सिरियस ने एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- भारत और रूस के छात्रों के बीच अभिनव सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में, भारत के अटल इनोवेशन मिशन (ए.आई.एम.) और रूसी संघ के सिरियस एजुकेशनल फाउंडेशन के मध्य समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया था।

एम.ओ.यू. से आशायें हैं कि-

- रूस और भारत के छात्रों के बीच सांस्कृतिक और भाषायी अवरोध समाप्त हो जाएंगे।
- शैक्षिक, वैज्ञानिक, अभिनव उपलब्धियों के प्रोत्साहन में सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को साझा किया जाएगा।
- अभिनव सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।
- दोनों देशों के ज्ञान-आधारित नवाचार पारिस्थितिक तंत्र को बढ़ावा देने हेतु दोनों देशों के प्रतिभाशाली युवाओं को खोजा और विकसित किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

ए.आई.एम. के संदर्भ में जानकारी

- अटल इनोवेशन मिशन (ए.आई.एम.), देश में नवाचार और उद्दमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की प्रमुख पहल है।

अटल इनोवेशन मिशन में दो प्रमुख कार्य हैं-

- नवाचार को बढ़ावा देना: एक ऐसा मंच प्रदान करना जहां पर अभिनव विचार उत्पन्न होते हैं।
- उद्दमिता को बढ़ावा देना: इनक्यूबेशन केंद्रों में जहां पर उद्दमियों को सफल उद्दमी बनने हेतु समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान किया जाए।

सिरियस एजुकेशनल फाउंडेशन के संदर्भ में जानकारी-

- यह एक एकता, गैर-लाभकारी, गैर-मानक शैक्षणिक संगठन है।
- फाउंडेशन की गतिविधियों का लक्ष्य उन बच्चों और युवा लोगों को पहचानना और उनका समर्थन करना है जिन्होंने अपनी उत्कृष्ट क्षमताओं को प्रदर्शित किया है।
- ऐसे व्यक्तित्वों को कला, प्राकृतिक विज्ञान, शारीरिक और खेल के क्षेत्र में सामान्य एवं अतिरिक्त शिक्षा प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना है।

टॉपिक – जी.एस. पेपर-2 सरकारी नीतियां

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>जे.आई.एम.ई.एक्स. 18, द्विपक्षीय समुद्री युद्धाभ्यास का आयोजन किया गया है।</u>**

- चेन्नई में दिसंबर 2013 में आयोजित किए गए अंतिम युद्धाभ्यास संस्करण के बाद विशाखापत्तनम में जापान और भारत के मध्य द्विपक्षीय समुद्री युद्धाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है।
- पांच वर्षों के बाद जे.आई.एम.ई.एक्स.-18 का आयोजित होना, भारत-जापान रक्षा संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ने के संकेत देता है।

संबंधित जानकारी

- जे.आई.एम.ई.एक्स.-18 का उद्देश्य अंर्तकार्यकारिता को बढ़ाना, आपसी समझ को विकसित करना और एक-दूसरे के सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को सीखना है।

टॉपिक – जी.एस. पेपर - 3 रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>पूर्वी घाट, वन क्षेत्रों और स्थानिक पौधों के दायरे में कमी होने की समस्याओं का समाना कर रहे हैं।</u>**

- हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में फैले हुए पूर्वी घाटों के वन क्षेत्रों में 100 वर्षों की अवधि के दौरान लगभग 16% की कमी आयी है।
- 95 वर्षों में वन क्षेत्रों का दायरा 4% से घटकर 27.5% हो गया है।
- वन क्षेत्र जो कि वर्ष 1920 में कुल भौगोलिक क्षेत्र का 4% थे वह, वर्ष 2015 में घटकर 27.5% हो गए हैं।
- इन वर्षों के दौरान लगभग 8% वन क्षेत्र, कृषि क्षेत्रों में परिवर्तित हो गए हैं, जब कि लगभग 4% वन क्षेत्र, झाड़ियों या घास के मैदानों में परिवर्तित हो गए हैं।
- प्रजातियों के लिए खतरा: पूर्वी घाट, 2,600 से अधिक पौधों की प्रजातियों का निवास स्थान है और यह आवास विखंडीकरण एवं विनाश, स्थानिक पौधों के प्रति गंभीर खतरे का जन्म दे रहा है।
- आवासीय विनाश, मुख्य रूप से गजपति (ओडिशा), महबूबनगर (तेलंगाना) और नल्लामालाई एवं कोली पर्वत श्रृंखलाओं में भी हुआ है।

संबंधित जानकारी

पश्चिमी घाट

- पश्चिमी घाटों को भारत के कुछ हिस्सों में सह्याद्री के नाम से भी जाना जाता है और यह बिना किसी मुख्य अवरोध के निरंतरता को प्राप्त हैं।
- यह सैकड़ों स्थानिक वनस्पतियों और जीवों का मूलस्थान है।
- यहां पर पार्वतिकीय वर्षा होती है जिसके कारण पहाड़ों की अनुवात दिशा में बहुत अधिक बारिश होती है जब कि, हव का पक्ष वाला क्षेत्र शुष्क रहता है।
- इसकी सबसे ऊंची चोटी अना मिडी है।
- पश्चिमी घाटों में सदाबहार वन भी मौजूद हैं, जब कि यहां पर उगाई जाने वाली मुख्य फसल कॉफी है।

पूर्वी घाट

- पूर्वी घाट, भारत के पूर्वी तटीय मैदानों के समानांतर हैं और प्रकृति में असंतुलित हैं।
- इन्हें कई स्थानिक वनस्पतियों और जीवों की प्रजातियों के लिए भी जाना जाता है।
- पूर्वी घाटों की सबसे ऊँची चोटी महेंद्रगिरी है।

नोट: पश्चिमी और पूर्वी घाट नीलगिरी की पहाड़ियों पर मिलते हैं।

टॉपिक– जी.एस. पेपर - 3 – जैव विविधता

स्रोत –द हिंदू

4. **<u>भारत ने इंडोनेशिया की सहायता करने के लिए 'ऑपरेशन समुद्र मैत्री' शुरू किया है।</u>**

- भारत ने इंडोनेशिया में भूकंप और सुनामी पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए एक बड़े ऑपरेशन की शुरूआत की है।
- मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए 'ऑपरेशन समुद्र मैत्री' की शुरूआत, भारतीय प्रधानमंत्री और इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के मध्य हुई बातचीत के बाद हुई थी।

संबंधित जानकारी

- सुलावेसी के केंद्रीय द्वीप पर 5 तीव्रता का भूकंप आया जिससे सुनामी आने की संभावनाएं बढ़ गई और जिसने कि शीघ्र ही पालू के ऊपर से होती हुई 6 मीटर ऊँची लहरों के रूप में तबाही मचा दी थी।
- सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र इंडोनेशिया का सुलावेसी प्रांत है।
- रेड क्रॉस ने अनुमान लगाया है कि 6 मिलियन से भी अधिक लोग इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हुए हैं।

सुनामी के संदर्भ में जानकारी

- सुनामी या ज्वारीय लहरों को भूकंपीय समुद्री लहरों के नाम से भी जाना जाता है।
- यह जल निकाय के भीतर उत्पन्न लहरों की एक श्रृंखला है जो पानी की अधिक मात्रा के विस्थापन के कारण उत्पन्न होती हैं, ये लहरे सामान्यत: समुद्रों या बड़ी झीलों में उत्पन्न होती हैं।
- भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट और पानी के नीचे होने वाले अन्य विस्फोट (पानी के नीचे परमाणु उपकरणों के विस्फोट सहित), भूस्खलन, ग्लेशियरों के बनने, उल्कापिंडों के प्रभाव और पानी के ऊपर या नीचे घटित होने वाली अन्य घटनाओं सहित सभी में सुनामी उत्पन्न करने की क्षमता होती है।

टॉपिक – जी.एस. पेपर-3 अपादा प्रबंधन

स्रोत-पी.आई.बी

5. **<u>पंकज शर्मा को निरस्त्रीकरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में भारत के राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है।</u>**

- पंकज शर्मा को जिनेवा में निरस्त्रीकरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में भारत के राजदूत और भारत के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है।

संबंधित जानकारी

निरस्त्रीकरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन

- निरस्त्रीकरण पर सम्मेलन (सी.डी.), अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा जिनेवा में स्थापित किया गया एक बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण मंच है, जिसे शस्त्र नियंत्रण और निरस्त्रीकरण समझौतें पर बातचीत करने के लिए स्थापित किया गया है।
- पहली बार इस सम्मेलन की स्थापना 1979 में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के एकल बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण समझौता मंच के रूप में निरस्त्रीकरण पर सम्मेलन के रूप में की गई थी।
- 1984 में इसका नाम बदलकर निरस्त्रीकरण पर सम्मेलन कर दिया गया था।

सदस्यता

- वर्तमान में सम्मेलन में 65 आधिकारिक सदस्य शामिल हैं, जो दुनिया के लगभग सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं अर्थात सभी ज्ञात परमाणु हथियार राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

टॉपिक – जी.एस.पेपर - 2 अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं

स्रोत –द हिंदू

6. **<u>पी.एम.एफ.बी.वाई. परीक्षण आधार के अंतर्गत जंगली जानवरों द्वारा नष्ट की गई फसलों के नुकसान को भी कवर करती है।</u>**

- कृषि मंत्रालय ने कुछ निश्चित जिलों में परीक्षण आधार पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पी.एम.एफ.बी.वाई.) के अंतर्गत जंगली जानवरों के हमलों में फसलों को होने वाले नुकसान को भी कवर करना निर्धारित किया है।
- सरकार ने परीक्षण आधार पर कुछ निश्चित चक्रीय बागवानी फसलों को फसल बीमा योजना के अंतर्गत रखा है।

संबंधित जानकारी

- संशोधित प्रावधान, फसल क्षति के लिए बीमा दावों के समाशोधन में देरी होने की स्थितियों में जुर्माना भी निर्धारित करते हैं।

पी.एम.एफ.बी.वाई. के संदर्भ में जानकारी

- पी.एम.एफ.बी.वाई. निकट भविष्य में वर्तमान की दो योजनाओं- राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना और संशोधित राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (एन.ए.आई.एस.) को प्रतिस्थापित करेगी।
- यह नई फसल बीमा योजना, एक राष्ट्र-एक योजना की थीम के अनुरूप है।

उद्देश्य

- प्राकृतिक आपदाओं, कीटों और बीमारियों के परिणामस्वरूप अधिसूचित फसलों को किसी भी प्रकार का नुकसान होने की स्थिति में किसानों को बीमा कवरेज और वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
- कृषि कार्यों में किसानों की निरंतरता को सुनिश्चित करने हेतु किसानों की आय को स्थायित्व प्रदान करना है।
- अभिनव एवं आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रयोग करने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करना है।
- कृषि क्षेत्र में ऋण के प्रवाह को सुनिश्चित करना है।

टॉपिक– जी.एस. पेपर - 2- सरकारी नीतियां

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>देश की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता: इंडिया स्किल 2018</u>**

- इंडिया स्किल 2018, कौशल विकास एवं उद्दमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित की गई राष्ट्रीय प्रतियोगिता का दूसरा संस्करण था।
- यह विभिन्न कौशलों में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को पहचानने, स्वीकार्यता देने, बढ़ावा देने और पुरस्कृत करने हेतु एक मंच प्रदान करता है।

संबंधित जानकारी

- पूरे देश में प्रतिभागियों को 46 क्षेत्रों में पुरस्कृत किया गया है।
- बड़ी संख्या में कॉर्पोरेटों (100 से अधिक) ने इंडिया स्किल 2018 का आयोजन करने में सरकार के प्रयासों का समर्थन किया है।

टॉपिक – जी.एस. पेपर - 2 गर्वनैंस

स्रोत –पी.आई.बी.

8. **<u>ऊर्जा से बुनियादी ढांचे तक</u>**

- जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी समिति (आई.पी.सी.सी.) ने कहा है कि यदि वैश्विक औसत तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ने दिया जाता है तो जलवायु परिवर्तन के 'अनुत्क्रमणीय' और विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं।
- अभी विश्व 2015 के पेरिस समझौते में निर्धारित लक्ष्यों के साथ, तापमान वृद्धि को 2 डिग्री से अधिक बढ़ने से रोकने में प्रयासरत है।
- इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, वर्ष 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों को वर्ष 2010 के स्तर से मात्र 20% तक कम करना है और वर्ष 2075 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन स्तर प्राप्त करना है।

संबंधित जानकारी

- रिपोर्ट का कहना है कि वैश्विक औसत तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक समय से 1.5 डिग्री सेल्सियस पर रोकना संभव है।
- दुनिया को आवश्यकता है कि वह वर्ष 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों को वर्ष 2010 के स्तर के आधे स्तर पर और वर्ष 2050 तक शुद्ध-शून्य स्तर पर ले आए।
- शुद्ध-शून्य स्तर तब प्राप्त होता है जब कुल उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड के प्राकृतिक अवशोषकों जैसे जंगल आदि अथवा तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड की हटाई गई मात्रा से संतुलित हो जाती है।

आई.पी.सी.सी.

- आई.पी.सी.सी., वैज्ञानिकों की एक वैश्विक बैठक है जो जलवायु परिवर्तन से संबंधित विज्ञान का सामयिक आकलन करती है जिससे भविष्य के बारे में घोषणाएं की जा सकें।
- इसमें चार उपाय दिखाए गए हैं जिसमें 1.5 डिग्री लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।
- प्रत्येक उपाय में, वैश्विक औसत तापमान को इस शताब्दी के खत्म होने से पहले उस स्तर तक पहुंचने से पहले कुछ मात्रा में 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक जाने का अनुमान लगाया गया है।
- ये प्रत्येक उपाय कार्बन डाइऑक्साइड निष्कासन की कुछ मात्राओं पर भी निर्भर करते हैं, जो कि वायुमंडल से कार्बन डाऑक्साइड की सांद्रता कम करने के लिए उसके भौतिक निष्कासन का एक संदर्भ है।

- सी.डी.आर. के लिए तकनीकें अभी भी अविकसित और अपरीक्षण चरण में हैं। इन चारों उपायों में 100 से 1000 गीगा टन (बिलियन टन) के मध्य कार्बन डाइऑक्साइड की विभिन्न मात्राओं को हटाए जाने की आवश्यकता है।
- वर्तमान में विश्व हर वर्ष 47 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन करता है।
- सी.डी.आर. का प्रयोग अवशिष्ट उत्सर्जन की क्षतिपूर्ति के लिए प्रयोग किया जाएगा, अधिकांश स्थितियों में, इसका प्रयोग वैश्विक ऊष्मन को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक वापस लाने के लिए शुद्ध ऋणात्मक उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए होगा।

टॉपिक – जी.एस. पेपर- 3- पर्यावरण

स्रोत –टी.ओ.आई.

09.10.2018

1. **<u>भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन: गगनयान 2022</u>**

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और रूस के रॉसकॉसमॉस स्टेट कॉरपोरेशन फॉर स्पेस एक्टिविटीज (आर.ओ.एस.सी.ओ.एस.एम.ओ.एस.) ने गगनयान पर एक साथ मिलकर काम करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- आर.ओ.एस.सी.ओ.एस.एम.ओ.एस. ने वर्ष 2022 में लघु प्रशिक्षण मिशन के लिए भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को सुयोज अंतरिक्ष यान से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आई.एस.एस.) ले जाने का प्रस्ताव दिया है।

संबंधित जानकारी

गगनयान के संदर्भ में जानकारी:

- यह भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन है।
- इस मिशन के अंतर्गत भारत वर्ष 2022 तक अर्थात 75वें स्वतंत्रता दिवस के मौकें पर पांच से सात दिनों की अवधि के लिए तीन अंतरिक्ष यात्रियों (गगनयात्रियों) को अंतरिक्ष अर्थात निम्न पृथ्वी कक्षा (एल.ई.ओ.) में भेजने की योजना बना रहा है।
- भारत, एक चालकदल वाहन बनाने की योजना बना रहा है जो 2 या 3 अंतरिक्ष यात्रियों और मानवों, अपने जी.एल.एस.वी. एम.के.-।।। लॉन्चर को ले जा सकता है।

पैड अबॉर्ट के संदर्भ में जानकारी

- इसरो ने हाल ही में अपने पहले 'पैड अबॉर्ट' परीक्षण का आयोजन किया है जो कि सफल रहा है।
- 'पैड अबॉर्ट' परीक्षण अथवा चालकदल बचाव तंत्र, एक आपातकालीन बचाव मापक है जो उस समय चालकदल को लॉन्च वाहन से दूर खींचने में मदद करता है जब कोई मिशन असफल होने वाला होता है।
- इस परीक्षण का आयोजन सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा में किया गया था।
- पैड अबॉर्ट परीक्षण, लांच पैड पर किसी भी प्रकार के आपातकाल की स्थिति में चालक दल मॉड्यूल की सुरक्षित वापसी को सुनिश्चित करता है।

नोट: - यदि गगनयान मिशन लांच होता है तो संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>अरुणाचल सरकार ने दो कृषि कार्यक्रमों की शुरूआत की हैं।</u>**

- अरुणाचल प्रदेश के कृषि मंत्री ने उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने हेतु किसानों के लिए दो योजनाएं शुरू की हैं।
- ये दोनों योजनाएं- मुख्यमंत्री सशक्त किसान योजना (सी.एम.एस.के.वाई.) और मुख्यमंत्री कृषि समूह योजना (सी.एम.के.एस.वाई.) हैं।

संबंधित जानकारी

- इन दोनों नई पहलों का उद्देश्य वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को पूरा करना है।
- सी.एम.एस.के.वाई. के अंतर्गत तीन कार्यक्रमों- मुख्यमंत्री रोजगार उत्पादन योजना, मुख्यमंत्री कृषि मशीनीकरण कार्यक्रम और चाय एवं रबड़

पर मुख्यमंत्री के प्रमुख कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

- सी.एम.के.एस.वाई. का उद्देश्य किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्ति और आय के लिए सामयिक समर्थन और विपणन हस्तक्षेप प्रदान करके सहकारी दृष्टिकोण के माध्यम से सशक्त बनाना है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2- सरकारी योजना

स्रोत- ए.आई.आर

3. **ओडिशा ने 'निर्मन कुसुमा' योजना की शुरूआत की है।**

- 'निर्मन कुसुमा' कार्यक्रम, राज्य में निर्माण कार्य करने वाले श्रमिकों के बच्चों को उनकी तकनीकि शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद करेगा।
- यह औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में शिक्षा भी प्रदान करता है।

संबंधित जानकारी

- इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक आई.टी.आई. छात्र को 23,600 रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी और एक डिप्लोमा छात्र को 26,300 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।
- इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 1878 छात्रों के लाभान्वित होने की उम्मीद है।
- सरकार ने छात्राओं को प्रदान की जाने वित्तीय सहायता को 20 प्रतिशत बढ़ाने का निर्णय भी लिया है।
- कक्षा VI और उससे ऊपर स्नातकोत्तर स्तर तक की कक्षा में पढ़ने वाली छात्राओं को वर्तमान में राज्य के द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।
- सरकार ने निर्माण श्रमिक को कोई दुर्घटना होने की स्थिति में दिए जाने वाले मुआवजे को दोगुना कर दिया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सरकारी योजना

स्रोत- द हिंदू

4. **ई.एस.आई.सी. ने 'आई.एस.एस.ए. गुड प्रैक्टिस अवार्ड, एशिया एवं प्रशांत 2018' जीता है।**

- कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ई.एस.आई.सी.) ने एशिया और प्रशांत के लिए क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा फोरम में कवरेज एक्सटेंशन हेतु प्रशासनिक समाधान देने के लिए 'आई.एस.एस.ए. गुड प्रैक्टिस अवार्ड' जीता है।
- इसका आयोजन कुआलालांपुर, मलेशिया में किया गया था।

संबंधित जानकारी

- यह पुरस्कार कवरेज एक्सटेंशन-एस.पी.आर.ई.ई. (नियोक्ता और कर्मचारी पंजीकरण को बढ़ावा देने हेतु योजनाएं) के लिए ई.एस.आई.सी. के द्वारा किए गए उपायों की पहचान करता है।
- यह नए लागू किए गए क्षेत्रों में 24 महीनों के लिए वितरण दरों कम करने और ई.एस.आई. अधिनियम आदि के अंतर्गत कवरेज हेतु मजदूरी सीमा बढ़ाने में मदद करता है।

आई.एस.एस.ए. के संदर्भ में जानकारी

- आई.एस.एस.ए. (अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ), सामाजिक सुरक्षा संस्थानों, सरकारों और सामाजिक सुरक्षा के विभागों के लिए एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है।
- आई.एस.एस.ए. की स्थापना 1927 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.), जिनेवा के तत्वाधान के अंतर्गत की गई थी।
- यह व्यवसायिक दिशानिर्देशों, विशेषज्ञ ज्ञान, गतिशील सामाजिक सुरक्षा तंत्र को विकसित करने के लिए सेवाओं के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस पेपर 3 – आर्थिक विकास

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

5. **जल प्रदूषकों को अलग करने के लिए छोटे स्फेयरों को विकसित किया गया है।**

- वैज्ञानिकों ने छोटे स्फेयरों को विकसित किया है जो बिस्फेनॉल A (बी.पी.ए.) को पकड़ और नष्ट कर सकते हैं।
- यह एक कृत्रिम रसायन है जिसका प्रयोग ऐसी प्लास्टिक बनाने के लिए किया जाता है जो प्राय: पानी को दूषित करती है।

संबंधित जानकारी

- बी.पी.ए. का सामान्यत: प्रयोग खाद्य डिब्बे, बोतलों के ढक्कनों और पानी आपूर्ति लाइनों और बच्चों की बोतलों के एक घटक की कोटिंग करने में किया जाता है।
- खाद्य और पेय पदार्थों में कम मात्रा में पाए जाने वाले बी.पी.ए. को सुरक्षित माना जाता है।
- लंबे समय तक इसके प्रभाव में रहने से बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है और उच्च रक्तचाप की बीमारी होने का खतरा भी बना रहता है।

बी.पी.ए. को अलग करने में इन छोटे स्फेयरों का किस प्रकार उपयोग किया जाता है-

- माइक्रोन आकार के स्फेयर छोटे फूलों जैसे- टाइटैनियम डाइऑक्साइड की पंखुड़ियों के छोटे संग्रह के समान विकसित होते हैं।
- पूरक पंखुड़ियां, शोधकर्ताओं को साइक्लोडेक्स्ट्रीन (एक सौम्य शर्करा आधारित अणु जिसका प्राय: खाद्य पदार्थों और दवाओं में प्रयोग किया जाता है) का पता लगाने हेतु अधिक पृष्ठ क्षेत्रफल प्रदान करती हैं।
- इसकी दो-फलकीय संरचना होती है, जिसमें एक हाइड्रोफोबिक (जल प्रतिरोधी) गुहा और एक हाइड्रोफिलिक (जल आकर्षक) बाहरी सतह है।
- बी.पी.ए. हाइड्रोफोबिक और स्वाभाविक रूप से गुहा की ओर आकर्षित है। एक बार स्फेयर के द्वारा उत्पादित प्रतिक्रियात्मक ऑक्सीजन प्रजातियों (आर.ओ.एस.) के अलग हो जाने पर बी.पी.ए., हानिरहित रासायनों में परिवर्तित हो जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान और तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 151A ने ई.सी.आई. को आकस्मिक रिक्तयों को भरने हेतु शासनादेश जारी किया है।</u>**

- चुनाव आयोग ने संसद और राज्य विधानसभाओं के सदनों में आकस्मिक रिक्तियों को उप-चुनावों के माध्यम से रिक्ति होने की तिथि से 6 महीने के भीतर भरने का आदेश जारी किया है।
- यह प्रस्तावित है कि रिक्ति के संबंध में सदस्य के कार्यकाल की शेष अवधि एक वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।

संबंधित जानकारी

- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 151A, धारा 147, 149, 150 और 151 में संदर्भित रिक्तियों को भरने के लिए समय सीमा प्रदान करती है।
- धारा 147, धारा 149, धारा 150 और धारा 151 में संदर्भित किसी भी रिक्ति को उप-चुनाव के माध्यम से भरने की प्रक्रिया, रिक्ति होने की तारीख से छह महीने की अवधि के भीतर सम्पन्न हो जानी चाहिए।
- प्रस्तावित है कि इस धारा में निहित कुछ भी लागू नहीं होगा यदि-
- रिक्ति के संबंध में सदस्य के कार्यकाल की शेष अवधि एक वर्ष से भी कम है।
- केंद्र सरकार के साथ परामर्श कर चुनाव आयोग प्रमाणित करता है कि बताई गई अवधि के भीतर उप-चुनाव का आयोजन न करना मुश्किल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड योजना 2018 -19</u>**

- भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ परामर्श करके सॉवरेन गोल्ड बांड-2018-19 जारी करती है।
- इन बॉन्डों को बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एस.एच.सी.आई.एल.), नामित डाकघरों और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों जैसे- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचा जाएगा।

संबंधित जानकारी

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के संदर्भ में जानकारी-

- यह बांड, भारत सरकार की तरफ से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है।
- पात्रता: यह बांड व्यक्तियों, एच.यू.एफ., ट्रस्ट, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थानों सहित

निवासी संस्थाओं को बिक्री के लिए प्रतिबंधित किए गए हैं।

- मूल्यवर्ग: बॉन्ड को 1 ग्राम की मूल इकाई के साथ सोने के ग्राम के गुणकों के रूप में बेंचा जाएगा।
- समयावधि: बॉन्ड को 8 वर्षों की अवधि के लिए निवेश किया जाएगा, इसके अतिरिक्त आप ब्याज भुगतान तिथियों पर 5वें, 6वें और 7वें वर्ष में अपने निवेश को निकाल सकते हैं।
- न्यूनतम आकार: न्यूनतम स्वीकार्य निवेश 1 ग्राम सोने का है।
- अधिकतम सीमा: किसी व्यक्ति के लिए सदस्यता की अधिकतम सीमा 4 कि.ग्रा. है।
- एच.यू.एफ. के लिए 4 कि.ग्रा. और ट्रस्ट के लिए 20 किलोग्राम और समान संस्थाओं के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में (अप्रैल-मार्च) सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित किया जाता है।
- संयुक्त धारक: संयुक्त धारक के मामले में 4 कि.ग्रा. की निवेश सीमा केवल पहले आवेदक को लागू की जाएगी।
- जारी मूल्य: 999 शुद्धता के सोने की प्रतिदिन की बंदी कीमत के सामान्य औसत के आधार पर भारतीय रुपये में बॉन्ड की कीमत निर्धारित की जाएगी।
- गोल्ड बॉन्ड की जारी कीमत, उन लोगों के लिए `50 रूपए प्रति ग्राम कम होगी जो ऑनलाइन सदस्यता लेते हैं और डिजिटल मोड के माध्यम से भुगतान करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सरकारी योजनाएं

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

8. **<u>सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की सहायता करने हेतु एन.एस.ए. के अंतर्गत रणनीतिक नीति समूह का पुनर्गठन किया है।</u>**

- रणनीतिक नीति समूह (एस.पी.जी.), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की सहायता करने में मदद करता है, जो प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक हितों के मामलों पर सलाह देता है।
- एस.पी.जी. का अध्यक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एन.एस.ए.) होगा।
- सदस्यों में नीति आयोग के उपाध्यक्ष, कैबिनेट सचिव, तीनों रक्षा सेवाओं के प्रमुख, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, विदेश सचिव, गृह सचिव, वित्त सचिव और रक्षा सचिव को शामिल किया गया हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

10.10.2018

1. **<u>ऑक्सफैम विश्व असमानता सूचकांक में भारत को 147वां स्थान प्राप्त हुआ है।</u>**

- यू.के. आधारित चैरिटी, ऑक्सफैम इंटरनेशनल की 'कमटिमेंट टू रिड्यूस इनइक्वैलिटी (सी.आर.आई.) द्वारा जारी सूचकांक में 157 देशों में भारत को 147वां स्थान प्राप्त हुआ है।
- यह विभिन्न देशों के द्वारा अपनी जनसंख्या में असमानता को कम करने हेतु की गई प्रतिबद्धता पर आधारित है।
- सूचकांक विभिन्न संकेतकों पर आधारित है, जो 157 देशों पर नजर रखता है। जो सामाजिक व्यय, कर और श्रम अधिकारों पर सरकारी कार्रवाईयों की जांच करता है।
- डेनमार्क ने इस सूचकांक में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, डेनमार्क ने अपने उच्च और प्रगतिशील कराधान, उच्च सामाजिक वयय और श्रमिकों को अच्छी सुरक्षा प्रदान करने के आधार पर सूचकांक में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

भारत के सापेक्ष सूचकांक

- भारत में कागजों पर कर संरचना तार्किक रूप से प्रगतिशील दिखाई देती है, लेकिन व्यावहारिक रूप से धनाढ्यों की आय पर इस प्रकार के प्रगतिशील कराधान का अधिकतर हिस्सा एकत्र नहीं किया जाता है।
- भारत, श्रमिक अधिकारों और कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति सम्मान के मामलें भी काफी पीछे है।

- यह इस तथ्य को भी प्रतिबिंबित करता है कि श्रम बल का अधिकांश हिस्सा कृषि और गैर-आधिकारिक क्षेत्रों में नियोजित है जिन क्षेत्रों में संघ संगठन और लिंग अधिकारों को सख्त रूप से लागू नहीं किया गया है।

नोट- एस.डी.जी. 5: वर्ष 2030 तक लिंग समानता को हासिल करना और सभी महिलाओं एवं लड़कियों को सशक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वूपर्ण सूचकांक

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>हेनले पासपोर्ट सूचकांक 2018 में भारत को 81वां स्थान प्राप्त हुआ है।</u>**

- हेनले पासपोर्ट सूचकांक 2018 के अनुसार, जापान के पासपोर्ट को दुनिया में सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट का दर्जा दिया गया है, इस क्षेत्र में जापान ने सिंगापुर को पीछे छोड़ दिया है।
- पूरे विश्व में 190 गंतव्यों पर पहुँचने के लिए जापानी नागरिकों को अब वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल की सुविधा प्राप्त है।
- भारतीय पासपोर्ट ने 60 गंतव्यों पर पहुँचने हेतु वीजा-फ्री या वीज़ा-ऑन-अराइवल की सुविधा के साथ 81वां स्थान प्राप्त किया है। हेनली पासपोर्ट सूचकांक शक्ति रैंकिंग 2018 में शीर्ष 3 स्थान प्राप्त करने वाले देश:

1. जापान 2. सिंगापुर 3. जर्मनी, फ्रांस और दक्षिण कोरिया

संबंधित जानकारी

- हेनली पासपोर्ट सूचकांक (एच.पी.आई.), देशों के द्वारा उनके नागरिकों को यात्रा करने हेतु दी गई स्वतंत्रता के आधार पर प्रदान की जाने वाली वैश्विक रैंकिंग है।
- यह साइट विश्व के 199 पासपोर्टों को रैंकिंग प्रदान करती है, यह रैंकिंग उन देशों की संख्या के आधार पर प्रदान की जाती है जिन देशों के वीजाधारक वीजा-फ्री यात्रा कर सकते हैं।
- जिन देशों के पास विशिष्ट पासपोर्ट है वे वीज़ा फ्री 'स्कोर' में शामिल हो सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण सूचकांक

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>सर्वोच्च न्यायालय ने एन.आर.सी. के लिए त्रिपुरा को नामित किया है।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने त्रिपुरा में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एन.आर.सी.) को अपडेट करने हेतु सार्वजनिक हित याचिका पर सरकार को नोटिस जारी किया है।
- असम में भी बांग्लादेश से आए "अवैध अप्रवासियों" का पता लगाने और उन्हें बाहर निकालने हेतु ऐसा किया जा रहा है।

संबंधित जानकारी

- संविधान के अनुच्छेद 355 के अंतर्गत दायर की गई याचिका में त्रिपुरा में आए अवैध अप्रवासियों के "प्रवेश" की दलील दी गई थी जो कि 'बाहरी आक्रमण' के समान थी।
- अवैध अप्रवासियों की उपस्थिति से त्रिपुरा के नागरिकों के राजनीतिक अधिकारों का हनन हो रहा है।
- "बांग्लादेश से त्रिपुरा में अवैध प्रवासियों के अनियंत्रित प्रवेश ने त्रिपुरा में भारी जनसांख्यिकीय परिवर्तन किए हैं।
- त्रिपुरा मुख्य रूप से जनजातीय राज्य था लेकिन अब यह एक गैर-जनजातीय राज्य बन गया है।
- वहां के स्वदेशी लोग जो अभी तक बाहुल्य समुदाय में गिने जाते थे वे अब अपनी ही धरती पर अल्पसंख्यकों की श्रेणी में आ गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सामाजिक क्षेत्र का विकास और प्रबंधन

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>मेडवॉच - आई.ए.एफ. द्वारा लॉन्च किया गया मोबाइल हेल्थ एप्लीकेशन है।</u>**

- भारतीय वायुसेना ने एक अभिनव मोबाइल हेल्थ एप्लीकेशन 'मेडवॉच' लॉन्च किया है।
- तीनों सशस्त्र सेवाओं में मेडवॉच पहला मोबाइल हेल्थ एप्लीकेशन है।
- मेडवॉच, भारत के सभी वायु योद्धाओं और नागरिकों को सही, वैज्ञानिक और प्रामाणिक स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करेगा।

एप्लीकेशन की विशेषताएं

- यह आधारभूत प्राथमिक चिकित्सा, स्वास्थ्य विषयों और पोषण संबंधी तथ्यों पर जानकारी प्रदान करता है।
- यह समय पर चिकित्सा परीक्षण के लिए रिमाइंडर की सुविधा भी प्रदान करता है।
- स्वास्थ्य रिकॉर्ड कार्ड जैसे टीकाकरण और उपयोगिता उपकरणों की भी जानकारी प्रदान करता है।
- बॉडी मास इंडेक्स कैलकुलेटर भी उपलब्ध है।
- यह एप्लिकेशन हेल्पलाइन नंबर और वेब लिंक भी प्रदान करता है।

संबंधित जानकारी

- यह प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की श्रृंखला 'डिजिटल इंडिया, आयुष्यमान भारत और मिशन इंद्रधनुष' में शामिल है।
- इस एप्लीकेशन की कल्पना भारतीय वायुसेना के चिकित्सकों द्वारा की गई है और इसे शून्य वित्तीय व्यय के साथ सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय (डी.आई.टी.) द्वारा घर में विकसित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सामजिक विकास

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के लिए चक्रवात 'तितली' तेज हो रहा है।</u>**

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने ओडिशा और आंध्र प्रदेश के कई स्थानों पर "भारी से बहुत भारी बारिश" होने की भविष्यवाणी की है।
- चक्रवात 'तितली' के एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में तेज होने की संभावना है और इसके कलिंगपत्तनम (उत्तर आंध्र प्रदेश) और गोपालपुर (दक्षिण ओडिशा) के बीच भारत के पूर्वी तट को पार करने की उम्मीद है।
- **बंगाल की खाड़ी से उठने वाले 'तितली' और अरब सागर उठने वाले एक अन्य चक्रवाती तूफान 'लुबान' तटीय क्षेत्रों से टकराते हैं।**

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के संदर्भ में जानकारी-

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संरक्षण के अंतर्गत है।
- यह मौसम संबंधी अवलोकन, मौसम पूर्वानुमान और भूकंप विज्ञान के लिए जिम्मेदार प्रमुख संस्थान है।
- आई.एम.डी. का मुख्यालय दिल्ली में है और पूरे भारत एवं अंटार्कटिका में सैकड़ों अवलोकन स्टेशनों को संचालित करता है। इसके क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई, कोलकाता, नागपुर और पुणे में हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण -आपदा प्रबंधन

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>प्रत्येक वर्ष भारत के '60% जिलें जंगल की आग से प्रभावित होते है'।</u>**

- पर्यावरण और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और विश्व बैंक द्वारा जारी की गई संयुक्त रिपोर्ट में पाया गया है कि भारत में कम से कम 60 प्रतिशत जिलें प्रत्येक वर्ष जंगलों में लगने वाली आग से प्रभावित होते हैं।
- अग्नि आवृत्ति के संदर्भ में शीर्ष 20 जिलें मुख्य रूप से पूर्वोत्तर में स्थित हैं जो कुल अग्नि प्रभावित क्षेत्र का 48 प्रतिशत है।

संबंधित जानकारी

- जंगलों की आग, मॉनसून के आगमन से पहले मार्च या अप्रैल के शुष्क महीनों के दौरान अपने चरम पर होती है।
- उच्च अग्नि मौसम सबसे अधिक केंद्रित (सबसे छोटा) पूर्वोत्तर और बिहार के उत्तरी राज्य में होता है।
- अन्य क्षेत्रों में विशेष रूप से मध्य और दक्षिणी भारत के जिलों में आग अधिक विस्तृत रूप से लगती है।
- आवृत्तिक जंगल अग्नि के क्षेत्रों में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलंगाना के सीमावर्ती इलाकों में शुष्क और नम पर्णपाती जंगल के क्षेत्र भी शामिल हैं जो लगभग वार्षिक आधार पर आग से प्रभावित होते हैं।

- यह रिपोर्ट, हाल ही में जलवायु परिवर्तन पर जारी की गई अंतर-सरकारी समिति के संदर्भ में महत्वूपर्ण है।
- अनियंत्रित तापमान वृद्धि के कारण आपदाजनक प्रभावों से बचने के लिए आई.पी.सी.सी. रिपोर्ट वैश्विक तापमान वृद्धि को 5 डिग्री सेल्सियस के भीतर रहने की संभावनाओं की खोज करती है।

भारत पर प्रभाव

- यह वर्ष 2030 तक अतिरिक्त वन और पेड़ क्षेत्रों माध्यम से 5 से 3 बिलियन टन का एक अतिरिक्त Co2-समकक्ष कार्बन सिंक बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को प्रभावित करेगा।
- वर्ष 2014 में जंगल की आग ने संरक्षित क्षेत्रों में वन क्षेत्र के लगभग 6 प्रतिशत भाग को जला दिया था।
- जंगल की आग पेड़ो, पौधें और मिट्टी में संग्रहित कार्बन के निकास के द्वारा जलवायु परिवर्तन में योगदान देती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम एवं नियंत्रण) प्राधिकरण (ई.पी.सी.ए.)</u>**

- केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रदत्त पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम एवं नियंत्रण) प्राधिकरण या ई.पी.सी.ए. का पुनर्गठन किया है।

ई.पी.सी.ए. के संदर्भ में जानकारी

- ई.पी.सी.ए. का गठन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पर्यावरण की गुणवत्ता को 'संरक्षित और सुधारने' एवं 'पर्यावरणीय प्रदूषण को नियंत्रित करने' के उद्देश्य से किया गया था।
- ई.पी.सी.ए., क्षेत्र में विभिन्न पर्यावरण संबंधी मामलों में सर्वोच्च न्यायालय की सहायता करता है।
- ई.पी.सी.ए., राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए विभिन्न उपाय करने हेतु सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा अधिदिष्ट निकाय है।
- इसे पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत पर्यावरण मंत्रालय द्वारा वर्ष 1986 में अधिसूचित किया गया था।

कार्य

- पर्यावरण की गुणवत्ता को संरक्षित और उसमें सुधार करना और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पर्यावरणीय प्रदूषण को रोकना और नियंत्रित करना।
- प्रदूषण के स्तर के अनुसार एन.सी.आर. में ग्रेडेड प्रतिक्रिया कार्य योजना (जी.आर.ए.पी) को लागू करना।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत-पी.आई.बी.

8. **<u>जैववैद्युत (बायोइलेक्ट्रॉनिक) दवा का पहला उदाहरण</u>**

- उत्तर-पूर्वी विश्वविद्यालय और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन ने जैववैद्युत (बायोइलेक्ट्रॉनिक) दवा का पहला उदाहरण विकसित किया है।
- यह एक प्रत्यारोपणीय, बायोडिग्रेडेबल वायरलेस डिवाइस है जो तंत्रिका के पुन: उत्पन्न होने और क्षतिग्रस्त तंत्रिका के उपचार में सुधार करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

यह किस प्रकार काम करता है-

- इस उपकरण चूहों में शल्य चिकित्सा प्रक्रिया के बाद क्षतिग्रस्त तंत्रिकाओं को बिजली की पल्सेस वितरित करता है, जो तंत्रिकाओं की पुर्नवृद्धि को तेज करती हैं और मांसपेशियों की ताकत और नियंत्रण को पुन: विकसित करती हैं।
- यह डिवाइस, पैसे के आकार की होती है और कागज की चादर की मोटाई की होती है। एक प्रत्यारोपणीय, बायोडिग्रेडेबल वायरलेस डिवाइस है जो तंत्रिका पुनर्जन्म को गति प्रदान करती हैं और क्षतिग्रस्त तंत्रिका के उपचार में सुधार करती हैं।
- एक पैसे का आकार और कागज की शीट की मोटाई होने के कारण वायरलेस डिवाइस शरीर में स्वाभाविक रूप से अवशोषित होने से पहले लगभग दो सप्ताह तक काम करती है।

- शोध अध्ययन से यह भी पता चला है कि डिवाइस एक अस्थायी पेसमेकर के रूप में और रीढ़ की हड्डी में एक अंतराफलक के रूप में और पूरे शरीर में अन्य उत्तेजना साइटों के रूप में कार्य करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान और तकनीकि

स्रोत-पी.आई.बी.

11.10.2018

1. **<u>विदेश मंत्री ने 'इंडिया फॉर ह्युमैनिटी' लॉन्च किया</u>**

- केन्द्रीय विदेश मामला मंत्रालय ने प्रसिद्ध धर्मार्थ संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के सहयोग से इंडिया फॉर ह्यूमैनिटी का शुभारंभ किया है।
- यह महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर और मानवता के लिए उनकी सेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने हेतु शुरू की गई एक पहल है।
- यह पूरे विश्व के कई देशों में कृत्रिम अंग निर्धारण शिविरों की वार्षिक श्रृंखला को पेश करेगा।

लक्ष्य

- इसका उद्देश्य विश्वभर के विकलांग लोगों को भौतिक, आर्थिक और सामाजिक पुनर्वास प्रदान करना है जिससे कि उनको गतिशीलता और गौरव पाने में मदद मिल सके और वे भी समाज के उत्पादक सदस्य और आत्म-सम्मानित व्यक्ति बन सकें।
- यह मानवता के प्रति महात्मा गांधी की करुणा, देखभाल और सेवा पर ध्यान केंद्रित करता है।

संबंधित जानकारी

बी.एम.वी.एस.एस. के संदर्भ में जानकारी-

- इसकी स्थापना 1975 में हुई थी और इसे इसकी ट्रेडमार्क शाखा "जयपुर फुट" द्वारा जाना जाता है।
- बी.एम.वी.एस.एस., कृत्रिम अंगों की फिटनेस के लिए दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है और आज तक 1.73 मिलियन से भी अधिक अपंगों की सेवा कर चुका है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सामाजिक न्याय

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>'चिकित्सा उत्पादों तक पहुंच पर दूसरा विश्व सम्मेलन: एस.डी.जी. 2030 प्राप्त करना।</u>**

- विश्व स्वास्थ्य संगठन की सहायता से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने चिकित्सा उत्पादों तक पहुंच पर दूसरे विश्व सम्मेलन का आयोजन किया है।
- भारत, सार्वभौमिक स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है जो सतत विकास लक्ष्य 2030 एजेंडे की कुंजी है।

लक्ष्य

- द्वितीय विश्व सम्मेलन 2018 का उद्देश्य, प्रथम विश्व सम्मेलन 2017 की सिफारिशों को आगे बढ़ाना है।
- यह व्यापार समझौतों के साथ एस.डी.जी. के संदर्भ में चिकित्सा उत्पादों तक पहुंच के लिए किए गए कार्यों के आधार पर बनाया जाएगा।
- यह प्रभावी, सुरक्षित, गुणवत्ता-आश्वासित और किफायती चिकित्सा उत्पादों तक पहुंचने हेतु एक उचित वातावरण प्रदान करेगा जो सार्वभौमिक स्वास्थ्य क्षेत्र (यू.एच.सी.) और एस.डी.जी. के संदर्भ में प्रगति करने के लिए प्रमुख कुंजी है।

संबंधित जानकारी

- भारत, उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उत्पादों तक पहुंच की गारंटी और दक्षिण-पूर्व एशिया नियामक नेटवर्क (एस.ई.ए.आर.एन.) के लिए सक्रिय रूप से योगदान और समर्थन दे रहा है।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017, देश के लिए स्वास्थ्य के उच्चतम संभावित मानकों को समर्पित है।
- सरकार ने एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण योजना, आयुष्मान भारत की शुरूआत की है, जो प्रतिवर्ष प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करती है। इस योजना से 50 करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित होंगे।
- यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।

दक्षिण-पूर्व एशिया नियामक नेटवर्क

- यह दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के 11 देशों में मानव उपयोगों के लिए दवाइयों, टीकों, जैविक और चिकित्सा उपकरणों और इलाज सहित चिकित्सा उत्पादों के विनियमन हेतु जिम्मेदार राष्ट्रीय नेटवर्क विनियामक प्राधिकरण की वेबसाइट है।

टॉपिक- जी.एस पेपर 2 – सामाजिक क्षेत्रों का विकास और प्रबंधन

स्रोत-पी.आई.बी

3. **कृषि और किसानों के कल्याण के लिए एम.ओ.एस. ने डब्ल्यू.यू.डब्ल्यू.एम. के 32वें सम्मेलन का उद्घाटन किया**

- हरियाणा के गुरूग्राम में आयोजित विश्व थोक बाजार संघ (डब्ल्यू.यू.डब्ल्यू.एम.) के 32वें विश्व सम्मेलन का उद्घाटन कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री ने किया है।
- इस सम्मेलन को भारत में पहली बार 'डिजिटल युग में थोक बाजार: चुनौतियां और अवसर' के विषय के साथ आयोजित किया जा रहा है।

संबंधित जानकारी

विश्व थोक बाजार संघ (डब्ल्यू.यू.डब्ल्यू.एम.)

- विश्व थोक बाजार संघ, एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसकी स्थापना नीदरलैंड में की गई थी।
- इस संघ का उद्देश्य थोक बाजारों और खुदरा स्टोरों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देना है।
- यह अंतरराष्ट्रीय थोक व्यापार विकसित करने में मदद करता है।
- यह थोक बाजार, खुदरा बाजार, खाद्य आपूर्तिकर्ताओं, थोक बाजार ऑपरेटरों और व्यक्तियों को जोड़ता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **आई.डब्ल्यू.ए.आई., माजुली द्वीप पर नई आर.ओ.-आर.ओ. सेवा का शुभारंभ करने जा रहा है**

- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, असम सरकार के सहयोग से माजुली द्वीप के लिए अत्यंत आवश्यक कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु एक नई रोल ऑन-रोल ऑफ (आर.ओ.-आर.ओ.) सुविधा शुरू कर रहा है।
- यह सुविधा 423 कि.मी. की चक्करदार सड़क रूट को समाप्त कर देगी, अब ट्रक वाले नेमाती से माजुली द्वीप जाने के लिए तेजपुर सड़क पुल से होते हुए यह दूरी 12.7 कि.मी. में ही तय कर लेंगे।

संबंधित जानकारी

- माजुली, ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित दुनिया के सबसे बड़े तटीय द्वीपों में से एक है।
- यह पहला ऐसा द्वीप है जिसे भारत में जिला घोषित किया गया है।
- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आई.डब्ल्यू.ए.आई.), भारत सरकार के अधीन एक सांविधिक प्राधिकरण है।
- यह जलयात्रा और नेविगेशन के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास और विनियमन हेतु सहायता प्रदान करता है।
- इसका मुख्यालय नोएडा में है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **मंत्रिमंडल ने एन.सी.वी.ई.टी. की स्थापना के लिए एन.सी.वी.टी. और एन.एस.डी.ए. के विलय को मंजूरी प्रदान की**

- मंत्रिमंडल ने कौशल प्रशिक्षण में वर्तमान में कार्यरत विनियामक संस्थानों के विलय को मंजूरी प्रदान की है - राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद और राष्ट्रीय कौशल विकास संस्था को राष्ट्रीय व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद में विलय किया गया है।
- एन.सी.वी.ई.टी., व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण में व्यस्त संस्थाओं के कार्यों को विनियमित करेगी।
- इसमें दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों प्रकार शामिल हैं और ऐसी संस्थाओं के कार्यों हेतु न्यूनतम मानकों को स्थापित किया गया है।

एन.सी.वी.ई.टी. के प्राथमिक कार्यों में शामिल हैं-

- निर्णायक निकाय, मूल्यांकन निकाय और कौशल संबंधित सूचना प्रदाताओं की पहचान और विनियमन।

- निर्णायक निकायों और क्षेत्रीय कौशल परिषदों (एस.एस.सी.) द्वारा विकसित की गई योग्यताओं को स्वीकृति प्रदान करना।
- निर्णायक निकायों और मूल्यांकन संस्थाओं के माध्यम से व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों का अप्रत्यक्ष विनियमन।
- अनुसंधान एवं सूचना प्रसार।
- शिकायतों का निवारण।

संबंधित जानकारी

- यह सुधार, कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता और बाजार प्रासंगिकता में विकास को बढ़ावा देगा।
- यह कुशल श्रमशक्ति को बढ़ाने में भी मदद करता है जो 'मेक इन इंडिया' का आधार है।
- यह व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण कौशल में अधिक निजी निवेश और नियोक्ता भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए ऋण प्रदान करने की विश्वसनीयता को बढ़ावा देता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सामाजिक क्षेत्र का विकास और प्रबंधन

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>गोवा समुद्री संगोष्ठी - 2018</u>**

- इस कार्यक्रम का आयोजन 16 अक्टूबर, 2018 को किया जाएगा।
- यह हमारे समुद्री पड़ोसियों के साथ मित्रवत संबंधों को बढ़ाने में मदद करेगा, इस संगोष्ठी में 16 हिंद महासागर तटीय देशों से वरिष्ठ नौसेना अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल होंगे।
- इस संगोष्ठी का विषय "आई.ओ.आर. में मजबूत समुद्री साझेदारी का निर्माण करना है।

लक्ष्य

- इस संगोष्ठी का मुख्य ध्यान उभरते हुए समुद्री खतरों से निपटने के लिए आई.ओ.आर. नौसेनाओं के मध्य क्षमता निर्माण पर है।
- यह साझेदार समुद्री संस्थाओं के मध्य अंर्तकार्यकारिता को विकसित करने के लिए सहकारी रणनीतियों पर चर्चा करने हेतु एक मंच भी प्रदान करता है।
- यह संगोष्ठी उन हितधारकों को एक-साथ लाने में रचनात्मक भूमिका निभाएगी जो समुद्री क्षेत्रों में रणनीतियों, योजनाओं और क्रियान्वयन तंत्र को विकसित करने में भूमिका निभाती हैं।

आई.ओ.आर.ए. के संदर्भ में जानकारी-

- हिंद महासागर तटीय क्षेत्रीय सहयोग संघ, एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो हिंद महासागर के सीमावर्ती तटीय राज्यों से मिलकर बना है।
- आई.ओ.आर.ए. का समन्वयक सचिवालय इबेन, मॉरीशस में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>केंद्र ने गंगा के लिए 'न्यूनतम नदी प्रवाह' निर्धारित किया है।</u>**

- केंद्र सरकार ने गंगा के विभिन्न हिस्सों में आवश्यक रूप से पूरे वर्ष के दौरान पानी और पारिस्थिकी प्रवाह की न्यूनतम मात्रा का शासनादेश जारी किया है।
- नदी किनारे स्थित जल विद्युत परियोजनाओं को अपने परिचालनों को संशोधित करने हेतु नए नियमों की आवश्यकता होगी जिससे कि वे यह सुनिश्चित कर सकें कि वे अनुपालन के अंतर्गत हैं।
- गंगा के ऊपरी हिस्सों में ग्लेशियरों में उसके उद्गम से हरिद्वार तक नवंबर और मार्च के मध्य पिछले 10 दिनों के मासिक औसत प्रवाह का 20% विनियमित रखना होगा जो कि शुष्क मौसम हैं।
- अक्टूबर, अप्रैल और मई के 'कमजोर मौसम' के दौरान औसत का 25% रखना होगा।
- जून-सितंबर के मानसून महीनों के दौरान मासिक औसत का 30% रखना होगा।
- जिन वैद्युत परियोजनाओं ने अभी तक इन नियमों का पालन नहीं किया है उन्हें अभी भी इनका पालन करने हेतु 3 वर्षों का समय दिया जा रहा है और "लघु एवं सूक्ष्म परियोजनाओं" को इन आवश्यकताओं से छूट प्रदान की जाएगी।

- केन्द्रीय जल आयोग, प्रासंगिक डेटा को एकत्र करने और स्वच्छ गंगा के राष्ट्रीय मिशन हेतु तिमाही आधार पर प्रवाह निगरानी-सह-अनुपालन रिपोर्ट जमा करने हेतु नामित प्राधिकरण होगा।

लाभ

- यह गंगा नदी को प्रवाह के दौरान किसी भी स्थान पर सूखा नहीं रहने में मदद करेगा।
- सी.डब्ल्यू.सी. द्वारा प्रवाह डेटा को सार्वजनिक रूप से जारी नहीं किया जाएगा क्योंकि पड़ोसी देशों द्वारा जल-वैद्युत परियोजना के संदर्भ में दबाव डालने हेतु इसका उपयोग किया जा सकता है।

गंगा के संदर्भ में जानकारी

- गंगा, भारतीय उपमहाद्वीप की एक अंतर-सीमा नदी है जो भारत और बांग्लादेश राष्ट्रों से होकर बहती है।
- भारतीय राज्य उत्तराखंड में पश्चिमी हिमालय में यह नदी 2,525 कि.मी. (1,569 मील) की ऊँचाई पर बहती है और उत्तर भारत के गंगा के मैदानों के माध्यम से दक्षिण और पूर्व में बहती है।
- पश्चिम बंगाल में प्रवेश करने के बाद यह दो नदियों: हुगली नदी और पदमा नदी में विभाजित हो जाती है।
- हुगली नदी, पश्चिम बंगाल के कई जिलों से होकर बहती है और सागर द्वीप के पास बंगाल की खाड़ी में बहती है।
- पदमा नदी भी बांग्लादेश से होकर बहती है और बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>देश का पहला जैव-ईंधन संयंत्र ओडिशा में स्थापित किया जाएगा।</u>**

- **भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड** (बी.पी.सी.एल.) ओडिशा के बारगढ़ जिले में बॉलसिंघ गांव में दूसरी पीढ़ी की (2 जी) इथेनॉल जैव-रिफाइनरी दिसंबर, 2020 तक शुरू करने जा रही है।
- यह देश का पहला जैव-ईंधन संयंत्र होगा जिसमें चावल के पुआल से इथेनॉल का उत्पादन किया जाएगा।
- संयंत्र में उत्पादित इथेनॉल में पेट्रोल मिलाया जाएगा और इसे ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाएगा।

9. **<u>तुषार मेहता को भारत के नए महान्यायाभिकर्ता के रूप मे नियुक्त किया गया</u>**

- वरिष्ठ वकील तुषार मेहता को 30 जून, 2020 तक भारत के नए महान्यायाभिकर्ता (सॉलिसिटर जनरल) के रूप में नियुक्त किया गया है।

संबंधित जानकारी

- महान्यायवादी (ए.जी.) के अतिरिक्त भारत सरकार के अन्य कानून अधिकारी भी हैं।
- वे भारत के महान्यायाभिकर्ता और भारत के अपर महान्यायाभिकर्ता हैं।
- वे महान्यायवादी की उनकी आधिकारिक जिम्मेदारियों को पूर्ण करने में सहायता करते हैं।

नोट:

- केवल महान्यायवादी का कार्यालय, संविधान द्वारा बनाया गया है।

12.10.2018

1. **<u>विश्व बैंक का मानव पूंजी सूचकांक 2018</u>**

- सिंगापुर ने विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए मानव पूंजी सूचकांक में 157 देशों की सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।
- उत्तर-मध्य अफ्रीकी राष्ट्र चाड को द्वीप के चार देशों के साथ 157 देशों की सूची में सबसे निचला स्थान प्राप्त हुआ है, सबसे निचले स्थान प्राप्त करने वाले 5 देश: दक्षिण सूडान (156), नाइगर (155), माली (154), और लाइबेरिया (153) हैं।
- विश्व विकास रिपोर्ट की थीम "कार्य की बदलती प्रकृति" है।

संबंधित जानकारी

- भारत सरकार ने विश्व बैंक के मानव पूंजी सूचकांक के निष्कर्षों को खारिज कर दिया है जिसने देश को 157 देशों की सूची में 115वां स्थान प्रदान किया है।

मानव पूंजी सूचकांक

- एच.सी.आई., 157 देशों के लिए बनाया गया है।
- यह मानव पूंजी की मात्रा को मापने के प्रयास करने का दावा करता है कि आज पैदा हुए बच्चे की प्रति व्यक्ति आय 18 वर्ष की आयु तक कितनी होने की उम्मीद है।

एच.सी.आई. के तीन घटक हैं-

- उत्तरजीविता, इसे 5 मृत्यु दरों के द्वारा मापा जाता है।
- गुणवत्ता-समायोजित विद्यालय के अनुमानित वर्ष जो शिक्षा की गुणवत्ता और मात्रा के आधार पर जानकारी एकत्र करते हैं।
- (a) वयस्क जीवन दर और (b) 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की वृद्धि दर रूकने की दर के दो पहलुओं का प्रयोग करते हुए स्वास्थय पर्यावरण के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

रिपोर्ट में एच.सी.आई. के संदर्भ में भारत के लिए महत्वपूर्ण अवलोकन निम्नवत हैं-

- मानव पूंजी सूचकांक: भारत में आज पैदा होने वाला बच्चा, बड़े होने पर केवल 44 प्रतिशत ही उत्पादकता प्रदान करेगा यदि वह पूरी शिक्षा ग्रहण करता है और पूर्णतया स्वस्थ रहता है।
- भारत में महिलाओं के लिए एच.सी.आई. पुरुषों के मुकाबले थोड़ा बेहतर है।
- 5 वर्ष की आयु तक जीवित रहने की संभावना: भारत में पैदा हुए 100 में से 96 बच्चे 5 वर्ष की आयु तक जीवित रहते हैं।
- विद्यालय के अनुमानित वर्ष: भारत में जो बच्चा 4 वर्ष की आयु से विद्यालय जाना शुरू करता है तो उस बच्चे का अपने 18वें जन्मदिन तक विद्यालय के 2 वर्ष पूर्ण कर लेने का अनुमान है।
- सामंजस्य (हार्मोनाइज्ड) टेस्ट स्कोर: इस पैमाने पर भारत में छात्र 355 अंक प्राप्त करते हैं जिसमें 625 अंक प्राप्त करने वाले को उन्नत प्राप्ति और 300 अंक प्राप्त करने वाले न्यूनतम प्राप्ति की श्रेणी दी जाती है।
- विद्यालय के शिक्षण-समायोजित वर्ष: बच्चा वास्तविकता में क्या सीख रहा है इसके आधार पर स्कूल के अनुमानित वर्ष केवल 8 वर्ष हैं।
- लिंग असमानता: भारत में लड़कियों के लिए एच.सी.आई. लड़कों की तुलना में मामूली रूप से अधिक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण सूचकांक

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>क्लीन स्काई 2018: यूक्रेन ने नाटो देशों के साथ वायु युद्धाभ्यास शुरू किया है।</u>**

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य नाटो देशों के साथ एक वायु सेना युद्धाभ्यास है।
- "क्लीन स्काई 2018" युद्ध खेलों का आयोजन पश्चिमी यूक्रेन मे किया गया है।
- इसका उद्देश्य हवाई संप्रभुता को सुरक्षित करना और सहयोग के माध्यम से शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने हेतु क्षेत्रीय क्षमताओं को विकसित करना है।

नाटो के संदर्भ में जानकारी-

- उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन, 29 उत्तरी अमेरिकी और यूरोपीय देशों के मध्य स्थापित एक अंतर सरकारी सैन्य संगठन है।
- नाटो सामूहिक रक्षा की एक प्रणाली का गठन करता है जिसके द्वारा किसी बाहरी राष्ट्र के द्वारा हमला किए जाने पर जवाबी हमला करने हेतु इसके स्वतंत्र सदस्य राष्ट्र आपसी रक्षा हेतु सहमत होते हैं।
- नाटो का मुख्यालय हरेन, ब्रुसेल्स, बेल्जियम में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>मंत्रिमंडल ने पर्यावरणीय सहयोग पर भारत-फिनलैंड समझौते को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पर्यावरणीय सहयोग पर भारत और फिनलैंड के मध्य सहयोग ज्ञापन को मंजूरी प्रदान की है।
- इस ज्ञापन को बेहतर पर्यावरण संरक्षण को प्राप्त करने हेतु नवीनतम तकनीकियों और सर्वोत्तम अभ्यासों के साथ पेश किया जाएगा।
- यह बेहतर संरक्षण, जलवायु परिवर्तन का बेहतर प्रबंधन और देश में वन्यजीव सुरक्षा/ संरक्षण में मदद करता है।

संबंधित जानकारी

- इस सहयोग ज्ञापन के अंतर्गत सहयोग के क्षेत्रों में शामिल होंगे:

1. वायु और जल प्रदूषण का संरक्षण एवं शुद्धिकरण
2. प्रदूषित मिट्टी का उपचार
3. खतरनाक अपशिष्ट और अपशिष्ट से ऊर्जा तकनीकियों के साथ अपशिष्ट प्रबंधन

- यह जंगलों, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय और वन निगरानी सहित प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन को बढ़ाने में मदद करता है।
- यह महासागरों/ समुद्री द्वीपों के समाकलित जल प्रबंधन को सुधारने में भी मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>21% भारतीय बच्चे कम वजन की श्रेणी में हैं: ग्लोबल हंगर इंडेक्स</u>**

- इस सूचकांक में 119 देशों की सूची में भारत को 103वां स्थान प्राप्त हुआ है।
- यह रिपार्ट वाशिंगटन आधारित अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान द्वारा जारी की जाती है।

भारत के संदर्भ में परिणाम

- पांच वर्ष से कम आयु के पांच भारतीय बच्चों में से कम से कम एक बच्चा कमजोर है अर्थात उसकी लंबाई के अनुरूप उसका शारीरिक वजन काफी कम है, जो तीव्र कुपोषण को दर्शाता है।
- बाल कमजोरी के उच्चतम प्रसार के मामले में अकेला देश केवल युद्ध-ग्रस्त दक्षिणी सूडान है।
- पिछले वर्ष की तुलना में भारत की रैंकिंग तीन स्थान कम हो गई है।

संबंधित जानकारी

- इस रिपोर्ट में भूख के स्तर की गणना करने के लिए चार मुख्य संकेतकों का उपयोग किया जाता है।
- पहला संकेतक कुपोषण (आवश्यक्ता से कम भोजन मिलना), जो आबादी का वह हिस्सा है जिसे आवश्यक्ता से कम भोजन मिलता है और वे अपर्याप्त कैलोरी के सेवन को प्रदर्शित करते हैं।
- पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए डेटा एकत्र करने हेतु अगले तीन संकेतको का उपयोग करते हैं।

  (a) बाल कमजोरी (लंबाई के अनुरूप कम वजन),

  (b) तीव्र कुपोषण को प्रतिबिंबित करना

  (c) बच्चों की वृद्धि रूकना (आयु के अनरूप कम लंबाई)

  (d) स्थायी कुपोषण को प्रतिबिंबित करना

  (e) बाल मृत्यु दर
- पिछले दो दशकों से सुधार करने के बावजूद भी वैश्विक स्तर पर भूख का स्तर "गंभीर" की श्रेणी में आता जा रहा है।
- सूचकांक परियोजनाएं जो कि प्रगति की वर्तमान दर पर आधारित है, इनके अनुसार वर्ष 2030 तक 50 देश "निम्न" भूख श्रेणी को प्राप्त करने में भी असफल हो जाएंगे।
- यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 2 को संदेह में डालता है जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक भुखमरी को समाप्त करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण सूचकांक

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>चौथी औद्योगिक क्रांति, ए.आई. के विस्तार से स्वास्थ्य देखभाल बेहतर होगी।</u>**

- प्रधानमंत्री के कहा कि चौथी औद्योगिक क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार से स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं बेहतर होंगी और स्वास्थ्य पर होने वाली खर्चों में भी कमी आएगी।
- भारत ने नई दिल्ली में जिनेवा आधारित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यू.ई.एफ.) में चौथी औद्योगिक क्रांति की शुरुआत की है।
- डब्ल्यू.ई.एफ., महाराष्ट्र में चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए एक केंद्र स्थापित कर रहा है।
- अन्य केंद्र सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका, जापान और चीन में स्थापित किए जा रहे हैं। भारत में केंद्र की पहली तीन परियोजनाएं कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और ड्रोन हैं।

- डब्ल्यू.ई.एफ. इन परियोजनाओं में नीति आयोग, व्यापारिक नेताओं, अकादमियों और स्टार्ट-अप के सहयोग से काम करेगा।

संबंधित जानकारी

- चौथी औद्योगिक क्रांति, डिजिटल प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित है और भारत, प्रशासन के हर पहलू में डिजिटल प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए संकल्पित है।
- इससे देश की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रवेश करने में सहायता करेगा।
- हाल ही में नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा डिजी यात्रा शुरू की गई, जो देश को डिजीटली सशक्त समाज में बदलने हेतु भारत के दृष्टिकोण के उदाहरण के रूप में है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – आर्थिक विकास

स्रोत- ए.आई.आर

6. **<u>32 वां भारत- इंडोनेशिया कोऑर्डिनेटेड पैट्रोल (सी.ओ.आर.पी.ए.टी.)</u>**

- भारत- इंडोनेशिया समन्वित गश्त (कोऑर्डिनेटेड पैट्रोल) (इंड-इंडो कॉर्पैट) के 32 वें संस्करण को इंडोनेशिया में शुरू किया गया है।

संबंधित जानकारी

- यह समुद्री क्षेत्र में अच्छे संबंधों को सुनिश्चित करने की दिशा में भारत की शांतिपूर्ण उपस्थिति और मित्रवत देशों के साथ एकजुटता और समेकित अंर्तकार्यकारिता पर जोर देता है।
- यह दोनों देशों के मध्य वर्तमान में मित्रवत संबधों को भी मजबूती प्रदान करने में मदद करता है।
- यह प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण सागर (सेक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रेंज) को भी सुनिश्चित करने में मदद करता है।

टॉपिक- जी.उस. पेपर 3– रक्षा

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>पॉवर बैट: प्रशंसकों के अनुभव को बढ़ाने हेतु हार्सेनेसिंग प्रौद्योगिकी</u>**

- पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अनिल कुंबले, माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन और प्रसारण सहयोगी स्टार इंडिया के द्वारा स्पैक्टाकाम टेक्नोलॉजीस एक स्टार्ट-अप की शुरुआत की गई है, जिसने पॉवर बैट की शुरुआत की है।
- यह बैट (उपकरण) खिलाड़ियों, कोच, कमेंटेटर, प्रशंसकों और दर्शकों को प्रदान किया जाएगा, जिससे कि वे पूर्णतय: नए और अद्वितीय प्रकार से क्रिकेट के साथ जुड़ें और अपने खेल को सुधारें।

संबंधित जानकारी

- यह पॉवर बैट, ए.आई. और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) सेवाओं का उपयोग करके माइक्रोसॉफ्ट एज्यूर क्लाउड प्लेटफॉर्म के द्वारा संचालित है।
- पावर बैट एक अद्वितीय सिद्धांत है जो कि हल्के बजन का है और इस पॉवर बैट के कंधे पर एज्यूर स्फियर पॉवर स्टीकर लगा हुआ है।
- जैसे ही बल्लेबाज गेंद को हिट करता है वैसे ही विभिन्न मानकों (गति, घुमाव और शॉट की गुणवत्ता) पर डाटा माप की विभिन्न इकाईयों के रूप में एकत्रित हो जाता है जिसे पॉवर स्पेक्स कहते हैं।
- पॉवर बैट का सबसे पहले उपयोग टी.एन.पी.एल. में किया गया था और स्टार इंडिया ने रीयल टाइम आंकड़े और सीधे तौर पर मैदान के अंतदृश्यों को प्रदान करने हुत इसे हाल ही की श्रृंखलाओं में प्रयोग किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>एमनेस्टी योजना: 900 से अधिक कैदियों को जेल से रिहा किया गया है।</u>**

- गृह मंत्रालय ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती को स्मीरणीय बनाने हेतु वार्षिक उत्सव के भाग के रूप में घोषित की गई एमनेस्टी योजना के अंतर्गत एमनेस्टी योजना के प्रथम चरण की घोषणा करते हुए पूरे देश में 900 से अधिक कैदियों को जेल से रिहा कर दिया है।
- दूसरे और तीसरे चरण के अंतर्गत 6 अप्रैल, 2019 और 2 अक्टूबर, 2019 को कैदियों को रिहा किया जाएगा।
- राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सलाह दी गई है कि कैदियों की रिहाई के लिए निर्दिष्ट तारीखों से पहले महात्मा की शिक्षाओं के आधार पर सभी जेल परिसरों में एक हफ्ते का विशेष समारोह आयोजित किया जाए।

संबंधित जानकारी

- ऐसे कैदियों के लिए विशेष माफी योजना नहीं उपलब्ध है जिन्हें किसी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया हो और उसके लिए उन्हें फांसी की सजा दी गई हो।
- यह मृत्युदंड प्राप्त उन कैदियों के लिए भी उपलब्ध नहीं है जिनके मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदल दिया गया है।
- जघन्य अपराधों में शामिल दोषियों के लिए भी यह योजना उपलब्ध नहीं है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सामाजिक मुद्दे

स्रोत-पी.आई.बी.

9. **<u>नया हॉरिजन मिशन: नासा</u>**

- नासा की नई क्षितिज जांच निश्चित रूप से, क्यूपर बेल्ट ऑब्जेक्ट के द्वारा उड़ने के लिए तैयार है, इसका उपनाम अल्टिमा थुले है। जो धरती से 6.6 बिलियन कि.मी. की दूरी पर स्थित है।
- यह घटना किसी अंतरिक्ष यान के द्वारा सबसे अधिक दूरी तक जाने वाले आब्जेक्ट के रूप में रिकार्ड कायम करेगी।

नए हॉरिजन (क्षितिज) मिशन के संदर्भ में जानकारी

- यह मिशन 19 जनवरी 2006 को लॉन्च किया गया था और पिछले नौ वर्षों से अंतरिक्ष की यात्रा कर रहा है।
- लॉन्च होने के एक साल बाद, यह बृहस्पति को पार कर चुका था और वैज्ञानिकीय अवलोकन करने के साथ-साथ अपने वेग को बढ़ाने के लिए इसने विश्व के सबसे अधिक गुरूत्वाकर्षण बल का प्रयोग किया था।
- नासा का कहना है कि यह मिशन पूरा होगा तो यह शास्त्रीय सौर मंडल का पुनर्जागरण होगा और बुध से लेकर प्लूटों तक प्रत्येक ग्रह पर अंतरिक्ष जांच भेजने वाला अमेरिका पहला देश बन जाएगा।
- प्लूटो और कैरॉन की सतह का मानचित्रण करने हेतु, प्लूटों के वातावरण के बारे शोध करने और तापमान रीडिंग लेने हेतु नया हॉरिजन विज्ञान मिशन शुरू किया गया है।

क्यूपर बेल्ट के संदर्भ में जानकारी

- क्यूपर बेल्ट को कथी-कभी ऐजवार्थ-क्यूपर बेल्ट भी कहते हैं। यह ग्रहों के ऊपर सौर मंडल का क्षेत्र है, जो सूर्य से नैप्च्यून की कक्षा से भी दूर स्थित है।
- यह क्षुद्रग्रह बेल्ट के समान है लेकिन यह क्षुद्रग्रह से अधिक बड़ा और विशाल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- हिंदू

13.10.2018

1. **<u>भारतीयों के जीन को अनुक्रमित करने हेतु मिशन</u>**

- भारत एक प्रमुख मिशन की योजना बना रहा है, जिसके अंतर्गत भारतीयों के "बड़े" समूह के जीनों को अनुक्रमित किया जाएगा।
- इस परियोजना में भारतीयों के "बड़े" समूह के जीनों को अनुक्रमित करने हेतु भारत समेत विभिन्न देश भी शामिल हैं, इनमें यूनाइटेड किंगडम, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया में भी समान परियोजनाएं प्रगति पर हैं।
- इसका उपयोग स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ-साथ 'व्यक्तिगत दवा' डिजाइन करने की वैश्विक प्रवृत्ति को कम करने के लिए भी किया जाएगा।
- इस परियोजना से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और जैव प्रौद्योगिकी विभाग निकटस्थता से संबद्ध हैं।
- अब भारत, इस प्रकार की उपलब्धि हासिल करने वाले छह देशों में से एक है।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-

- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारत सरकार द्वारा स्थापित एक स्वायत्त निकाय है।
- यह भारत का सबसे बड़ा अनुसंधान और विकास संगठन है।
- यह मुख्य रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है और यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के माध्यम से एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्यरत है।

- वर्ष 2009 में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद ने घोषणा की थी कि उसने एक भारतीय के जीनोम को अनुक्रमित किया है।

जीन के संदर्भ में जानकारी-

- एक जीन, डीएनए का एक भाग है जो कार्यों को इन्कोड करता है।
- गुणसूत्र, डी.एन.ए. की लंबी श्रृंखला से मिलकर बनता है जिसमें कई जीन होते हैं।
- एक मानव गुणसूत्र में डी.एन.ए. के 500 मिलियन आधारिक जोड़े होते हैं जिसमें हजारों जीन होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>राष्ट्रीय पर्यावरण सर्वेक्षण</u>**

- अब तक का भारत का पहला राष्ट्रीय पर्यावरण सर्वेक्षण 24 राज्यों के 55 जिलों में और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में जनवरी 2019 से शुरू किया जाएगा।
- राष्ट्रीय पर्यावरण सर्वेक्षण, पर्यावरण मंत्रालय की वर्तमान में जारी पर्यावरणीय सूचना प्रणाली योजना के अंतर्गत प्रस्तावित किया जाता है।
- यह पहली बार सभी प्रकार की मक्खियों (ग्रीन हेड्स) पर प्राथमिक डाटा प्रदान कर रहा है, समान प्रकार से राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एन.एस.एस.) समय-समय पर विभिन्न प्रकार के सामाजिक आर्थिक डाटा एकत्र करता है।
- यह सर्वेक्षण ग्रिड आधारित दृष्टिकोण के द्वारा पूर्ण किया जाएगा, इस सर्वेक्षण में 9x 9 कि.मी. की ग्रिड का प्रयोग किया जाएगा।
- यह वायु, पानी, मिट्टी की गुणवत्ता, उत्सर्जन सूची, ठोस और खतरनाक ई-अपशिष्ट, वन और वन्यजीवन, वनस्पति एवं जानवर, झीलों, नदियों और अन्य जल निकायों जैसे विभिन्न पर्यावरणीय मानकों पर व्यापक डेटा एकत्र करता है।
- यह पूरे देश के सभी जिलों की कार्बन अनुक्रमण क्षमता का आकलन करने में भी मदद करेगा।
- एन.ई.एस. सभी जिलों को उनके पर्यावरण प्रदर्शन के आधार पर स्थान प्रदान करेगा और उनकी सर्वोत्तम हरित तस्वीरों को संलेखित करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>इसरो, जम्मू विश्वविद्यालय में केंद्र स्थापित करेगा।</u>**

- इसरो, भारत के उत्तरी राज्यों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने हेतु जम्मू के केंद्रीय विश्वविद्यालय (सी.यू.जे.) में सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र स्थापित करेगा।
- इस केंद्र में भू-स्थानिक डेटा विश्लेषण की सुविधा होगी जो प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और भूमि उपयोग के प्रारूप को निर्धारित करने में मदद करेगी।
- यह वायुमंडलीय अध्ययन के लिए जमीन-आधारित अवलोकनों में मदद करेगा और खगोल भौतिकी के लिए शोध प्रयोगशाला में मदद करेगा।
- यह उत्तर भारत की नदियों में मौसमी बर्फ, बर्फ और हिमनद के रूप में बड़ी मात्रा में भरे पानी के बेहतर उपयोग हेतु वायुमंडलीय सेंसिंग और हिमनद अध्ययन प्रयोगशाला भी प्रदान करता है।
- यह जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था और मानव जीवन को विकसित करने में मदद करेगा जो वानस्पतिक क्षेत्र, वन क्षेत्र, बर्फ, भूस्खलन, हिस्खलन, भूमिगत जल, बादल क्षेत्रों से प्रभावित हैं, जिनकी रिमोट-सेंसिंग के माध्यम से अंतरिक्ष से निगरानी की जा सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>अधिकतम वोट प्राप्त करने वाले भारत को यू.एन.एच.आर.सी. के लिए चुना गया।</u>**

- भारत को सभी उम्मीदवारों में अधिकतम वोट प्राप्त हुए, भारत को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के लिए चुना गया है।
- भारत को 188 वोट मिले, फिजी को 187 और बांग्लादेश को 178 वोट मिले।
- भारत को इसके पहले वर्ष 2011-2014 और वर्ष 2014-2017 के लिए जिनेवा आधारित मानवाधिकार परिषद के लिए चुना गया था।

यू.एन.एच.आर.सी. के संदर्भ में जानकारी-

- संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2006 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कमीशन के स्थान पर यू.एन.एच.आर.सी. की स्थापना की गई थी।
- यू.एन.एच.आर.सी. का उद्देश्य पूरी दुनिया में मानवाधिकारों का प्रोत्साहन और संरक्षण करना है।
- यू.एन.एच.आर.सी. में क्षेत्रीय समूह के आधार पर तीन वर्ष के लिए 47 सदस्य चुने गए हैं।
- यू.एन.एच.आर.सी. का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।

कार्य:

- यू.एन.एच.आर.सी. संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों में मानवाधिकारों के उल्लंघनों के आरोपों की जांच करता है।
- यह संघ और सभा की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विश्वास एवं धर्म की स्वतंत्रता, महिलाओं के अधिकार, एल.जी.बी.टी. अधिकार और नस्लीय एवं जातीय अल्पसंख्यकों जैसे महत्वपूर्ण विषयगत मानवाधिकार मुद्दों को संबोधित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण संगठन

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>मानवाधिकार संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2018</u>**

- हाल ही में लोकसभा में मानवाधिकार संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2018 पेश किया गया था।
- यह विधेयक मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 को संशोधित करता है।
- यह विधेयक वह व्यक्ति पेश कर सकता है जो अध्यक्ष हो, वह व्यक्ति जो भारत का मुख्य न्यायाधीश अथवा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश हो।
- यह अधिनियम राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एन.एच.आर.सी.), राज्य मानवाधिकार आयोग (एस.एच.आर.सी.) के साथ मानवाधिकार न्यायालयों के लिए भी प्रदान किया गया है।

संबंधित जानकारी

- संरचना - अब, एन.एच.आर.सी. का अध्यक्ष वह व्यक्ति होना चाहिए जो सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश रहा है।
- समान प्रकार से एस.एच.आर.सी. का अध्यक्ष वह व्यक्ति होना चाहिए जो व्यक्ति उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश रहा हो।
- यह अधिनियम एन.एच.आर.सी. के सदस्यों के रूप में नियुक्त किए जाने वाले मानवाधिकारों का ज्ञान रखने वाले दो व्यक्तियों के द्वारा पेश किया जाता है।
- विधेयक इसमें संशोधन करता है कि तीन सदस्यों को नियुक्त करने की अनुमति दी जाए जिसमें कम से कम एक महिला सदस्य हो।
- इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के राष्ट्रीय आयोग जैसे विभिन्न आयोगों के अध्यक्ष एन.एच.आर.सी. के सदस्य है।
- इस विधेयक ने इसे पिछड़े वर्ग, बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय आयोगों और विकलांग व्यक्तियों के लिए मुख्य आयुक्त हेतु इसका प्रसार किया है।
- कार्यालय की अवधि - वर्तमान में एन.एच.आर.सी. और एस.एच.आर.सी. के अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष का अथवा 70 वर्ष तक की आयु का है, इनमें जो पहले संभव हो।
- यह विधेयक, एन.एच.आर.सी. और एस.एच.आर.सी. के अध्यक्षों की पुनर्नियुक्ति के लिए अनुमति प्रदान करता है।
- शक्तियां - वर्तमान में एन.एच.आर.सी. के महासचिव और एस.एच.आर.सी. के सचिव स्वयं को सौंपी गई शक्तियों का प्रयोग करते हैं।
- केंद्रशासित प्रदेश - यह विधेयक केंद्र सरकार को केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा खारिज किए गए मानवाधिकारों के निर्वहन हेतु एस.एच.आर.सी. पर संभाषण करने हेतु प्रदान किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. **इलेक्ट्रॉनिक्स 2018 पर राष्ट्रीय नीति**

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एम.ई.आई.टी.वाई.) ने भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम की डिजायनिंग और विनिर्माण क्षेत्र (ई.एस.डी.एम.) के लिए 'इलेक्ट्रॉनिक्स 2018' (एन.पी.ई. 2018) पर राष्ट्रीय नीति ड्राफ्ट जारी किया है।
- यह नीति देश में प्रोत्साहित आर्थिक विकास के लिए ई.एस.डी.एम. क्षेत्र की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने में मदद करती है।
- यह उद्देश्य को पूरा करने के लिए वर्ष 2019 में 500 मिलियन यूनिट के मोबाइल उत्पादन को वर्ष 2025 तक 1 बिलियन यूनिट करके दोगुना करने में मदद करती है।
- इसका उद्देश्य वर्ष 2025 तक $ 400 बिलियन डॉलर मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग को स्थापित करना है, इसमें मोबाइल फोनों के भागों के उत्पादन भी शामिल है जो कि कुल उत्पादन का तीन-चौथाई हैं।
- यह मोडिफाइड स्पेशल इंसेटिव पैकेज योजना (एम-एस.आई.पी.एस.) जैसी मौजूदा इंसेंटिव योजनाओं को प्रतिस्थापित करती है, ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट डिफ़ॉल्ट गारंटी इत्यादि जैसी योजनाओं को लागू करती है जिन्हें लागू करना आसान हो।
- यह नई इकाइयों को प्रोत्साहित करने और वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में मौजूद इकाइयों के विस्तार को बढ़ावा प्रदान करने हेतु ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट डिफ़ॉल्ट गारंटी योजना को भी विश्लेषण के अंतर्गत रखा है।
- कर लाभ: यह नई विनिर्माण इकाई की स्थापना या मौजूदा इकाई के विस्तार के लिए आयकर (आई.टी.), इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के लिए आयकर (आई.टी.) अधिनियम के अंतर्गत परस्पर निवेश से संबंधित कटौती सहित उपयुक्त प्रत्यक्ष कर लाभ को प्रस्तावित करती है।
- यह इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के कुछ महत्वपूर्ण उप-क्षेत्रों जैसे सेमीकंडक्टर वेफर फैब्रिकेशन और डिस्प्ले फैब्रिकेशन इकाइयों को बढ़ावा देने के लिए चुनिंदा इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद संसाधनों पर कर का प्रस्ताव दिया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **भारत को 20 वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 79 .5 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है: संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट**

- संयुक्त राष्ट्र ने 'आर्थिक नुकसान, गरीबी और आपदाएं 1998-2017' नामक एक रिपोर्ट जारी की है।
- यह रिपोर्ट आपदा जोखिम में कमी हेतु संयुक्त राष्ट्र कार्यालय द्वारा संकलित की गई थी।
- पिछले 20 वर्षों में जलवायु से संबंधित आपदाओं कारण भारत को 79 .5 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है।
- यह रिपोर्ट वैश्विक अर्थव्यवस्था पर खतरनाक मौसमी घटनाओं के प्रभाव पर प्रकाश डालती है।
- यह रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 1998 से 2017 के बीच के वर्षों में जलवायु से संबंधित आपदाओं के कारण प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान में 151% की बड़ी वृद्धि हुई है।
- वर्ष 1998 से 2017 के बीच वैश्विक अर्थव्यवस्था पर आपदाओं के प्रभाव के संदर्भ में प्रभावित देशों ने 908 ट्रिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष घाटे की जानकारी प्रदान की है, जो कि पिछले दो दशकों में हुए नुकसान के दो गुने से अधिक है।
- तूफान, बाढ़ और भूकंप के कारण आर्थिक नुकसान के मामलें में शीर्ष दस देशों की सूची में तीन यूरोपीय देश शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

- इस रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया है कि जलवायु परिवर्तन, खतरनाक मौसमी घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हो रही है।

- आपदाएं, सतत विकास के मार्ग में तब तक बाधा बनी रहेंगी जब तक संभावित आपदा जोखिमों पर ध्यान देते हुए आपदा बाहुल्य क्षेत्रों में निर्माण और विकास हेतु आर्थिक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती रहेगी।
- आर्थिक नुकसानों का आकलन करने से आपदा जोखिम में कमी हेतु सेंडई फ्रेमवर्क के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सरकारें और अधिक प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित होंगी, जिसके अनुसार वर्ष 2030 तक आपदा नुकसानों में भारी कमी करने की आवश्यक्ता है।
- निवेश निर्णय में समाकलित आपदा जोखिम में कमी करना, इन जोखिमों को कम करने का सबसे अधिक लागत-प्रभावी तरीका है।

आपदा जोखिम में कमी हेतु संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के संदर्भ में जानकारी

- इसे 1999 में आपदा न्यूनीकरण हेतु अंतर्राष्ट्रीय रणनीति के कार्यान्वयन की सुविधा के लिए समर्पित सचिवालय के रूप में स्थापित किया गया था।
- यह संयुक्त राष्ट्र सचिवालय की एक संगठनात्मक इकाई है और इसका नेतृत्व आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए महासचिव के संयुक्त राष्ट्र विशेष प्रतिनिधि (एस.आर.एस.जी.) के द्वारा किया जाता है।
- इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विटजरलैंड में है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>बैंगलूरू में पहला भारत-इज़राइल नवीनीकरण केंद्र खोला गया है।</u>**

- देश का पहला भारत-इज़राइल नवीनीकरण केंद्र (आई.आई.आई.सी.), एक उद्यमी प्रौद्योगिकी केंद्र बेंगलुरु में खोला गया है।
- भारत में इजरायली कंपनियों के प्रवेश की सुविधा के लिए आई.आई.आई.सी. एक महत्वपूर्ण कदम है।
- इसका उद्देश्य दोनों देशों की कंपनियों के बीच स्थानीय साझेदारी और संयुक्त उद्दम स्थापित करना है।
- यह उद्यमिता, विक्रेताओं के साथ साझेदारी, परामर्श और गैर आधिकारिक सामुदायिक विकास का समर्थन करने हेतु एक पारिस्थिकी तंत्र प्रदान करता है।
- आई.आई.आई.सी. विभिन्न कार्यक्षेत्रों और व्यापारों, प्रौद्योगिकी, निवेशकों और ग्राहकों के क्षेत्र में कंपनी की प्रगति को बढ़ाने में मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- व्यापार मानक

15.10.2018

1. **<u>आपदा न्यूनीकरण 2018 हेतु अंतर्राष्ट्रीय दिवस</u>**

- 13 अक्टूबर को आपदा न्यूनीकरण हेतु अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया था।
- आपदा न्यूनीकरण हेतु अतंर्राष्ट्रीय दिवस 2018 की थीम 'आपदाओं के कारण होने वाले आर्थिक नुकसानों को कम करना' थी।
- वर्ष 2018 की थीम को "सेंडई सेवेन" अभियान के भाग के रूप लिया गया है, जो सेंडई फ्रेमवर्क के सात लक्ष्यों पर केंद्रित करता है।
- इस वर्ष सेंडई फ्रेमवर्क के लक्ष्य C ध्यान केंद्रित करना है, जो 'वर्ष 2030 तक वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के संबंध में आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसानों को कम करना है'।

संबंधित जानकारी

- वर्ष 1989 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव के माध्यम से अक्टूबर के दूसरे बुधवार को प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण हेतु अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में नामित किया था।
- इसके अनुपालन का मुख्य उद्देश्य यह जागरूकता फैलाना है कि लोग आपदा से होने वाले अपने नुकसान को कम करने हेतु किस प्रकार कार्रवाही करते है।

आपदा जोखिम में कमी हेतु सेंडई फ्रेमवर्क (2015-2030)

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज है जिसे मार्च 2015 में संयुक्त राष्ट्र सदस्य राज्यों द्वारा सेंडई, जापान में आयोजित आपदा जोखिम में कमी पर किए गए विश्व सम्मेलन में अपनाया गया था।

- यह ह्योगो फ्रेमवर्क फॉर एक्शन (2005-2015) का उत्तराधिकारी समझौता है, जो आपदा जोखिम में कमी हेतु सबसे व्यापक अंतर्राष्ट्रीय समझौता रहा है।
- यह एक स्वैच्छिक और गैर-बाध्यकारी समझौता है जो मान्यता देता है कि आपदा जोखिम को कम करने में राज्यों की प्राथमिक भूमिका है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली में वर्गीकृत प्रतिक्रिया कार्य योजना लागू की गई है।</u>**

- राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक आपातकालीन कार्य योजना लागू की जाएगी, यहां पर वायु प्रदूषण खराब श्रेणी की ओर बढ़ रहा है।
- वर्गीकृत प्रतिक्रिया कार्य योजना नामक आपातकालीन योजना के अंतर्गत शहर की वायु गुणवत्ता के आधार पर कड़ी कार्रवाइयों को शामिल किया जाएगा।
- प्रत्येक वर्ष अक्टूबर और नवंबर के दौरान धान की पुआल जलाने और अप्रैल में पंजाब और हरियाणा में गेहूं का भूसा जलना, दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण हैं।

संबंधित जानकारी

प्रदूषण पर वर्गीकृत प्रतिक्रिया कार्य योजना

- इसे केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए अधिसूचित किया गया था।
- एक वर्गीकृत प्रतिक्रिया, जो उन स्तरीकृत कार्यो को करती है जिन्हें उस स्थिति में करना चाहिए जब प्रदूषकों के कणों का आकार एक निश्चित स्तर पर पहुँच जाता है।
- वर्गीकृत कार्रवाई योजना तब लागू की जाती है यदि पीएम 5 स्तर 300 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक रहता है और पीएम 10 स्तर 500 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक रहता है।
- पिछले कुछ वर्षों में बीजिंग और पेरिस ने वर्गीकृत कार्य योजनाओं को लागू किया है।
- हाल ही में पेरिस ने सम-विषम सड़क राशनिंग योजना लागू की जब पीएम 5 के स्तर 95 माइक्रो ग्राम/ मी.^{3} के पार हो गया था।
- इसने लोगों को अपने वाहनों को घर पर छोड़ने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन को निशुल्क कर दिया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>चंद्र एक्स-रे ऑब्सर्वेटरी</u>**

- नासा की चंद्र एक्स-रे ऑब्सर्वेटरी ने हबल अंतरिक्ष दूरदर्शी के एक घटक के फेल होने के बाद भी सुरक्षित मोड में प्रवेश करने के कुछ दिनों बाद सुरक्षात्मक "सुरक्षित मोड" में प्रवेश किया है।
- चंद्र एक्स-रे ऑब्सर्वेटरी, नासा का एक अनुसंधान है जो ब्लैक होल, आकाशगंगाओं, सुपरनोवा, उच्च तापमान वाली गैसों और कैसर जैसी विभिन्न वस्तुओं पर काम करता है।
- विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम का एक्स-रे भाग ब्रह्मांड को और बेहतर तरीके से समझने में हमारी मदद करता है।
- इसे पहले उन्नत एक्स-रे खगोल भौतिकी सुविधा (ए.एक्स.ए.एफ.) के रूप में जाना जाता था।
- इस दूरदर्शी का नाम नोबेल पुरस्कार विजेता भारतीय-अमेरिकी खगोलशास्त्री सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है।

संबंधित जानकारी

नासा की महान ऑब्सर्वेटरी

(A) हबल अंतरिक्ष दूरदर्शी

- कार्यक्रम का पहला तत्व- और तर्कसंगत रूप से सबसे अच्छा ज्ञात तत्व- हबल अंतरिक्ष दूरदर्शी (एच.एस.टी.) है।
- हबल दूरदर्शी सन् 1990 में नासा अंतरिक्ष शटल द्वारा विकसित किया गया था।

(B) कॉम्प्टन गामा रे ऑब्सर्वेटरी (सी.जी.आर.ओ.)

- यह नासा की दूसरी सबसे महान ऑब्सर्वेटरी थी।

- इस मिशन के अंतर्गत ब्रह्मांड में कुछ सबसे हिंसक भौतिक प्रक्रियाओं पर डेटा एकत्र किया गया, जिन्हें उनकी अत्यधिक ऊर्जा की विशेषता से जाना जाता है।

(C) चंद्र एक्स-रे ऑब्सर्वेटरी

- यह महान ऑब्सर्वेटरी परिवार का तीसरा सदस्य है।
- यह ऑब्सर्वेटरी ई.एम. स्पेक्ट्रम के एक्स-रे भाग में ब्लैक होल, कैसर और उच्च-तापमान वाली गैसों जैसी वस्तुओं का अवलोकन कर रहा है।

(D) स्पिट्जर अंतरिक्ष दूरदर्शी

- स्पिट्जर अंतरिक्ष दूरदर्शी, नासा के महान ऑब्सर्वेटरी कार्यक्रम के चौथे और अंतिम तत्व का प्रतिनिधित्व करता है।
- स्पिट्जर जमीन से न उपलब्ध होने वाली उष्मीय अवरक्त किरणों के तरंगदैर्ध्य कवरेज में एक महत्वपूर्ण अंतर को पूरा करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- गिजमोडो

4. **<u>ई.सी. ने सी.विजिल ऐप लांच किया है।</u>**

- चुनाव आयोग ने चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए मतदाताओं हेतु सी.विजिल अद्वितीय एप्लीकेशन लांच किया।
- एप्लीकेशन के अद्वितीय इंटरनेट-आधारित बीटा संस्करण को 'सी. विजिल' कहते है, जो "सिटिजेंस विजिल" को दर्शाता है।
- यह एक एंड्रॉइड आधारित एप्लीकेशन है, जिसका उपयोग करके कोई व्यक्ति गोपनीय रूप से जियो-टैग किए गए वीडियो और बांटे जा रहे अवैध धन की तस्वीरें या चुनाव के दौरान दिए जा रहे घृणास्पद भाषणों की वीडियों और तस्वीरें भेज सकता है।
- इसे आगामी विधानसभा चुनावों में इस्तेमाल किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

- यह एप्लीकेशन केवल मतदान-सीमित राज्य में किसी स्थान पर चुनाव आचार संहिता (एम.सी.सी.) के दौरान ही काम करेगा।
- यह एप्लीकेशन शक्तिशाली और आराजकतत्वों के खिलाफ सूचना प्रदान करने वालों को प्रोत्साहित करने हेतु शिकायतकर्ता के फोन नंबर और पहचान को गुप्त कर देता है, जिससे भविष्य में किसी प्रकार का परिणामी खतरा न रहे।
- यह एप्लीकेशन उन लोगों की भी मदद करता है जो अपनी पहचान नहीं छिपाते हैं, उन्हें चुनाव आयोग द्वारा उनकी शिकायत पर की गई कार्रवाही के बाद प्रतिक्रिया प्रदान की जाती है।
- फोटो और वीडियो, भौगोलिक सूचना प्रणाली द्वारा स्वचालित रूप से टैग किए जाएंगे और निगरानी टीमों को घटना के सही स्थान पर निर्देशित किया जाएगा जहां चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया जा रहा है।

एप्लीकेशन की आवश्यकताएं

- इस एप्लीकेशन हेतु एक एंड्रॉइड स्मार्टफोन होना चाहिए जिसमें एक कैमरा, अच्छे इंटरनेट कनेक्शन और जी.पी.एस एक्ससे की सुविधा हो।
- ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्रॉइड जेलीबीन और इससे ऊपर की श्रेणी का होना चाहिए।

चुनाव आयोग के संदर्भ में जानकारी

- चुनाव आयोग अनुच्छेद 324 के अंतर्गत संविधान के अधिकार के तहत संचालित होता है और इसके बाद जन अधिनियम के अधिनियमन को अधिनियमित करता है।
- यह निकाय लोकसभा, राज्यसभा, भारत में विधान सभाओं और देश में राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के कार्यालयों के चुनावों का प्रबंधन करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **<u>सिक्किम: दुनिया का पहला पूर्ण जैविक कृषि राज्य है।</u>**

- संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन ने सिक्किम को दुनिया का पहला पूर्ण जैविक कृषि राज्य बनने हेतु पुरस्कृत किया है।
- सिक्किम को कृषि पारिस्थिकी तंत्र और सतत खाद्य प्रणालियों पर अपनी नीतियों हेतु पुरस्कृत किया गया है।

- सिक्किम ने 25 देशों से 51 नामांकित नीतियों को हराकर स्वर्ण पदक जीता है।
- ब्राजील, डेनमार्क और इक्वाडोर ने अपनी नीतियों के लिए रजत पदक जीता है।

संबंधित जानकारी

- सिक्किम के छोटे हिमालयी राज्य को रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग को खत्म करने और इन्हें सतत विकल्पों के साथ प्रतिस्थापित करने हेतु वर्ष 2016 में पूर्ण जैविक राज्य घोषित किया गया है।

यू.एन.- एफ.ए.ओ. के संदर्भ में जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन, संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष संस्था है जो भुखमरी को समाप्त करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है।
- यह विकसित और विकासशील दोनों देशों की सेवा करता है, एफ.ए.ओ. एक उदासीन मंच के रूप में कार्य करता है जहां सभी राष्ट्र तर्क और बहस नीति पर बातचीत करने हेतु बराबरी से मिलते हैं।
- एफ.ए.ओ. का मुख्यालय रोम, इटली में है।
- वर्तमान में इसके अध्यक्ष जोस ग्राज़ियानो द सिल्वा (वर्तमान) हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>भारतीय नौसेना में पहला डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू पोत शामिल किया गया है।</u>**

- भारतीय नौसेना में पहला डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू पोत शामिल किया गया है जो इसकी क्रियान्वन क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करता है।
- यह आपदाग्रस्त पनडुब्बियों को खोजने, उनका पता लगाने और उन्हें बचाव कार्य प्रदान करने में सक्षम है।
- इस पोत को अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में मार गिराए गए अथवा आपदा प्रभावित पनडुब्बियों को बचाव कार्य प्रदान करने हेतु तैनात किया गया है।
- वर्ष 2019 में विशाखापत्तनम में अधिष्ठापन हेतु दूसरी बचाव किट की योजना बनाई गई है।

संबंधित जानकारी

- वर्तमान में अमेरिका, चीन, रूस और कुछ अन्य देश, डी.एस.आर.वी. को तैनात करने में सक्षम हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>भारत, चीन ने अफगानिस्तान के राजनयिकों को प्रशिक्षित करने हेतु अपना पहला संयुक्त कार्यक्रम शुरू किया है।</u>**

- अफगानिस्तान में भारतीय राजदूत, विनय कुमार ने 10 अफगान राजनयिकों की मेजबानी की, जो पहले भारत-चीन संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए भारत आएंगे।
- यह भारत, चीन और अफगानिस्तान के बीच त्रिपक्षीय सहयोग के अंतर्गत काम करता है।

संबंधित जानकारी

- अप्रैल में चीन के वुहान शहर में भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मध्य आयोजित हुए एक अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के दौरान एक संयुक्त कार्यक्रम शुरू करने पर सहमति बनी थी।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **<u>आई.आर.सी.टी.सी. ने ग्राहक सेवा में सुधार करने हेतु ऑस्क दिशा- एक चैटबॉट लांच किया है।</u>**

- भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आई.आर.सी.टी.सी.) ने 'ऑस्क दिशा' (डिजिटल इंटरैक्शन टू सीक हेल्प एनीटाइम) लांच किया है।
- यह रेलवे यात्रियों की ग्राहक सेवाओं में सुधार करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) द्वारा संचालित एक चैटबॉट है।
- चैटबॉट, विशेष रूप से डिजाइन किया गया एक कंप्यूटर प्रोगाम है जो विशेषत: इंटरनेट पर उपयोगकर्ताओं के साथ बातचीत को बेहतर बनाता है।

संबंधित जानकारी

- "आई.आर.सी.टी.सी. चैट बॉट ऑस्क दिशा, आई.आर.सी.टी.सी. द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के सभी पहलुओं से संबंधित ग्राहकों के प्रश्नों का उत्तर देन में अत्यधिक सुधारात्मक और सहज ज्ञान संबंधी ग्राहक सेवा अनुभव प्रदान करेगा।

- यह कई क्षेत्रीय भाषाओं को सपोर्ट करेगा और वॉयस-इनेबल्ड होगा।
- ऑस्क दिशा के आवश्यक फीचरों में शामिल हैं-

1. ग्राहकों के प्रश्नों का त्वरित उत्तर देने की क्षमता
2. 24 घंटे ग्राहक सेवा प्रदान करना
3. यह प्रश्न का उत्तर देने के लिए शून्य प्रतीक्षा समय प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

9. **भारत अंतर्राष्ट्रीय रेशम प्रदर्शनी -2018**

- केंद्रीय कपड़ा मंत्री, नई दिल्ली में भारत अंतर्राष्ट्रीय रेशम प्रदर्शनी (आई.आई.एस.एफ.) के 6वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे।
- यह भारतीय रेशम निर्यात संवर्धन परिषद (आई.एस.ई.पी.सी.) द्वारा आयोजित की जाएगी।
- भारत, दुनिया में रेशम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- रेशम उद्योग, कृषि आधारित और श्रम सघन उद्योग है और ग्रामीण इलाकों में करीब 8 मिलियन कारीगरों और बुनकरों को लाभदायक रोजगार प्रदान करता है।
- यह भारतीय रेशम उद्योग के भविष्य के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

भारतीय रेशम निर्यात संवर्धन परिषद

- भारतीय रेशम निर्यात संवर्धन परिषद (आई.एस.ई.पी.सी.) 1983 में एक कंपनी के रूप में स्थापित की गई थी, इसे भारत सरकार में वस्त्र मंत्रालय के द्वारा कंपनीज अधिनियम के अंतर्गत लाभ हेतु विधिवत रूप से प्रायोजित नहीं किया गया था।
- वर्तमान में परिषद में रेशम उत्पादों के 853 नियमित निर्यातकों की सदस्यता है जब कि 1800 से अधिक निर्यातक परिषद के साथ पंजीकृत है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2– महत्वपूर्ण क्षेत्र

स्रोत- द हिंदू

16.10.2018

1. **भारत के प्रधानमंत्रियों पर संग्रहालय**

- आवास और शहरी मंत्रालय द्वारा दिल्ली में "भारत के प्रधानमंत्रियों पर एक संग्रहालय" स्थापित किया जाना है।
- यह संग्रहालय भारत के सभी प्रधानमंत्रियों को समर्पित है और आगंतुकों को आजादी के बाद से अपने देश को आकार देने में मदद करने वाले नेतृत्व, पहलों और बलिदान के निरंतर धागे की समग्र समझ देने की परिकल्पना की गई है।

सम्बन्धित जानकारी

- प्रस्तावित संग्रहालय भारत के प्रत्येक प्रधानमंत्री से जुड़े संस्मरणों, उनके जीवन, कार्य और राष्ट्र निर्माण के लिए किए गए महत्वपूर्ण योगदान के माध्यम से आधुनिक भारत को चित्रित करता है।
- यह भारत के लोकतांत्रिक अनुभव को आगंतुकों के लिए जीवित करेगा।
- यह प्रधानमंत्री और उनके कार्यालय की भूमिका के बारे में जिज्ञासा और अनुसंधान को भी प्रोत्साहित करेगा।

विषय - सा. अध्ययन प्रश्नपत्र 1 – कला और संस्कृति

स्त्रोत - पी.आई.बी.

2. **प्रथम भारत-अमेरिका त्रिसेना अभ्यास 2019**

- प्रथम भारत-अमेरिका त्रिसेना अभ्यास 2019 में होने जा रहा है।
- यह पहला मौका है जब भारत और अमेरिका की तीनों सेनाएं एकसाथ अभ्यास में भाग लेंगी।
- भारत और अमेरिका की तीनों सेनाएं पहले भी द्विपक्षीय अभ्यासों में अलग-अलग भाग लेती रही हैं।
- थल सेना "युद्ध अभ्यास" नामक वार्षिक अभ्यास में भाग लेती हैं।
- वायु सेना "कोप इंडिया" नामक द्विपक्षीय अभ्यास में भाग लेती हैं।
- नौसेना जापान के साथ मिलकर मालाबार में एक अभ्यास में भाग लेती है।

विषय - सा. अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – रक्षा

स्त्रोत - द हिंदु

3. **<u>सिंगापुर में 6 वीं आर.सी.ई.पी. अंतर-सत्रीय मंत्रिस्तरीय बैठक आयोजित हुई</u>**

- सिंगापुर में आयोजित 6 वीं आर.सी.ई.पी. अंतर-सत्रीय मंत्रिस्तरीय बैठक (आई.एम.एम.) में भारत का प्रतिनिधित्व वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री ने किया।
- आर.सी.ई.पी. का उद्देश्य आसियान और आसियान के एफ.टी.ए. भागीदारों के बीच एक आधुनिक, व्यापक और परस्पर लाभकारी आर्थिक साझेदारी समझौते पर चर्चा करना है।

सम्बन्धित जानकारी

आर.सी.ई.पी. का परिचय

- क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आर.सी.ई.पी.) दक्षिणी-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के दस सदस्य देशों (ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम) के बीच प्रस्तावित एक मुक्त व्यापार समझौता (एफ.टी.ए.) है।
- इसमें छह एशिया-प्रशांत देश (ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड) भी हैं जिनके साथ आसियान का मौजूदा मुक्त व्यापार समझौता है।
- नवंबर 2012 में कंबोडिया में आसियान शिखर सम्मेलन में आर.सी.ई.पी. बातचीत औपचारिक रूप से शुरू हुई थी।
- आर.सी.ई.पी. अंतर-प्रशांत साझेदारी (टी.पी.पी.) का एक विकल्प है, जो कई एशियाई और अमेरिकी राष्ट्रों के मध्य एक प्रस्तावित व्यापार समझौता है लेकिन इसमें चीन और भारत शामिल नहीं हैं।

विषय - सा. अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्त्रोत - द हिंदु

4. **<u>दुनिया के सबसे बड़े आई.एच.जी.एफ. - दिल्ली मेला का 46 वां संस्करण</u>**

- कपड़ा राज्य मंत्री ने दुनिया के सबसे बड़े मेले आई.एच.जी.एफ.-दिल्ली मेले के 46 वें संस्करण का ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर और मार्ट में उद्घाटन किया।
- हस्तशिल्प के लिए निर्यात प्रोत्साहन परिषद द्वारा आई.एच.जी.एफ. मेला वर्ष में दो बार आयोजित किया जाता है।
- यह दुनिया में हस्तशिल्प उद्योगों के लिए एक विशाल मंच प्रदान करता है।

निर्यात प्रोत्साहन परिषद का परिचय

- देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए यह वर्ष 1986-87 में कंपनी अधिनियम के तहत स्थापित हस्तशिल्प निर्यातकों का शीर्ष निकाय है।
- यह एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा, समर्थन, संरक्षण, बनाए रखना और बढ़ाना है।
- इस परिषद ने आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ बाजार और सूचना सुविधाओं का निर्माण भी किया है, जिसका लाभ आयातक और निर्यातक सदस्य दोनों लाभ उठाते हैं।

विषय - सा. अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – पर्यावरण

स्त्रोत - द हिंदु

5. **<u>सरकार ने युवा सड़क सुरक्षा शिक्षार्थी लाइसेंस कार्यक्रम की शुरुआत की</u>**

- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री ने नई दिल्ली में युवा सड़क सुरक्षा शिक्षार्थी लाइसेंस कार्यक्रम की शुरुआत की।
- यह देश में अपनी तरह का पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसमें डिएजिओ इंडिया और सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आई.आर.टी.ई.) के सहयोग में कार्यक्रम चलाने के लिए सार्वजनिक-निजी साझेदारी पहल की गई है।

कार्यक्रम के बारे में

- युवा सड़क सुरक्षा शिक्षार्थी लाइसेंस कार्यक्रम युवाओं को जिम्मेदारीपूर्ण गाड़ी चलाने की आदत के बारे में जागरूकता फैलाकर उन्हें व्यवहार परिवर्तन के बारे में समझाकर उनके मध्य सड़क सुरक्षा जागरूकता में सुधार लाकर इस गंभीर समस्या को संबोधित करने की दिशा में एक कदम है।
- यह कार्यक्रम युवाओं को रक्षात्मक सड़क उपयोगकर्ता बनाने के लिए जागरूकता प्रसार को माध्यम के रूप में अपनाता है।

- 2020 तक सड़क दुर्घटनाओं को 50% तक कम करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में यह कार्यक्रम सरकार की कोशिशों में मदद करेगा।

विषय - सा. अध्ययन प्रश्नपत्र 2 – प्रशासन

स्त्रोत - दि हिंदु

6. **<u>आई.सी.एफ.आर.ई. और नवोदय विद्यालय समिति और केन्द्रीय विद्यालय संगठन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।</u>**

- छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए नवोदय विद्यालय समिति और केन्द्रीय विद्यालय संगठन के साथ मिलकर भारतीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ICFRE) ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।
- आई.सी.एफ.आर.ई. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त परिषद है, इसका मुख्यालय देहरादून में स्थित है।
- कार्यक्रम "प्रकृति" शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- "प्रकृति" का उद्देश्य वनों और पर्यावरण के बारे में जागरूकता का प्रसार करना है।
- यह नवोदय विद्यालय समिति और केन्द्रीय विद्यालय संगठन के छात्रों के मध्य एक संतुलित पर्यावरण को बनाए रखने तथा वन, पर्यावरण और समाज की देखभाल एवं सुरक्षा को दर्शाने वाली कुशलताओं को प्राप्त करने के लिए रुचि विकसित करने में मदद करेगा।
- यह स्कूली बच्चों को हमारे संसाधनों का बुद्धिपूर्वक उपयोग किए जाने हेतु आवश्यक व्यावहारिक कौशल सीखने के लिए एक मंच भी प्रदान करता है।

आई.सी.एफ.आर.ई. का परिचय

- इसके देशभर में नौ संस्थान और पांच केंद्र हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, विस्तार और शिक्षा का मार्गदर्शन, प्रचार और समन्वय कर रहे हैं।
- इसका मुख्यालय देहरादून में है।

नवोदय विद्यालय समिति

- नवोदय विद्यालय समिति की स्थापना मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को आधुनिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ की गई थी।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

- केन्द्रीय विद्यालय संगठन की स्थापना तबादला लेने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चों को निर्बाध शिक्षा प्रदान करने के लिए सन् 1963 में की गई थी।
- के.वी.एस. ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रीय एकीकरण, साहसिक गतिविधियों, शारीरिक शिक्षा इत्यादि को बढ़ावा देने के लिए देशभर में केन्द्रीय विद्यालय स्थापित किए।

विषय - सा. अध्ययन प्रश्नपत्र 2 – प्रशासन

स्त्रोत - द हिंदु

7. **<u>ज़िका वायरस</u>**

- राजस्थान ने ज़िका वायरस के 55 संक्रमित मामले सामने आए हैं।

ज़िका क्या है?

- ज़िका वायरस मच्छर द्वारा फैलने वाला एक संक्रमण है।
- यह माइक्रोसेफली नामक नवजात शिशु को भी प्रभावित करता है जोकि अंधा, बहरा, दौरे आना तथा अन्य जन्मजात दोषों के साथ छोटा सिर और मस्तिष्क क्षति जैसी स्थिति है।
- ज़िका वायरस वयस्कों में अस्थायी पक्षाघात का एक रूप, गुइलैन-बैरे सिंड्रोम का भी कारण बन सकता है।

ज़िका संक्रमण के लक्षण

- ज़िका के लक्षण डेंगू के समान होते हैं और इसमें बुखार (102 डिग्री सेल्सियस से बमुश्किल अधिक), त्वचा पर चकत्ते, आंखें लाल होना, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, बेचानी और सिरदर्द शामिल हैं।
- ये लक्षण आमतौर पर 2-7 दिनों तक रहते हैं।

फैलने की विधि

- ज़िका वायरस संक्रमित मादा मच्छर, मुख्य रूप से एडीज इजिप्ती के काटने से फैलता है।

- यह मच्छर पीला बुखार, डेंगू और चिकनगुनिया को भी फैलाता है।
- एडीज़ मच्छर आमतौर पर दिन के दौरान जल्दी सुबह और देर दोपहर/शाम के समय काटते हैं।
- यह यौन क्रिया के माध्यम से भी फैल सकता है। ज़िका वायरस योनि और गुदा सेक्स, और संभवतः मौखिक सेक्स द्वारा फैल सकता है।

ज़िका का उपचार

- ज़िका के लिए न तो कोई इलाज़ है और न ही कोई टीका उपलब्ध है।
- ज़िका वायरस के लक्षण हल्के होते हैं - आम तौर पर आराम जैसे सामान्य उपचार की आवश्यकता होती है, पर्याप्त तरल पदार्थ पीते हैं, और सामान्य दवाओं के साथ दर्द और बुखार का इलाज करते हैं।
- स्थिति खराब होने पर रोगी को चिकित्सीय देखभाल और सलाह लेनी चाहिए।

विषय- सा. अध्ययन प्रश्नपत्र 3-विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>मधुमक्खी पूर्ण सूर्यग्रहण के दौरान उड़ान भरना बंद कर देती हैं</u>**

- मिसौरी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने मधुमक्खी के व्यवहार पर सूर्य ग्रहण का अध्ययन करने के लिए नागरिक वैज्ञानिकों और प्राथमिक विद्यालय कक्षाओं के एक कैडर को इकट्ठा किया।
- परिणाम एनल्स ऑफ द एंटोमोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका में प्रकाशित हुए।
- मधुमक्खियों ने पूर्ण सौरग्रहण की अवधि के दौरान उड़ान भरना बंद कर दिया।

सम्बन्धित जानकारी

- इस शोध के अध्ययन के लिए ओरेगन, इडाहो और मिसौरी में 16 निगरानी केन्द्र स्थापित किए गए थे।
- आंकड़ों से पता चला है कि मधुमक्खी आंशिक सूर्यग्रहण कलाओं के दौरान पहले और बाद दोनों में सक्रिय रहीं, लेकिन पूर्ण सूर्यग्रहण की स्थिति में उन्होंने उड़ान भरना बंद कर दिया।
- 16 निगरानी स्थानों में कुल मिलाकर एक बज़ दर्ज की गई।
- मधुमक्खियां आमतौर पर शाम को अधिक धीरे-धीरे उड़कर रात में अपने घरों में लौटती हैं, और सूर्यग्रहण से भी इसी व्यवहार के सबूत मिलते हैं कि वे अप्रत्याशित संकेत मिलने पर वे किस प्रकार पर्यावरणीय संकेतों का जवाब देती हैं।

विषय- सा. अध्ययन प्रश्नपत्र 3 - विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

17.10.2018

1. **<u>#सेल्फ4सोसाइटी एप्लीकेशन: स्वयंसेवकों के कार्यों में मदद करेगा।</u>**

- #सेल्फ4सोसाइटी, माईगर्वनमेंट द्वारा विकसित किया गया है, जो कार्यरत व्यवसायिकों की उनके खाली समय में स्वयंसेवी कार्यों को करने में मदद करेगा।
- यह एप्लिकेशन एक मंच प्रदान करेगा जो स्वयंसेवी पहलों को चलाने वाली कंपनियों के बीच बेहतर सहभागिता बनाने में मदद करेगा और व्यवसायिकों के प्रयासों के काफी बेहतर परिणामों का नेतृत्व करेगा।
- इस एप्लीकेशन में इंसेंटिव, गैमिफिकेशन और अंतरा एवं अंतर-कंपनी प्रतियोगिताएं और सोशल नेटवर्किंग भी शामिल होगी।

संबंधित जानकारी

- स्वच्छ भारत जैसे सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों के लिए स्वयंसेवकों का समय बढ़ने की उम्मीद है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>पॉक्सो अधिनियम: अपराधों की रिपोर्ट दर्ज करने हेतु कोई समय सीमा नहीं</u>**

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और कानून मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बाल यौन उत्पीड़न के शिकार हुए बच्चे वयस्क होने के बाद भी पुलिस में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

- कानून मंत्रालय ने पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के साथ-साथ सी.आर.पी.सी. के प्रावधानों की जांच करने के बाद सुझाव दिया कि पॉक्सो अधिनियम, 2012 के तहत अपराधों की शिकायत दर्ज कराने के संबंध में धारा 19 में समय सीमा की कोई अवधि नहीं दी गई है।

संबंधित जानकारी

पॉक्सो अधिनियम की धारा 19

- पॉक्सो अधिनियम की धारा 19, 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे की यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करने में मदद करती है।
- यह अधिनियम अपराध की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को निर्धारित करता है लेकिन इसे दर्ज कराने के लिए किसी प्रकार की समय सीमा या प्रतिबंध को निर्दिष्ट नहीं करता है।

पॉक्सो अधिनियम के संदर्भ में जानकारी

- प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस (पी.ओ.सी.एस.ओ.) अधिनियम, 2012 को बच्चों की सुरक्षा हेतु एक मजबूत कानूनी फ्रेमवर्क प्रदान करने हेतु अधिनियमित किया गया था, यह अधिनियम बच्चों की यौन उत्पीड़न, यौन शोषण और वेश्यावृत से सुरक्षा करता है, यह कानूनी प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में बच्चे के हितो की सुरक्षा करता है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के विस्तृत अध्ययन से ज्ञात होता है कि भारतीय नागरिकों को राज्य के द्वारा बच्चों के संरक्षण की गारंटी प्रदान की जाती है।
- भारत में बाल यौन शोषण कानूनों को राष्ट्र की बाल संरक्षण नीतियों के भाग के रूप में अधिनियमित किया गया हैं।
- बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में भारत की स्थिति एक हस्ताक्षरकर्ता के रूप में है।

टॉपिक- जी.एस.पेपर 2 – सामाजिक मुद्दे

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>ब्रूसेल्स में 12वां ए.एस.ई.एम. शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया।</u>**

- 12वीं एशिया-यूरोप मीटिंग (ए.एस.ई.एम.) को यूरोपीय संघ द्वारा ब्रूसेल्स, बेल्जियम में आयोजित किया गया था।
- 51 देशों के शिखर सम्मेलन को व्यापार, निवेश, सुरक्षा और पर्यटन के क्षेत्रों में एशिया और यूरोप के मध्य संवाद एवं सहयोग के लिए सबसे बड़ा मंच माना जाता है।
- "वर्ष 2018 के लिए ए.एस.ई.एम. का मुद्दा कनेक्टिविटी, व्यापार और निवेश, सतत विकास, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, अप्रवासन, समुद्री सुरक्षा और साइबर स्पेस से संबंधित प्राथमिक मुद्दा था"।
- ए.एस.ई.एम. शिखर सम्मेलन की थीम 'वैश्विक चुनौतियों हेतु वैश्विक साझेदार' थी।

संबंधित जानकारी

ए.एस.ई.एम. के संदर्भ में जानकारी-

- एशिया-यूरोप मीटिंग (ए.एस.ई.एम.) एक एशियाई-यूरोपीय राजनैतिक संवाद मंच है जो अपने सहयोगियों के मध्य संबंधों और सहयोग के विभिन्न रूपों को बढ़ाता है।
- इसे 1 मार्च, 1996 को बैंकाक, थाईलैंड में पहले शिखर सम्मेलन के मौके पर आधिकारिक रूप से स्थापित किया गया था।
- ए.एस.ई.एम. में वर्तमान में 53 साझेदार: 51 देश और 2 क्षेत्रीय संगठन हैं।
- यूरोपीय संघ और आसियान सचिवालय, ये दो क्षेत्रीय संगठन हैं।
- ए.एस.ई.एम. प्रक्रिया के मुख्य घटक निम्नलिखित 3 स्तंभों पर आधारित हैं:

1. राजनैतिक और सुरक्षा स्तंभ
2. आर्थिक और वित्तीय स्तंभ
3. सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक स्तंभ

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **<u>रोशनी केंद्र हेतु लेडी इरविन कॉलेज और एम.ओ.आर.डी. के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।</u>**

- दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन (डी.ए.वाई.-एन.आर.एल.एम.), ग्रामीण विकास मंत्रालय और लेडी इरविन कॉलेज ने रोशनी- **महिला सामुदायिक नेतृत्वकर्ता सामजिक कार्यो के केंद्र** की स्थापना हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- रोशनी का उद्देश्य भोजन, स्वास्थय, पोषण और डी.ए.वाई.-एन.आर.एल.एम. दससूत्रीय रणनीति से संबंधित डब्ल्यू.ए.एस.एच. (एफ.एच.एन.डब्ल्यू.) हस्तक्षेपों पर सामाजिक कार्रवाई हेतु महिला सामुदायिकों के साथ काम करना है।
- रोशनी, स्वाभिमान से सीखेगी और एफ.एच.एन.डब्ल्यू हस्तक्षेपों के दायरे को विस्तारित करने हेतु डी.ए.वाई.-एन.आर.एल.एम. को दिए जाने वाले सहयोग में वृद्धि करेगी।
- यह केंद्र ज्ञान निर्माण, संमिलित कार्य योजना के पैमाने का विस्तार करने हेतु क्षमता निर्माण, स्वाभिमान साइटों पर सीखने और पुन:सीखने और पोषण अभियान पहलों पर डी.एई.वाई.-एन.आर.एल.एम. को नीति मार्गदर्शन प्रदान करेगा।
- रोशनी, तकनीकी एवं वित्तीय रूप से यूनिसेफ द्वारा समर्थन प्राप्त है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना

- दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन (एन.आर.एल.एम.) को जून, 2011 में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय (एम.ओ.आर.डी.) द्वारा शुरू किया गया था।
- मिशन का उद्देश्य ग्रामीण गरीबों के लिए सक्षम एवं प्रभावी संस्थागत मंचों का निर्माण करना है जिससे कि उन्हें स्थायी आजीविका संवर्द्धनों और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच के माध्यम से घरेलू आय बढ़ाने में सक्षम बनाया जा सके।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर

5. **<u>भारत में प्राचीन चट्टानें प्रारंभिक जीवन के सुराग प्रदान करती हैं।</u>**

- शोधकर्ताओं ने प्राचीन चट्टानों और तेलों में पशु जीवन के रहस्यों का अब तक का सबसे पुराना सुराग पाया है, जिनमें भारत के सुराग भी शामिल हैं।
- ये पशु जीवाश्मों के प्रसिद्ध कैम्ब्रिअन विस्फोट से कम से कम 100 मिलियन वर्ष पहले का तिथि-निर्धारण कर रहे हैं।
- अमेरिका में तटों पर कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पशुओं के जीवन के आणविक संकेतों का पता लगाया है, जिन्हें बायोमार्कर (जैव चिन्ह) कहते हैं।
- ये बायोमार्कर, नियोप्रोटेरोजोइक युग से 660-635 मिलियन वर्ष पहले के हैं।
- यह बायोमार्कर एक स्टेरॉयड यौगिक है जिसका नाम 26-मेथिलस्टिगमैस्टेन (26-मेस) है, इसकी बड़ी ही अद्वितीय संरचना है, यह वर्तमान में ज्ञात अकेला तत्व है।
- इसे आधुनिक स्पंजों की निश्चित प्रजातियों के द्वारा संश्लेषित किया जाता है जिसे डेमोस्पांजेस कहते हैं।

संबंधित जानकारी

- "कैम्ब्रिअन विस्फोट", 541 मिलियन वर्ष पहले खनिज कंकाल अवशेषों के साथ जटिल पशुओं के जीवाश्म रिकॉर्डों में आकस्मिक संभावनाओं को संदर्भित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>सरकार ने 'स्वास्थ्य भारत यात्रा' की शुरूआत की है।</u>**

- सरकार ने विश्व खाद्य दिवस (16 अक्टूबर) के मौके पर एक राष्ट्रीय अभियान 'स्वस्थ भारत यात्रा' शुरू किया है।
- इस अभियान के अंतर्गत भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा लागों को सुरक्षित भोजन खाने और स्वस्थ रहने के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु एक अखिल भारतीय साइकिल रैली का आयोजन किया जा रहा है।

- 'स्वस्थ भारत यात्रा' लेह (जम्मू-कश्मीर में), पणजी (गोवा), तिरुवनंतपुरम (केरल), पुडुचेरी, रांची (झारखंड) और अगरतला (त्रिपुरा) में एक साथ शुरू की गई थी।

स्वस्थ भारत यात्रा

- स्वस्थ भारत यात्रा, एफ.एस.एस.ए.आई. के नेतृत्व में शुरू की गई एक साइकिलॉथन पहल है जो लगभग 100 दिनों में प्रत्येक राज्य और केंद्रशासितप्रदेश तक 'ईट राइट इंडिया' के मजबूत संदेश को प्रचारित करेगी।
- यह सुरक्षित और स्वस्थ भोजन की मांग के संदर्भ में जागरूकता पैदा करेगा।
- 'ईट राइट मोबाइल यूनिट' और 'मोबाइल फूड टेस्टिंग यूनिट' सहित साइकिल चालक स्वयंसेवकों का काफिला पूरे देश में खाद्य सुरक्षा, मिलावटी खाद्यो से बचने और स्वस्थ खाद्य के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु यात्रा करेगा।

संबंधित जानकारी

विश्व खाद्य दिवस

- गरीबी और भुखमरी के मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है।
- विश्व खाद्य दिवस की स्थापना नवंबर, 1979 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.) द्वारा की गई थी।
- थीम: "प्रवासन के भविष्य को बदलें। खाद्य सुरक्षा में निवेश करें" थी।
- विश्व खाद्य दिवस, वर्ष 2030 तक शून्य भुखमरी के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) 2 के प्रति हमारी वचनबद्धता को दर्शाने का मौका है।
- यह हमारे लिए प्रगति की खुशी मनाने का भी दिन है, हम पहले से ही # ज़ीरो भुखमरी के लक्ष्य की ओर बढ़ चुके हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>सरकार, यौन उत्पीड़न कानून में बदलाव करना चाहती थी।</u>**

- केंद्र ने हाल ही में सोशल मीडिया पर #मीटू अभियान के बाद कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए कानूनी और संस्थागत ढांचे की जांच करने हेतु न्यायाधीशों की एक समिति स्थापित करने की योजना की घोषणा की है।

न्यायमूर्ति वर्मा समिति के संदर्भ में जानकारी-

- वर्ष 2013 में, न्यायमूर्ति जे. एस. वर्मा समिति ने लिंग कानूनों पर अपनी ऐतिहासिक रिपोर्ट में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न विधेयक में बदलाव करने हेतु आंतरिक शिकायत समिति (आई.सी.सी.) के स्थान पर रोजगार ट्रिब्यूनल की स्थापना की सिफारिश की थी।
- इस समिति का गठन 16 दिसंबर, 2012 को निर्भया गैंगरेप के बाद और आगामी राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के बाद हुआ था और 23 जनवरी, 2013 को समिति ने अपनी रिपोर्ट जमा की थी।
- समिति ने प्रस्तावित किया कि तत्कालीन प्रस्तावित कानून के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति को खारिज करना घरों और कार्यालयों में घटित होने वाली इस प्रकार की घटनाओं से निपटने हेतु अनुत्पादक होगा, जिससे महिलाएं शिकायत दर्ज कराने में हतोत्साहित होने लगेंगी।
- वर्मा समिति ने यह भी कहा कि शिकायत दर्ज करने के लिए तीन महीने की समय सीमा को समाप्त किया जाना चाहिए और शिकायतकर्ता को उसकी सहमति के बिना स्थानांतरित नहीं किया जाना चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>मैन बुकर पुरस्कार 2018</u>**

- अन्ना बर्नस् ने अपने उपन्यास 'मिल्कमैन' के लिए मैन बुकर पुरस्कार जीता है।
- वह सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठित अंग्रेजी भाषा साहित्यिक पुरस्कार जीतने वाली उत्तरी आयरलैंड की प्रथम महिला हैं।
- मिल्कमैन क्रूरता, यौन व्यतिरेक और तीव्र हास्य के पिरोए हुए विरोध की कहानी है।

मैन बुकर पुरस्कार के संदर्भ में जानकारी-

- उपन्यास के लिए मैन बुकर पुरस्कार (जिसे पहले बुकर-मैककॉनेल पुरस्कार के रूप में जाना जाता था और सामान्य रूप से इसे बुकर पुरस्कार के नाम से जाना जाता है) अंग्रेजी साहित्य में लिखे गए और यू.के. में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ मूल उपन्यास के लिए प्रत्येक वर्ष प्रदान किया जाने वाला एक साहित्यिक पुरस्कार है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण पुरस्कार

स्रोत- ए.आई.आर

18.10.2018

1. **<u>जल कीटाणुशोधन प्रणाली "ओनीर टी.एम."</u>**

- इसे वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान (सी.एस.आई.आर.-आई.आई.टी.आर.), लखनऊ द्वारा विकसित किया गया है।
- "ओनीर टी.एम.", इस अभिनव प्रौद्योगिकी पेयजल कीटाणुशोधन प्रणाली का ट्रेडमार्क है।
- यह जल के निरंतर शोधन के लिए उपयोगी है और यह विषाणु, जीवाणु, कवक, प्रोटोजोआ और पुटिका जैसे सभी प्रकार की बीमारी फैलाने वाले रोगजनकों को समाप्त करता है।
- यह पीने योग्य पानी (बी.आई.एस., डब्ल्यू.एच.ओ. इत्यादि) के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार परामर्श किए गए घटकों के अनुरूप घरों और समुदायों को सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति करता है।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीने योग्य पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने में यह युक्ति काफी अधिक सफल साबित हुई है।

संबंधित जानकारी

- यह तकनीक विशेष रूप से ग्रामीण लोगों के लिए उपयोगी होगी क्यों कि यह सौर ऊर्जा द्वारा संचालित हो सकती है और यह विकास 'मेक इन इंडिया' मिशन के अनुरूप भी है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, "सुरक्षित पेयजल हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और स्वास्थ्य संरक्षण के लिए प्रभावी नीति का एक घटक और एक आधारिक मानवाधिकार है"।
- ओनीर की छोटी इकाई विशेष रूप से घरों, सड़क किनारे के खाद्य विक्रेताओं और छोटे प्रतिष्ठानों के लिए उपयुक्त है।

सी.एस.आई.आर. के संदर्भ में जानकारी-

- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद की स्थापना भारत सरकार ने की थी।
- यह एक स्वायत्त निकाय है जो भारत का सबसे बड़ा अनुसंधान एवं विकास संगठन है।
- यह सोसाइटीज पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत है और यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है।
- सी.एस.आई.आर. की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में वैमानिक इंजीनियरिंग, संरचनात्मक इंजीनियरिंग, महासागर विज्ञान, जीवन विज्ञान, धातुकर्म, रसायन, खनन, खाद्य, पेट्रोलियम, चमड़ा और पर्यावरण विज्ञान शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक 2018</u>**

- भारत को वर्ष 2018 के लिए विश्व आर्थिक मंच के वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक में 58वीं सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थान प्रदान किया गया है।
- इस सूचकांक में अमेरिका ने 6 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।
- वर्ष 2017 की तुलना में भारत का स्थान पांच स्थान बढ़ गया है, जो जी-20 अर्थव्यवस्थाओं के मध्य किसी देश को होने वाला सबसे बड़ा लाभ है।
- नवीनतम वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट में 0 के स्कोर के साथ भारत को 58वां स्थान प्राप्त हुआ है।
- चीन ने 72.6 के स्कोर के साथ सूचकांक में 28वां स्थान प्राप्त करते हुए ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, वह सूचकांक में रूसी संघ, भारत, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील से काफी आगे हैं।

संबंधित जानकारी

वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक

- वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट, विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रकाशित की जाने वाली वार्षिक रिपोर्ट है।
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट, वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक के आधार पर देशों को स्थान प्रदान करती है।
- यह रिपोर्ट "देशों की अपने नागरिकों को समृद्धि का उच्च स्तर प्रदान कर सकने की क्षमता का मूल्यांकन करती है।
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक संस्थानों, नीतियों और कारकों के उस सेट का मापन करता है जो आर्थिक समृद्धि के सतत, वर्तमान और मध्यम अवधि के स्तरों को निर्धारित करते हैं।
- इस सूचकांक 140 देशों शामिल होते हैं और यह राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को मापता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण सूचकांक

स्रोत- टी.ओ.आई

3. **<u>पी.एम.बी.जे.पी. के लिए केंद्रीय भंडारग्रह की स्थापना की गई।</u>**

- प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का केंद्रीय भंडारग्रह बिलासपुर, गुरुग्राम में स्थापित किया गया है।
- इसे ब्यूरो ऑफ फार्मा पीएसयू ऑफ इंडिया (बी.पी.पी.आई.) द्वारा स्थापित किया गया है।
- उच्च तकनीकी केंद्रीय भंडारग्रह देश भर में संचालित सभी पी.एम.बी.जे.पी. केंद्रों को जनऔषधी जेनेरिक दवाओं के निर्बाध वितरण की सुविधा प्रदान करेगा।

संबंधित जानकारी

- प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना केंद्र, फार्मास्यूटिकल्स विभाग, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक अभियान है।
- यह प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र के नाम से प्रसिद्ध विशेष केंद्रों के माध्यम से जनता को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं प्रदान करता है।
- प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना केंद्र (पी.एम.बी.जे.पी.के.) की स्थापना जेनेरिक दवाएं प्रदान करने के लिए की गई है, जो कम कीमतों पर बाजार में उपलब्ध हैं लेकिन गुणवत्ता और प्रभावकारिता के क्षेत्र में महंगी ब्रांडेड दवाओं के समतुल्य हैं।
- बी.पी.पी.आई. (ब्यूरो ऑफ फार्मा पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग ऑफ इंडिया) की स्थापना प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र के माध्यम से जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति और मार्केटिंग हेतु फार्मास्युटिकल विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत की गई थी।
- प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पी.एम.बी.जे.पी.) के लिए डिजिटल नकदी प्रबंधन प्रणाली को बी.पी.पी.आई. और बैंक ऑफ बड़ौदा के मध्य साझेदारी के रूप में लागू किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>एन.एस.डब्ल्यू. संसद में बाथुकम्मा उत्सव मनाया गया है।</u>**

- न्यू साउथ वेल्स संसद, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में पहली बार तेलंगाना की संस्कृति और इसकी पहचान का उत्सव मनाया गया है।
- यह उत्सव पोचम्पली हैंडलूम बुनकरों को प्रोत्साहित करने का मौका था, जो हैंडलूम उद्योग को बचाने के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ रहे हैं।

संबंधित जानकारी

- बाथुकम्मा, पुष्प-संबंधी त्योहार है जिसे मुख्य रूप से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ भागों की हिंदू महिलाएं मनाती हैं।
- बाथुकम्मा, तेलंगाना की सांस्कृतिक भावना को दर्शाता है।
- बाथुकम्मा, खूबसूरत फूलों का एक ढेर है, जिसमें विभिन्न प्रकार के अद्वितीय मौसमी फूलों को व्यवस्थित किया गया है जिसमें अधिकतर फूलों में औषधीय गुण हैं, इन फूलों को गोपुरम मंदिर की आकृति में सात सघन परतों में सजाया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>बेपी कोलंबो, बुध के रहस्यों को सुलझाने के लिए तैयार है।</u>**

- यूरोपीय अंतरिक्ष संस्था (ई.एस.ए.), जापान एयरोस्पेस अन्वेषण संस्था के सहयोग से बुध ग्रह पर दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण इंटरप्लानेटरी (ग्रहों के मध्य) मिशनों में से एक मिशन को लॉन्च करने के लिए तैयार है।
- ई.एस.ए. का बेपीकोलंबो पहला मिशन होगा जो ग्रह से 400 कि.मी. की दूरी से हमारे सौर मंडल के सबसे आंतरिक ग्रह के अन्वेषण हेतु दो कक्षाओं का प्रयोग करेगा।
- यदि सूर्य के सबसे निकटतम ग्रह पर पानी होगा तो यू.के. निर्मित अंतरिक्ष यान इसका निर्धारण करेगा।
- यह मिशन अग्निमय दुनिया का पता लगाने के लिए दो कक्षाएं भेजेगा जहां सतह का तापमान 450 डिग्री सेंटीग्रेट तक पहुंच जाता है।
- नासा ने बुध ग्रह पर अन्वेषण करने हेतु मार्च, 1973 को मैरिनर 10 और वर्ष 2004 में मैसेंजर लॉन्च किया था।

संबंधित जानकारी

- अंतरिक्ष यान में मुख्य रूप से चार घटक होते हैं-

1. बुध ग्रहीय ऑर्बिटर (एम.पी.ओ.), ई.एस.ए. द्वारा विकसित अंतरिक्ष यान जिसे ग्रह की सतह और आंतरिक संरचना का अध्ययन करने के लिए बनाया गया है।
2. जापान का मरकरी मैग्नेटोस्फेरिक ऑर्बिटर (एम.एम.ओ.), जो बुध के मैग्नेटोस्फेयर पर डेटा प्रदान करता है।
3. बुध, मॉड्यूल या बस का स्थानांतरण करता है जो बुध के प्रक्षेपण पर सौर-विद्युत प्रणोदन प्रदान करेगा।
4. एम.एम.ओ. सनशील्ड

- वर्ष 2025 में बुध कक्षा तक पहुंचने के बाद एम.आई.ओ. और एम.पी.ओ. कक्षाएं अलग-अलग हो जाएंगी और संभावित एक वर्ष के विस्तार के साथ एक वर्ष के लिए सहकार्यता में बुध का अवलोकन किया जाएगा।

बुध के संदर्भ में जानकारी-

- बुध, सौर मंडल का सबसे छोटा और सबसे आंतरिक ग्रह है।
- सूर्य के चारों ओर इसकी कक्षीय अवधि 87.97 दिनों की है, जो सौर मंडल के सभी ग्रहों में सबसे कम है।
- इसमें आर्गन, नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड, जलवाष्प, जिनॉन, क्रिप्टॉन और निऑन की बहुत सूक्ष्म मात्राएं शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>उत्तर बिहार की शाही लीची को जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।</u>**

- उत्तर बिहार की प्रसिद्ध शाही लीची को भौगोलिक संकेत (जी.आई.) टैग प्रदान किया गया है।
- यह इस राज्य से जर्दालू आम, कटारनी चावल और मगही पान के बाद जी.आई. टैग प्राप्त करने वाला चौथा उत्पाद है।
- शाही लीची मुख्य रूप से मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली, पूर्वी चंपारण, बेगूसराय और राज्य के कृषि-जलवायु क्षेत्रों में आसपास के क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में उगायी जाती है।

संबंधित जानकारी

- जी.आई. टैग उन उत्पादों पर प्रयोग किया जाने वाला एक नाम अथवा चिह्न है जो प्रमाणित करता है कि परंपरागत तरीकों के अनुसार उनके बनाए जाने या उत्पादित करने हेतु उनमें कुछ गुण होंगे या इसकी भौगोलिक उत्पत्ति के कारण यह विशेष रूप से खास गुण रखता होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>एल.पी.जी., केरल को पहला धुआं मुक्त राज्य बनाने के लिए तैयार है।</u>**

- केरल अब देश में पहला धुआं मुक्त राज्य बनने के लिए तैयार है।
- केरल, एल.पी.जी. की अधिकतम खपत करने वाले राज्यों में से एक है, जो उनकी जीवनशैली को बदलने में मदद करता है।
- पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों की महिलाओं को 50 मिलियन मुफ्त एल.पी.जी. कनेक्शन प्रदान करना है।
- यह पर्यावरण में कार्बन के पदचिन्हों को कम करेगा जो ग्लोबल वार्मिंग का सबसे बड़ा खतरा है।

संबंधित जानकारी

- पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों की महिलाओं को 50 मिलियन मुफ्त एल.पी.जी. कनेक्शन प्रदान करना है।
- यह पर्यावरण में कार्बन के पदचिन्हों को कम करेगा जो ग्लोबल वार्मिंग का सबसे बड़ा खतरा है।

एल.पी.जी. के संदर्भ में जानकारी-

- तरलीकृत पेट्रोलियम गैस या तरल पेट्रोलियम गैस, हाइड्रोकार्बन गैसों का ज्वलनशील मिश्रण है।
- इसे हीटिंग उपकरणों, खाना पकाने के उपकरणों और वाहनों में ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- एल.पी.जी. को पेट्रोलियम या "गीली" प्राकृतिक गैस के परिशोधन के द्वारा तैयार किया जाता है और इसे लगभग पूर्ण रूप से जीवाश्म ईंधनों से प्राप्त किया जाता है।
- इसे पेट्रोलियम (कच्चे तेल) की परिशोधन के दौरान बनाया जाता है अथवा जैसे ही ये जमीन से बाहर निकलते हैं तो इन्हें पेट्रोलियम से निकाला जाता है अथवा प्राकृतिक गैस भापों से निकाला जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 - सामाजिक मुद्दे

स्रोत-पी.आई.बी.

8. **<u>बिटकॉइन ए.टी.एम.: भारत का पहला बिटकॉइन बूथ बैंगलोर में लॉन्च किया गया है।</u>**

- बिटकॉइन सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी है। देश में अपनी वैधता के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक और वित्त मंत्री की पुनरावृत्ति चेतावनियों के बाद भी भारत में बिटकॉइन का पहला ए.टी.एम. लांच किया गया है।
- इस प्रकार का पहला बूथ बिटकॉइन ए.टी.एम., यूनोकॉइन के द्वारा प्रदान किया गया है, जो एक ब्लॉकचैन सॉल्यूशन प्रदाता है।
- यूनोकॉइन के अनुसार, उपयोगकर्ता उनके प्लेटफार्म पर क्रिप्टोकरेंसी बेंचकर प्राप्त हुए भारतीय रुपयों को निकाल सकते हैं।

संबंधित जानकारी

बिटकॉइन

- बिटकॉइन भारत में कानूनी निविदा नहीं है और इसमें उन निवेशकों को सावधान रहना होगा जो इसमें अपने धन का निवेश कर रहे हैं क्यों कि यह किसी भी शासी निकाय द्वारा विनियमित नहीं है।
- बिटकॉइन एक क्रिप्टोकरेंसी है, जो इलेक्ट्रॉनिक नकदी का एक रूप है।
- यह केंद्रीय बैंक या एकल प्रशासक के बिना एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल मुद्रा है जिसे मध्यस्थों के बिना पीयर-टू-पीयर बिटकॉइन नेटवर्क पर उपयोगकर्ता-से-उपयोगकर्ता को भेजा जा सकता है।
- क्रिप्टोग्राफी के माध्यम से नेटवर्क नोड्स के द्वारा हस्तांतरणों को सत्यापित किया जाता है और सार्वजनिक वितरण खाते में दर्ज किया जाता है, जिसे ब्लॉकचैन कहते हैं।
- बिटकॉइन का आविष्कार किसी अज्ञात व्यक्ति या लोगों के समूह के द्वारा किया गया है, जिसने सतोशी नाकामोतो नाम का प्रयोग किया है और वर्ष 2009 में इसे एक ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर के रूप में जारी किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - अर्थव्यवस्था विकास

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

20.10.2018

1. **धर्म गार्डियन- 2018 - भारत-जापान संयुक्त युद्धाभ्यास**

- यह काउंटर इन्सर्जेंसी वॉरफेयरर स्कूल, वैरेंगटे, भारत में भारतीय सेना और जापान ग्राउंड आत्म रक्षा बल के मध्य आयोजित किया जाने वाला अब तक का पहला संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
- यह भारत और जापान के मध्य सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करेगा।
- युद्धाभ्यास 'धर्म गार्डियन-2018, पारस्परिक समझ को विकसित करने और एक-दूसरे की सेनाओं को सम्मान प्रदान करने में अत्यधिक योगदान प्रदान करेगा।
- इसने आतंकवाद की वैश्विक घटनाओं का पता लगाने में भी मदद की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **जलवायु परिवर्तन के कारण प्यूर्तो रीको के वर्षावन में 98% कीट मारे गए हैं: अध्ययन**

- हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि है कि जलवायु परिवर्तन, कैरेबियाई क्षेत्र में प्यूर्तो रीको के द्वीप पर लोक्विलो वर्षावन में छोटे जीवों को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर रहा है।
- इस क्षेत्र में सामान्यत: पायी जाने वाली पीले रंग की एनोल छिपकलियों की संख्या में 25 प्रतिशत की कमी हुई है।
- यह शोध 'राष्ट्रीय विज्ञान अनुसंधान की कार्यवाहियां' पत्रिका में प्रकाशित किया गया था।
- शोधकर्ताओं ने वर्ष 1976-77 और वर्ष 2012-13 के मध्य जंगल कैनोपी के अंतर्गत इन चिपचिपे जालों में कीटों की संख्या को ध्यान में रखते हुए इस संख्या को निर्धारित किया है।
- जंगल की जमीन से नमूने लेते समय वैज्ञानिकों को यह ज्ञात हुआ कि इस काल के दौरान कीटों की संख्या में चार से आठ गुना तक की कमी हुई है।
- इन जीवों की संख्या में परिवर्तन का अनुमान लगाने हेतु उन्होंने कीट बायोमास की मापों को मिलिग्राम में प्रयोग किया है।
- इसके पहले जलवायु परिवर्तन के कारण अध्ययनों ने कीटों की संख्या में 20 फीसदी की कमी की भविष्यवाणी की थी।
- वर्तमान अध्ययन ने कीटों पर निर्भर रहने वाले जानवरों जैसे- छिपकली, मेंढक और चिड़ियों की संख्या में सामांतर कमी को दर्शाया है।
- इस क्षेत्र में सामान्यत: पायी जाने वाली पीले रंग की एनोल छिपकलियों की संख्या में 25 प्रतिशत की कमी हुई है और हरे रंग की एमेराल्ड एनोल छिपकलियों की संख्या में 91 प्रतिशत की कमी हुई है।

संबंधित जानकारी

- अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि पिछले 30 वर्षों के दौरान वर्षावन के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है जो ग्लोबल वार्मिंग का परिणाम है।
- इसने वन के खाद्य वेब को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, जो अपनी पोषण आवश्यक्ताओं को पूरा करने हेतु एक पारिस्थिकी तंत्र में जानवरों और पौधों की विभिन्न प्रजातियों की जटिल पारस्परिक क्रियाओं के परिणामस्वरूप होता है।
- आई.पी.सी.सी. की नवीनतम विशेष रिपोर्ट ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि ग्रह के तापमान में 1.5-2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती रहेगी तो अमेज़न जैसे उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में बायोमास (पेड़, झाड़ियां और घास) की काफी मात्रा समाप्त हो जाएगी।
- वैज्ञानिकों ने यह भी अनुमान लगाया है कि तापमान में वृद्धि के कारण कीटों की प्रजनन दर में कमी होगी और उनके भोजन पचाने की दर में वृद्धि होगी।
- इन प्रभावों के कारण प्यूर्तो रीको के लोक्विलों वन में कीट जनसंख्या में आपदाजनक कमी हो सकती है।

टॉपिक-जी. एस. पेपर 3- जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

3. **स्टीफेन हॉकिंग की अंतिम पुस्तक "ब्रीफ ऑन्सर्स टू बिग क्वेशचन्स" को लॉन्च किया गया है।**

- स्टीफेन हॉकिंग की अंतिम पुस्तक 'ब्रीफ ऑन्सर्स टू बिग क्वेशचन्स', ब्रह्मांड के संदर्भ में बड़े प्रश्नों के हल करने, भौतिकी में शोध करने, ब्रह्मांड विज्ञान, भगवान के अस्तित्व और भविष्य में मानवता की दिशा का पता लगाने में हमारी मदद करेगी।

संबंधित जानकारी

- स्टीफेन विलियम हॉकिंग एक अंग्रेज सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी, ब्रह्मांड विज्ञानी और लेखक थे।
- वह अपनी मृत्यु के समय कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में सैद्धांतिक ब्रह्मांड विज्ञान केंद्र में अनुसंधान निदेशक थे।
- स्टीफेन हॉकिंग के वैज्ञानिक कार्यों में सामान्य सापेक्षता के ढांचे में गुरुत्वाकर्षण विलक्षणता प्रमेय पर रोजर पेनरोस के साथ किया गया सहयोग शामिल है।
- हॉकिंग, ब्रह्माण्ड विज्ञान का सिद्धांत स्थापित करने वाले पहले व्यक्ति थे जिसकी इन्होंने सापेक्षता और क्वांटम यांत्रिकी के सामान्य सिद्धांतों के एक समूह के द्वारा व्याख्या की थी।
- वह मोटर न्यूरॉन बीमारी से पीड़ित थे, जिसके कारण स्टीफेन विलियम हॉकिंग की मृत्यु हुई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- महत्वूपर्ण व्यक्तित्व

स्रोत- विज्ञान

4. **उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा लॉन्च किए गए ऐप: 'एन.सी.आर. रस्ता' और 'यात्री रास्ता**

- उत्तर मध्य रेलवे ने अपने कर्मचारियों और यात्रियों के लिए दो मोबाइल एप्लीकेशन - 'एन.सी.आर. रस्ता' और 'यात्री रस्ता' लॉन्च किए हैं।
- "एन.सी.आर. रस्ता (रेलवे असेट्स समराइज्ड ट्रैकिंग एप्लीकेशन) और यात्री रस्ता (रेलवे अप्रोच टू स्टेशन ट्रैकिंग एप्लीकेशन) कर्मचारियों और यात्रियों की संपत्तियों और स्टेशनों का पता लगाने में मदद करते हैं।
- 'एन.सी.आर. रस्ता' एप्लीकेशन, रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के उपयोग के लिए है और सभी रेल संपत्तियों का यर्थाथ मानचित्रण प्रदान करता है।
- यह किसी भी आपात स्थिति के दौरान रेलवे कर्मचारियों को गूगल नेविगेशन का उपयोग करके वांछित संपत्ति तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।
- 'यात्री रस्ता' एप्लीकेशन आम जनता को आसानी से रेलवे स्टेशनों का पता लगाने की अनुमति प्रदान करेगा।
- यह एंड्रॉइड पर संचालित स्मार्ट फोनों हेतु पहले से ही उपलब्ध है।
- इसे गूगल प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है।

टॉपिक-जी. एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **चौथा वार्षिक कार्नाट पुरस्कार केंद्रीय मंत्री श्री पियूष गोयल को प्रदान किया गया है।**

- पेनसिल्वानिया विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ डिज़ाइन के ऊर्जा नीति हेतु क्लीनमैन केंद्र ने अपना चौथा वार्षिक कार्नाट पुरस्कार प्रदान किया है।
- श्री पियूष गोयल, रेलवे एवं कोयला मंत्री और पूर्व ऊर्जा, कोयला, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा और खान मंत्री, भारत सरकार ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया है।
- कार्नाट पुरस्कार, छात्रवृत्ति अथवा अभ्यास के माध्यम से ऊर्जा नीति में विशिष्ट योगदान को क्लीनमैन केंद्र द्वारा मान्यता प्रदान करना है।
- यह पुरस्कार ऊर्जा क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।

संबंधित जानकारी

- 2018 कार्नाट पुरस्कार, सभी के लिए 24x7 किफायती, पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा के मिशन हेतु प्रधानमंत्री के अंतर्गत भारत के प्रयासों को मान्यता प्रदान करना है।

- भारत ने वर्ष 2022 तक अपने 175 जी.डब्लू. लक्ष्य में हरित ऊर्जा पर भारी जोर देने का वादा किया है, जो दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय विस्तार कार्यक्रम के साथ पहले से ही 72 जी.डब्ल्यू. का लक्ष्य प्राप्त कर चुका है।
- सरकार की उजाला योजना, विश्व का सबसे बड़ा एल.ई.डी. वितरण कार्यक्रम है और निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ 130 करोड़ एल.ई.डी. बल्बों के वितरण ने भारत को उज्जवल और स्वच्छ बनाने में मदद की है।

कार्नाट पुरस्कार के संदर्भ में जानकारी-

- कार्नाट पुरस्कार का नाम फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी निकोलस सादी कार्नाट के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने यह पता लगाया था कि मानव के विकास में भाप इंजन की शक्ति एक बहुत बड़ी क्रांति उत्पन्न कर सकती है।
- भविष्य की प्रगति और समृद्धि के लिए कार्नाट पुरस्कार का उद्देश्य ऊर्जा नीति में प्रमुख क्रांतियों को सम्मानित करना है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2- महत्वूपर्ण राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- पी.आई.बी.

<u>6. फसल बीमा योजना के लिए नीति आयोग का नया प्रस्ताव</u>

- नीति आयोग ने हाल ही में फसल बीमा योजना के लिए कैशबैक प्रस्ताव की घोषणा की है।
- नीति आयोग ने प्रस्तावित किया है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पी.एम.एफ.बी.वाई.) के अंतर्गत किसानों के द्वारा भुगतान किए गए प्रीमियम का 75% हिस्सा उन्हें वापस कर दिया जाएगा यदि वे लगातार चार-छह कृषि मौसमों में फसल क्षति के दावे को दायर नहीं करते हैं।
- इससे बीमा योजना की ओर अधिक किसानों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी।
- वर्तमान में देश में 12 करोड़ किसानों/ कृषकों में से केवल 29% किसान फसल बीमा योजना के अंतर्गत आते हैं।

संबंधित जानकारी

- सरकार ने अनुमान लगाया है कि पिछले दो खरीफ मौसमों से बीमाकर्ताओं के पास 10,000 करोड़ रुपये का राजस्व होने का अनुमान है जो कि किसानों की लागत पर बीमाकर्ताओं को अर्जित एक अनुचित लाभ के रूप में है।
- ऐसा इसलिए है क्यों कि कृषि एक उच्च जोखिम वाली गतिविधि है, इसका अधिकांश भाग बारिश पर निर्भर होता है।
- जलवायु परिवर्तन के खराब प्रभावों के साथ यह जोखिम तेजी से बढ़ता जाएगा।
- उन किसानों को जो एक महत्वपूर्ण अंतराल के साथ अपने दावे के खिलाफ भुगतान प्राप्त कर रहे हैं और फसल आय पर कृषि-परिवारों की निर्भरता को देखते हुए इस प्रकार के समयांतरालों के कारण वास्तविकता में योजना में से किसानों का विश्वास कम हो सकता है।
- किसानों को प्रीमियम का केवल पांचवां हिस्सा चुकाना है और शेष हिस्से का भुगतान केंद्र करेगा लेकिन राज्य द्वारा प्रीमियम में अपने हिस्से का भुगतान करने में देरी करना एक मुख्य समस्या है।
- बीमाकर्ताओं द्वारा अनुपालन को सुधारने हेतु केंद्र सरकार द्वारा कदम उठाए गए हैं और निर्धारित कट-ऑफ तिथि से दो महीने से अधिक का समय होने पर दावों के निपटान किसी भी प्रकार की देरी होने पर राज्य सरकार के किसानों को बीमा कंपनी के द्वारा 12 प्रतिशत की ब्याज दर से भुगतान किया जाएगा।
- राज्यों द्वारा प्रीमियम के अपने हिस्से का भुगतान करने में तीन महीनों से अधिक का समय लेने पर राज्यों को 12 प्रतिशत की दर से ब्याज देना होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी सामाजिक नीति

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

<u>7. एन.सी.डब्ल्यू. ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के मामलों के लिए ई-मेल आईडी लांच की है।</u>

- राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक समर्पित ई-मेल एड्रेस जारी किया है।

- सोशल मीडिया पर #मीटू आंदोलन के अंतर्गत महिलाओं द्वारा आयोग को इस प्रकार की कई शिकायतें किए जाने के बाद कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के मामलों को दर्ज करने में मदद मिलेगी।
- जो महिलाएं सोशल मीडिया और अन्य मंचों पर आगे आती हैं, वे अपने तथाकथित उत्पीड़क के बारे में metoo@gmail.comपर अपनी लिखित औपचारिक शिकायत भेज सकती हैं।
- यह ई-मेल आईडी तब शुरू की गई जब एन.सी.डब्ल्यू. को कई महिलाओं के द्वारा उनके कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के मामलों पर कई लिखित शिकायतें प्राप्त हुई।
- राष्ट्रीय महिला आयोग, सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शून्य सहनशीलता का अनुसरण करता है और आयोग सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संबंधित जानकारी

एन.सी.डब्ल्यू. के संदर्भ में जानकारी-

- राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय है।
- यह सामान्यत: महिलाओं को प्रभावित करने वाले सभी नीतिगत मामलों पर सरकार को सलाह देने से संबंधित है।
- इसकी स्थापना जनवरी, 1992 में भारतीय संविधान के प्रवाधानों के अनुरूप गई थी, जिसे 1990 में राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम के रूप में परिभाषित किया गया था।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2- महिला सशक्तिकरण–

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की छठी बैठक की अध्यक्षता की।</u>**

- प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.) की छठी बैठक की अध्यक्षता की।
- प्रधानमंत्री ने विभिन्न हितधारकों के मध्य बेहतर समन्वय की आवश्यकताओं पर ज़ोर दिया और जीवन एवं संपत्ति को बचाने हेतु प्रभावी प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए और अधिक संयुक्त अभ्यास किए जाने पर जोर दिया।
- प्रधनमंत्री ने देश को प्रभावित करने वाली आपदाओं के प्रभावकारी प्रबंधन और प्रतिक्रिया हेतु एन.डी.एम.ए. की गतिविधियों की समीक्षा की।

संबंधित जानकारी

एन.डी.एम.ए. के संदर्भ में जानकारी-

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय की एक संस्था है।
- एन.डी.एम.ए. की स्थापना वर्ष 2005 में भारत सरकार के द्वारा लागू किए गए आपदा प्रबंधन अधिनियम के माध्यम से की गई थी।
- प्रधानमंत्री एन.डी.एम.ए. के पदानुसार अध्यक्ष हैं।
- एन.डी.एम.ए. का प्राथमिक उद्देश्य प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं में प्रतिक्रिया समन्वय करना और आपदा राहत कार्यों और संकट प्रतिक्रिया में क्षमता निर्माण के लिए समन्वय स्थापित करना है।
- यह संस्था, आपदा प्रबंधन के लिए समग्र और वितरित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने हेतु राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ नीतियों को तैयार करने, दिशानिर्देशों और सर्वोत्तम अभ्यासों को निर्धारित और समन्वित करने के लिए ज़िम्मेदार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- आपदा प्रबंध

स्रोत- ए.आई.आर.

22.10.2018

1. **<u>भारत, जापान और अमेरिका संयुक्त वायु युद्धाभ्यास की योजना बना रहे हैं: कोप इंडिया</u>**

- भारत, जापान और अमेरिका, द्विपक्षीय वायु युद्धाभ्यास 'कोप इंडिया' को त्रिपक्षीय प्रारूप में विकसित करने के लिए तैयार हैं।
- ये तीन देश पहले से ही विस्तारित मालाबार नौसेना युद्धाभ्यास के अंतर्गत नौसेना युद्ध खेलों का आयोजन करते हैं।
- भारत और अमेरिका के मध्य भारतीय वायु सेना द्वारा आयोजित कराये जाने वाले कोप इंडिया युद्धाभ्यास के अगले दौर के लिए जापान पर्यवेक्षकों को भेजेगा।

संबंधित जानकारी

- कोप इंडिया को पहली बार वर्ष 2004 में ग्वालियर में आयोजित किया गया था और हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण प्रणाली (ए.डब्ल्यू.ए.सी.एस.) जैसे लड़ाकू विमानों और बल गुणकों की भागीदारी के साथ इसकी व्यापकता में वृद्धि की गई थी।
- युद्धाभ्यास में अंतरकार्यकारिता का स्तर द्विपक्षीय और त्रिपक्षीय दोनों प्रकार का है, हाल ही में भारत ने अमेरिका के साथ संचार अनुकूलता और सुरक्षा समझौतों (सी.ओ.एम.सी.ए.एस.ए.) पर हस्ताक्षर किए हैं, इस समझौते के साथ ही युद्धाभ्यास के स्तर में प्रगति होने की उम्मीद है।
- वायु युद्धाभ्यास की उन्नति, मालाबार नौसेना युद्धाभ्यास के समान है।
- मालाबार की शुरूआत वर्ष 1992 में भारत और अमेरिका के मध्य एक द्विपक्षीय नौसेना युद्धाभ्यास के रूप में हुई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>12वीं ए.डी.एम.एम. और 5वीं ए.डी.एम.एम.-प्लस का आयोजन सिंगापुर ने किया है।</u>**

- 12वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (ए.डी.एम.एम.) और 5वीं ए.डी.एम.एम.-प्लस का आयोजन सिंगापुर ने किया है।
- आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों और ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, रूस और अमेरिका के रक्षा मंत्रियों ने ए.डी.एम.एम. में भाग लिया था।

संबंधित जानकारी

- ए.डी.एम.एम. और ए.डी.एम.एम.-प्लस क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे में प्रमुख मंत्री-स्तरीय मंच के रूप में कार्य करते हैं, आसियान और उसके सदस्यों के मध्य रणनीतिक वार्तालाप और व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देता है।
- यह भारत और सिंगापुर के पहले से विकसित द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को विस्तारित करने में मदद करेगा।
- इस शिखर सम्मेलन में भारत और सिंगापुर ने एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जो सेना-से-सेना सहयोग के साथ-साथ सैन्य तंत्र की द्विपक्षीय मेजबानी को बढ़ाएगा और दोनों देशों के नौसेना के जहाजों द्वारा विनिमय यात्राओं के लिए समर्थन प्रदान करेगा।
- भारत और सिंगापुर, सिनबेक्स के 25 वर्ष पूर्ण होने का भी जश्न मनाएंगे। यह एक वार्षिक नौसेना युद्धाभ्यास है जो आने वाले कुछ सप्ताहों में बंगाल की खाड़ी में आयोजित किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड्स

3. **<u>इंडोनेशिया में चीन समर्थित जल बांध के निर्माण से दुनिया की सबसे दुर्लभ आरंगुटान प्रजाति खतरे में है।</u>**

- इंडोनेशिया में उत्तरी सुमात्रा क्षेत्र को सबसे अधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले जलविद्युत बांध के विकास ने दुनिया की सबसे दुर्लभ महा वनमानुष की प्रजातियों के निवासियों पर खतरा उत्पनन कर दिया है।
- सुमात्रा द्वीप पर बतांग तोरू वर्षावन में बांध का क्षेत्र, केवल एक मात्र ज्ञात तपानुली आरंगुटान के निवासियों का क्षेत्र है।

संबंधित जानकारी

आरंगुटान

- आरंगुटान, महा वनमानुषों की तीन वर्तमान प्रजातियां हैं, जो मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया में पायी जाती हैं।
- तीन अतिरिक्त प्रजातियां हैं-

1. बोर्नियन आरंगुटान
2. सुमात्रन आरंगुटान
3. तपानुली आरंगुटान

- आरंगुटान वर्तमान में बोर्नियों के निचले जंगलों में रहते हैं जो इंडोनेशिया, मलेशिया और ब्रुनेई के द्वारा साझा किए गए द्वीप पर स्थित है और आरंगुटान, इंडोनेशिया द्वीप के सुमात्रा में भी रहते हैं।

- उन्हें खतरनाक प्रजातियों की आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से लुप्तप्राय की श्रेणी में दर्ज किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- एन.डी.टी.वी. न्यूज

4. **केसरिया गेंदे के फूल का रंग, बलिदान का रंग है।**

- जब पूरी दुनिया 11 नवंबर को प्रथम विश्व युद्ध के समापन की शताब्दी वर्षगांठ मना रही होगी तब सर्वव्यापी गेंदे का फूल, भारत के बलिदान का प्रतीक होगा।
- गेंदे के फूल को इसलिए चुना गया था क्यों कि यह आसानी से और व्यापक रूप से उपलब्ध है और इसके अतिरिक्त इसे इस कारणवश चुना गया था कि केसरिया रंग को प्राय: बलिदान के रंग के रूप में देखा जाता है।

संबंधित जानकारी

- 11 नवंबर, 1918 को युद्धविराम पर हस्ताक्षर करने पर प्रथम विश्व युद्ध समाप्त हुआ था।
- पहले विश्व युद्ध में भारत के योगदान को उजागर करने हेतु सामुदायिक वचनबद्धता परियोजनाओं के हिस्से के रूप में गेंदे के फूल को खसखस के साथ पूरे यू.के. में प्रयोग किया जाता है।
- भारत में, इंडिया गेट का निर्माण इस पर लिखे गए 72,000 से अधिक सैनिकों के नामों को याद करने हेतु एक केंद्र बिंदु के रूप में किया गया था।
- यू.एस.आई. (यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया) द्वारा शुरू की गई 'इंडिया रीमेम्बर' परियोजना में प्रस्तावित किया गया कि गेंदे के फूल को खसखस के भारत की याद में एक विशिष्ट प्रतीक के रूप में माना जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण प्रतीक

स्रोत- द हिंदू

5. **सी-फ्लोस- एन.सी.सी.आर. ने चेन्नई में बाढ़ की भविष्यवाणी का आकलन करने हेतु एक प्रणाली विकसित की है।**

- सी-फ्लोस प्रणाली का पूरा नाम चेन्नई बाढ़ चेतावनी प्रणाली है जिसे राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एन.सी.सी.आर.), चेन्नई और आई.आई.टी. द्वारा विकसित किया गया है।
- यह चेन्नई में उपयोग के लिए अनुकूलित बाढ़ चेतावनी प्रणाली है।
- इस प्रणाली में छह-मॉड्यूल समन्वित हैं जो भारी वर्षा, समुद्र स्तर में वृद्धि और शहर से होकर गुजरने वाली तीन नदियों- कोउम, अदयारक और कोसासथालअय्यर के पानी के स्तर में वृद्धि के कारण आने वाली बाढ़ की भविष्यवाणी कर सकती है।

संबंधित जानकारी

- वर्ष 2015 में अभूतपूर्व और अचानक बाढ़ आने के बाद इसे विकसित किया गया है, इस बाढ़ ने चेन्नई में 18 लाख से अधिक लोगों को विस्थापित कर दिया गया था।
- यह सी-फ्लोस प्रणाली वार्ड सीमाओं, आबादी के विवरण और पूरे तमिलनाडु में उपलब्ध बुनियादी ढांचों के संदर्भ में डाटा का इस्तेमाल करती है।
- स्थलाकृति डाटा, भारतीय रिमोट सेंसिंग प्रोग्राम से प्राप्त किया गया था।
- यह प्रणाली, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) और राष्ट्रीय मध्यम श्रेणी मौसम भविष्यवाणी केंद्र (एन.सी.एम.आर.डब्ल्यू.एफ.) से पूर्वानुमान पर इनपुट प्राप्त कर 10 दिन पहले बारिश की भविष्यवाणी प्रदान करेगी।

संमिलन

- वस्तविक समय की स्थितियों का आंकलन करने हेतु आई.एम.डी., एन.सी.एम.आर.डब्ल्यू.एफ., आई.एन.सी.ओ.आई.एस. और तमिलनाडु राज्य सरकार से प्राप्त डाटा को क्षेत्रीय डाटा और रिमोट सेंसिंग डाटा के साथ एक ऑनलाइन केंद्र में लाते हैं।
- सी-फ्लोस को टी.एन-स्मार्ट के साथ एकीकृत किया जाएगा, वे पोर्टल जो उनके विभाग द्वारा विकसित किया जा रहे हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>जलवायु निधि ने गरीब देशों में परियोजनाओं के लिए 1 अरब डॉलर को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- जलवायु पविर्तन से निपटने के लिए विकासशील देशों की सहायता करने हेतु संयुक्त राष्ट्र समर्थित निधि के द्वारा 19 नई परियोजनाओं हेतु 1 बिलियन डॉलर से अधिक की निधि को अनुमोदित किया गया है।
- इस निधिकरण को मनामा में एक बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई है जिसमें इंडोनेशिया में भू-तापीय ऊर्जा, यूरोप और पश्चिमी एशिया के हरित शहरों और भारत में तटीय समुदायों के संरक्षण से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं।
- इस निधि को जलवायु संबंधित विकास कार्यक्रमों के लिए एक महत्वपूर्ण साधन माना जा रहा है, जिसका मुख्य रूप से तात्पर्य वर्ष 2018 तक धनी देशों से 10 बिलियन डॉलर की निधि प्राप्त करना है।

संबंधित जानकारी

हरित जलवायु निधि (जी.सी.एफ.)

- यह यू.एन.एफ.सी.सी.सी. के ढांचे के अंतर्गत एक निधि है।
- इसे 194 देशों द्वारा स्थापित किया गया था जो वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यू.एन.एफ.सी.सी.सी.) के दल थे।
- इसकी स्थापना जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकासशील देशों की अनुकूलन और न्यूनीकरण अभ्यासों को अपनाने में मदद करने हेतु की गई है।
- विश्व बैंक को इस निधि के अस्थायी ट्रस्टी के रूप में चुना जाता है।
- इसका मुख्यालय इचियॉन, दक्षिण कोरिया में है।
- इसका उद्देश्य वर्ष 2020 तक 100 बिलियन डॉलर की जलवायु निधि को बढ़ाने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना है।

जी.ई.एफ. (वैश्विक पर्यावरण सुविधा)

- वैश्विक पर्यावरण सुविधा की स्थापना अक्टूबर, 1991 में विश्व बैंक में 1 बिलियन डॉलर के पाइलट कार्यक्रम के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य वैश्विक पर्यावरण के संरक्षण में मदद करना और पर्यावरणीय सतत विकास को बढ़ावा प्रदान करना था।
- वर्ष 1992 में, रियो पृथ्वी शिखर सम्मेलन में जी.ई.एफ. का पुनर्गठन किया गया और एक पृथक एवं स्थायी संस्थान बनाने हेतु इसे विश्व बैंक से अलग किया गया था।
- वर्ष 1994 से विश्व बैंक, जी.ई.एफ. ट्रस्ट निधि के ट्रस्टी के रूप में कार्यरत है और प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करता है।
- वैश्विक वातावरण को सुधारने के लिए वर्तमान में जी.ई.एफ. परियोजनाओं का सबसे बड़ा सार्वजनिक निधिदाता है।
- जी.ई.एफ. निम्नलिखित सम्मेलनों के लिए वित्तीय तंत्र के रूप में भी कार्य करता है:

1. जैव विविधता पर सी.बी.डी. सम्मेलन
2. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यू.एन.एफ.सी.सी.सी.)
3. बंजर से निपटने हेतु संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यू.एन.सी.सी.डी.)
4. निरंतर कार्बनिक प्रदूषक (पी.ओ.पी.) पर स्टॉकहोम सम्मेलन
5. पारे पर मिनमाता सम्मेलन

- अक्टूबर, 2016 में अपनी 51वीं बैठक में जी.ई.एफ. परिषद ने जी.ई.एफ. ट्रस्ट निधि (जी.ई.एफ. -7) के संसाधनों की सातवीं पुन:भर्ती पर चर्चा शुरू की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **<u>भारत, वैश्विक साझेदार मंच 2018 के चौथे संस्करण की मेजबानी करेगा।</u>**

- भारत अभी तक के सबसे बड़े साझेदार मंच की नई दिल्ली में मेजबानी करेगा।

- इस अद्वतीय मंच का उद्देश्य सामान्य रणनीतियों हेतु पी.एम.एन.सी.एच. के 1,000 से अधिक साझेदारों को एकजुट करना है जिससे कि प्रत्येक महिला, बच्चे और किशोर का स्वास्थ्य इसके अंतर्गत आ जाए।
- इस मंच की सह-मेजबानी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और पी.एम.एन.सी.एच. द्वारा की जाएगी।
- इस मंच का उद्देश्य उन कहानियों को साझा करना है कि किस प्रकार कई देशों ने स्वास्थ्य के क्षेत्रों में सुधारों को तेज करने और महिलाओं, बच्चों और किशोरों को स्वस्थ रखने हेतु क्षेत्रों और हितधारकों के मध्य सफलतापूर्वक सहयोग स्थापित किया है।

संबंधित जानकारी

- पी.एम.एन.सी.एच. (मातृ, नवजात शिशु और बाल स्वास्थ्य हेतु साझेदारी), प्रत्येक महिला प्रत्येक बच्चा (ई.डब्ल्यू.ई.सी.) आंदोलन को समर्पित 100 से अधिक देशों के 1,200 भागीदारों को एक साथ लाएगा।
- यह प्रतिष्ठित वैश्विक साझेदार मंच, सतत विकास लक्ष्यों 2030 पर देश-स्तरीय कार्रवाई को बढ़ाने में मदद करेगा।
- भारत के इंद्रधनुष मिशन को इस मंच पर सफलता की कहानी के रूप में चुना गया है जो भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और 11 अन्य मंत्रालयों के बीच अभूतपूर्व सहयोग है, जिसे वर्ष 2020 तक बच्चों और गर्भवती महिलाओं में टीकाकरण कवरेज को 90% तक करने हेतु शुरू किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य एवं नीतियां

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>27वां संलयन ऊर्जा सम्मेलन 2018</u>**

- 27वां संलयन ऊर्जा सम्मेलन गांधीनगर, गुजरात में शुरू किया गया है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संस्था (आई.ए.ई.ए.) द्वारा आयोजित किया गया है और इसकी मेजबानी परमाणु ऊर्जा विभाग और गांधीनगर-आधारित प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान द्वारा की गई है।
- एफ.ई.सी. 2018 का उद्देश्य मुख्य भौतिकी और प्रौद्योगिकी मुद्दों के साथ-साथ ऊर्जा के स्रोत के रूप में परमाणु संलयन के उपयोग से प्रत्यक्ष संबद्ध के अभिनव सिद्धांतों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संस्था (आई.ए.ई.ए.)

- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संस्था (आई.ए.ई.ए.), एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देता है।
- इसके अतिरिक्त यह परमाणु हथियारों समेत किसी भी सैन्य उद्देश्य के लिए परमाणु ऊर्जा के उपयोग को रोकने में मदद करता है।
- आई.ए.ई.ए. अपनी अंतर्राष्ट्रीय संधि, आई.ए.ई.ए. संविधान के माध्यम से स्वतंत्र रूप से की गई संयुक्त राष्ट्र की स्थापना है।
- आई.ए.ई.ए., संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद दोनों को रिपोर्ट करता है।
- आई.ए.ई.ए. का मुख्यालय वियना, ऑस्ट्रिया में है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड्स

9. **<u>पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम पर हिमालय की चार चोटियों के नाम रखे गए हैं।</u>**

- ये चार चोटियां उत्तरकाशी जिले के गंगोत्री ग्लेशियर के दाहिने हिस्से पर रक्तवन घाटी में सुदर्शन और सैफी चोटियों के पास स्थित हैं।
- इन चोटियों को अटल 1, अटल 2, अटल 3 और अटल 4 नाम दिए गए हैं।
- ये चोटियां गंगोत्री ग्लेशियर के दाहिनी हिस्से पर 6, 557 मीटर, 6,566 मीटर, 6,160 मीटर और 6,100 मीटर की ऊँचाई पर स्थित हैं।
- चढ़ाई के बाद लौटने वाली टीम ने प्रत्येक चोटी पर राष्ट्रीय तिरंगा फहराया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

23.10.2018

1. **"हरित दिवाली-स्वस्थ दिवाली**

- पर्यावरण मंत्रालय द्वारा हरित दिवाली-स्वस्थ दिवाली अभियान शुरू किया गया है।
- इस अभियान में बच्चों को पर्यावरण के अनुकूलतम तरीके से दिवाली मनाने की सलाह दी गई है, बच्चों को अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को मिठाइयों के साथ ही पौधे भेंट करने की सलाह दी गई है।
- मंत्रालय ने एक समान अभियान शुरूआत की है लेकिन इस वर्ष यह अभियान विस्तारित होकर पैन-इंडिया के रूप में परिवर्तित हो गया है।
- अब "हरित दिवाली-स्वस्थ दिवाली" अभियान का "ग्रीन गुड डीड" आंदोलन के साथ विलय कर दिया गया है, जिसे पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए सामाजिक लामबंदी के रूप में शुरू किया गया था।

संबंधित जानकारी

- वायु प्रदूषण, देश में सर्दियों के दौरान विशेषकर उत्तरी भागों में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है।
- उत्तरी क्षेत्र में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण धूल, कुछ राज्यों में फसलों को जलाना, कचरे को जलाना और मौजूदा जलवायु स्थितियां है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **दिवालियापन कानून समिति ने सीमा-पार दिवालियापन पर अपनी दूसरी रिपोर्ट प्रस्तुत की है।**

- कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 में संशोधन की सिफारिश करने हेतु दिवालियापन कानून समिति (आई.एल.सी.) का गठन किया था।
- समिति ने अपनी दूसरी रिपोर्ट सरकार को सौंपी है, जो सीमा-पार दिवाला से संबंधित है।

रिपोर्ट की सिफारिशें

- आई.एल.सी. ने सीमा-पार दिवाला कानून, 1997 के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (यू.एन.सी.आई.टी.आर.एल.) के मॉडल कानून को अपनाने का सुझाव दिया है।
- यह सीमा-पार दिवालिया मुद्दों से निपटने के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करेगा।

यू.एन.सी.आई.टी.आर.एल. मॉडल कानून

- यू.एन.सी.आई.टी.आर.एल. मॉडल कानून को 44 देशों में अपनाया गया है जो सीमा-पार दिवाला मुद्दों से निपटने में अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों का हिस्सा है।
- देशीय कार्यवाहियों और सार्वजनिक हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता प्रदान करना, मॉडन कानून के लाभ हैं।
- इसके अन्य लाभों में विदेशी निवेशकों के मध्य अधिक आत्मविश्वास उत्पन्न करना, निर्बाध एकीकरण हेतु देशीय दिवाला कानून के प्रति समुचित प्रत्यास्थता का निर्माण करना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मजबूत तंत्र का निर्माण करना शामिल हैं।

मॉडल कानून में सीमा-पार दिवालियापन के चार प्रमुख सिद्धांतों है-

- एक डिफ़ॉल्टर देनदार के खिलाफ देशीय दिवालिया कार्यवाहियों को शुरू करने अथवा उसमें भाग लेने हेतु विदेशी दिवालिया पेशेवरों और विदेशी ऋणदाताओं तक प्रत्यक्ष पहुंच बनाना।
- विदेशी कार्यवाहियों और उपायों के प्रावधानों को मान्यता प्रदान करना।
- देशीय और विदेशी न्यायालयों एवं देशीय और विदेशी दिवालिया व्यवसायियों के बीच सहयोग स्थापित करना।
- विभिन्न देशों में दो अथवा दो से अधिक समवर्ती दिवालिया कार्यवाहियों के मध्य समन्वय स्थापित करना।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा

स्रोत- द हिंदू

3. **भारतीय महिला जैविक महोत्सव का दिल्ली में आयोजन किया गया है।**

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली में भारतीय महिला जैविक महोत्सव के पांचवे संस्करण का आयोजन कर रहा है।

- इसका उद्देश्य कार्बनिक संस्कृति को बढ़ावा देना और महिला कार्बनिक किसानों एवं उद्यमियों को प्रोत्साहित करना है।
- इस प्रकार के महोत्सव पिछले 4 वर्षों से महोत्सव रूपी एवं उत्पादकतापूर्ण तरीके से महिला किसानों और उद्यमियों को सशक्त बनाने हेतु एक मंच प्रदान करते हैं।
- यह त्योहार नौकरियां उत्पन्न करने और किसानों को सम्पन्नता प्रदान करने के द्वारा ग्रामीण महिलाओं के क्षेत्रीय समुदायों और उनकी अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने में मदद करते हैं, इसके अतिरिक्त यह महोत्सव जैविक उत्पादों के लाभों के बारे में जागरूकता भी फैलाते हैं।

नोट: सिक्किम, भारत का पहला जैविक राज्य बन गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महिला सशक्तिकरण

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>भारतीय चाय संघ ने एप्लीकेशन लॉन्च करने की योजना बनाई: चाय शाय (चाय सहायता)</u>**

- भारतीय चाय संघ, 'चाय शाय' नाम का एक एप्लीकेशन लांच करने की योजना बना रहा है।
- यह एप्लीकेशन, छोटे उत्पादकों का मार्गदर्शन करने में मदद करेगा जिससे चाय के कुल उत्पादन में वृद्धि होगी।
- इसका मुख्य उद्देश्य बेहतर टू-वे संचार स्थापित करना है।

एप्लीकेशन के संदर्भ में जानकारी

- मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म पर लक्षित उपयोगकर्ता समूह (छोटे चाय उत्पादक) और विभिन्न प्राधिकरणों के साथ यूजर-इंटरफ़ेस सुविधाएं होंगी।
- एस.टी.जी. (छोटे चाय उत्पादक) के वर्तमान डेटाबेस को एप्लीकेशन में संग्रहित किया जाएगा जो उनकी पंजीकरण प्रक्रिया पर जानकारी प्रदान करेगा।
- यह नए कीट की फोटों खींचकर, कीट पहचान जैसे वास्तविक-समय कृषि मुद्दों का समाधान करने में मदद करेगा और इसकी पहचान और इसके समाधन की विधियों के लिए इसे एप्लीकेशन पर पोस्ट करेगा।

भारतीय चाय संघ

- भारतीय चाय संघ, भारत सरकार की एक राज्य संस्था है। जिसकी स्थापना खेती, प्रसंस्करण और देशीय व्यापारों के साथ भारत से चाय के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु की गई थी।
- इसकी स्थापना 1953 में चाय अधिनियम के अधिनियमन के द्वारा की गई थी, इसकी स्थापना कोलकाता (पूर्व में कलकत्ता) में इसके मुख्यालय पर की गई थी।
- भारतीय चाय संघ, कुछ निश्चित चाय व्यापारियों के निर्यात के लिए प्रमाणीकरणों की संख्या के अभिहस्तांकन हेतु जिम्मेदार है।
- भारतीय चाय संघ का मुख्यालय कोलकाता में है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2–महत्वूपर्ण संस्थान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>भारत और म्यांमार ने सित्तवे बंदरगाह के प्रचालन पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- भारत और म्यांमार ने सित्तवे बंदरगाह, पैलेतवा अंतर्देशीय जल टर्मिनल के संचालन और रखरखाव के लिए एक निजी बंदरगाह संचालक की नियुक्ति हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- ये संबंधित सुविधाएं, कलादान बहु-मॉडल पारगमन परिवहन परियोजना का हिस्सा हैं।
- यह कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा और स्थानीय नौकरी के अवसरों को उत्पन्न करने में मदद करेगा और समान्य हित को विकसित करने में भी मदद करेगा, जिसमें संघर्षरत राखीन राज्य का विकास भी शामिल है।
- म्यांमार में सित्तवे बंदरगाह, भारत के भूमिगत उत्तर-पूर्व क्षेत्र को मिजोरम के माध्यम से बंगाल की खाड़ी से जोड़ेगा।
- यह कोलकाता के लिए एक वैकल्पिक मार्ग भी प्रदान करेगा।

संबंधित जानकारी

- यह समझौता ज्ञापन, भारतीय पूर्वी योजना नीति अधिनियम को लागू करने में मदद करेगा।

- म्यांमार, भारत के रणनीतिक पड़ोसियों में से एक है और आंतकवाद प्रभावित नागालैंड और मणिपुर सहित कई उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ 1,640 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है।
- यह भारत सहित म्यांमार की कनेक्टिविटी को बढ़ाने में मदद करेगा और पूरे क्षेत्र के विकास में बढ़ोत्तरी करेगा, यह विशेष रूप से म्यांमार के राखीन और चिन राज्यों के विकास में वृद्धि करेगा।

कलादान बहु पारगमन परिवहन योजना

- कलादान बहु-मॉडल पारमगन परिवहन परियोजना एक ऐसी परियोजना है जो कोलकाता के पूर्वी भारतीय बंदरगाह को समुद्र के द्वारा सित्तवे बंदरगाह, राखीन राज्य, म्यांमार के साथ जोड़ेगी।
- यह म्यांमार में यह सित्तवे बंदरगाह को कलादान नदी नाव मार्ग के माध्यम से पैलेतवा, चिन राज्य से जोड़ेगा और फिर पैलेतवा को सड़क मार्ग के माध्यम से उत्तर-पूर्वी भारत में मिजोरम राज्य से जोड़ेगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **समुद्रों के तिलचट्टे, 'कैलिफ़ोर्निया के भूमिगत वनों को खाकर समाप्त कर रहें हैं।**

- बैंगनी साही, समुद्र के नीचे के वनों को खाकर समाप्त कर रहे हैं जो कि संकटमय आवासों के रूप में महत्वपूर्ण है और प्रजातियों की विस्तृत श्रृंखला हेतु भोजन का एक स्रोत है।
- भूमिगत वनों में विशाल, उलझे और फैले हुए भूरे समुद्री शैवाल होते हैं।
- ये कई प्रकार से समुद्रों हेतु उतने ही महत्वूपर्ण होते हैं जितना कि पेड़, धरती के लिए आवश्यक होते हैं क्यों कि यह कार्बन उत्सर्जन का अवशोषण करते हैं।
- ये वन, संकटमय आवास और प्रजातियों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए भोजन भी प्रदान करते हैं।
- जलवायु परिवर्तन ने उत्तरी कैलिफ़ोर्निया के तट पर बैंगनी साही को 60 प्रकार से विकसित होने में मदद की जिसके परिणामस्वरूप साही भोजन को ग्रहण करने लगे और समुद्र के नीचे के वन पूर्ण से खाकर समाप्त कर दिए गए।

संबंधित जानकारी

समुद्र के नीचे के वनों के संदर्भ में जानकारी

- समुद्र के नीचे के वन, पानी के भीतर रहने वाले क्षेत्र होते हैं जिनमें काफी सघन वन पाए जाते हैं।
- उन्हें पृथ्वी पर सबसे अधिक उत्पादक और गतिशील पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक के रूप में पहचाना जाता है।
- समुद्र के नीचे के वन समशीतोष्ण और ध्रुवीय तटीय महासागरों सहित पूरे विश्व में हैं।
- समुद्र के नीचे के वन इक्वाडोर के पास उष्णकटिबंधीय जल में भी खोजे गए हैं।
- समुद्र के नीचे के वन, तटीय महासागरीय प्रारूपों को प्रभावित करते हैं और कई पारिस्थितिक तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3– जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

7. **चीन: 'कृत्रिम चंद्रमा'**

- चीनियों ने वर्ष 2020 तक सिचुआन प्रांत के चेंगदू शहर पर "कृत्रिम चंद्रमा" लॉन्च करने की योजना बनाई है।
- इसका उद्देश्य स्ट्रीट लाइटों के लिए एक वैकल्पिक माध्यम प्रदान करना और बिजली की बचत करना है।
- यह कृत्रिम चंद्रमा, 500 कि.मी. की ऊंचाई पर चेंगदू शहर के चारों ओर चक्कर लगाते हुए एक दर्पण के समान होगा।
- यह रात में सूर्य की रोशनी को परावर्तित करेगा और चेंगदू शहर में स्ट्रीट लाइटों की कमी को पूरा करेगा, इस शहर की कुल जनसंख्या 1.6 मिलियन है।
- कृत्रिम चंद्रमा की चमक, वास्तविक चंद्रमा की चमक से लगभग आठ गुनी अधिक होगी।

चुनौतियाँ

- 500 कि.मी. जितनी कम ऊंचाई पर इसे स्थापित करना और इतने कम व्यास के दायरे के अंतर्गत आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाना और इसकी सटीकता पर मुख्य रूप से ध्यान देना।

- कुछ डिग्री से भी परावर्तन कोण की यर्थाथता में चूक होने पर चेंगदू शहर मीलों दूर छूट जाएगा।
- माना कि इसमें 10 कि.मी. की त्रुटि है, यदि आप एक डिग्री के 100 वें स्थान से भी चूक जाएंगे तो प्रकाश किसी अन्य स्थान पर गिरेगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान और तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

24.10.2018

1. **<u>प्रधानमंत्री मोदी को 2018 सियोल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।</u>**

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सियोल शांति पुरस्कार 2018 से सम्मानित किया गया है।
- सियोल शांति पुरस्कार समिति के अनुसार, प्रधानमंत्री को इस पुरस्कार से उनके निम्नलिखित योगदानों के लिए सम्मानित किया गया है जो भारत में भविष्य के लोकतंत्र को विकसित करने में मदद करेंगे।
- भारतीय और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति में प्रधानमंत्री मोदी का योगदान हैं जिसमें अमीरों और गरीबों के मध्य सामाजिक और आर्थिक असमानता को कम करने के लिए 'मोडिनॉमिक्स' को श्रेय देना शामिल है।
- भ्रष्टाचार विरोधी उपायों और विमुद्रीकरण के माध्यम से सरकार को स्वच्छ बनाने की उनकी पहल के लिए भी पुरस्कृत किया गया है।
- 'मोदी सिद्धांत' और 'पूर्वी नीति अधिनियम' के अंतर्गत विश्व भर के देशों के साथ एक सक्रिय विदेशी नीति के माध्यम से क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के प्रति उनके योगदान हेतु प्रधानमंत्री को सम्मानित किया गया है।

संबंधित जानकारी

सियोल शांति पुरस्कार

- सियोल शांति पुरस्कार की स्थापना 1990 में की गई थी, इस पुरस्कार की स्थापना सियोल, कोरिया गणराज्य में 24वें ओलंपिक खेलों के सफलतापूर्वक आयोजन का जश्न मनाने के उपलक्ष्य में की गई थी।
- सियोल शांति पुरस्कार की स्थापना, कोरियाई प्रायद्वीप और शेष विश्व में शांति के प्रति कोरियाई लोगों की उत्सुकता को स्पष्ट करने हेतु की गई थी।
- यह पुरस्कार उन लोगों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने मानवता की समरसता के प्रति, राष्ट्रो के मध्य संधि कराने और विश्व में शांति के क्षेत्र में योगदान देकर पहचान बनायी हो।

नोट:

- प्रधानमंत्री मोदी को संयुक्त राष्ट्र महासभा सचिव एंटोनियों गुटेरेस के द्वारा संयुक्त राष्ट्र का सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण सम्मान 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड' से भी सम्मानित किया गया है।
- उन्हें यह पुरस्कार भारत में वर्ष 2022 तक सभी प्रकार की प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने के प्रति ली गई अद्वितीय प्रतिज्ञा हेतु प्रदान किया गया है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>आजादी के 57 साल बाद गोवा को पुर्तगाली नागरिक संहिता, 1867 का अंग्रेजी अनुवाद प्राप्त हुआ है।</u>**

- गोवा में पालन की जाने वाले पुर्तगाली नागरिक संहिता, 1867 का अंग्रेजी अनुवाद अब आधिकारिक राजपत्रों में उपलब्ध है।
- आधिकारिक राजपत्र ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के मार्च 2017 के आदेश का पालन करते हुए संहिता के अनुवादित संस्करण को ऑनलाइन प्रकाशित किया है।

कारण क्या थे?

- गोवा को पुर्तगालियों से लगभग 57 वर्ष पहले आजादी मिल गई थी लेकिन पुर्तगाली नागरिक संहिता, 1867 अभी तक पालन की जा रही थी।
- पुर्तगाली नागरिक संहिता, 1867 के कारण गोवा देश का एकमात्र ऐसा राज्य था जहां पर एकसमान नागरिक संहिता थी जिसके अंतर्गत राज्य में सभी धर्मों के लोगों के विवाह, तलाक और उत्तराधिकार पर बनाए कानूनों का सामाजिक शांति को सुनिश्चित करते हुए समान न्यायपीठ पर अभ्यास किया जाता था।

- आजादी से पहले गोवा की अदालतों में वकालत करने वाले वकील अपने द्वारा अनुवादित और व्याख्यित की गई पुर्तगाली नागरिक संहिता को निरंतर रूप से अदालत में पेश करते रहे जिससे अदालतों में संशय की स्थिति उत्पन्न हो गई।
- अदालत में परिषद और न्यायाधीश भाषा में निपुण नहीं थे अत: उन्हें वकीलों के संहिता के संस्करणों का पर भरोसा करना पड़ता था।

संबंधित जानकारी

- अनुच्छेद 348 के अनुसार, "सर्वोच्च न्यायालय में, उच्च न्यायालयों में और अधिनियमों, बिलों आदि के लिए प्रयोग की जाने वाली भाषा अंग्रेजी होगी।"

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **इंजेक्शन योग्य जेल टाइप 1 मधुमेह के लिए आइसलेट कोशिकाओं को वितरित कर सकता है: अध्ययन**

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने इंजेक्शन योग्य जेल की खोज की है जो रेशम प्रोटीनों का उपयोग करता हुआ टाइप 1 मधुमेह को ठीक करने के लिए आवश्यक इंसुलिन का उत्पादन करने वाली कोशिकाओं को वितरित करता है।
- पिछले अध्ययनों में सुझाव दिया गया था कि हाइड्रोजेल में इंसुलिन का उत्पादन करने वाली कोशिकाओं (आइसलेट) को वितरित करने की क्षमता होती क्यों कि उनमें जल सामग्री की मात्रा अधिक होती है और कोशिकीय मैट्रिक्स की नकली हाइड्रोफीलिक सामग्री उपस्थित होती है।
- इसके निर्माण की अनुमति नहीं प्रदान की गई है क्यों कि इन जेलों को बनाने में कठोर रसायनों का प्रयोग करने से से कोशिका अथवा जैवसक्रिय अणुओं को वितरित करने में यह अनुपयुक्त साबित होते हैं।
- इस समस्या का समाधान करने के लिए शोधकर्ताओं ने दो रेशम प्रोटीनों के मिश्रण (शहतूत बॉम्बिक्समोरी और गैर-शहतूत एंथेराइआसामा) का प्रयोग किया जिसके कारण वह स्वयं जम गया। इंसुलिन का उत्पादन करने वाली आइसलेट कोशिकाओं को चूहों से प्राप्त किया जाता है और एक हाइड्रोजेल में बंद करके रखा जाता है।
- प्रतिरक्षा अस्वीकृति को रोकने के लिए हाइड्रोजेल में प्रतिरक्षादमनकारी दवाएं मिलाई जाती हैं।
- फिर इसे चूहों की त्वचा के निचले स्तर पर इंजेक्शन के द्वारा पहुँचाया जाता है।

संबंधित जानकारी

आइसलेट कोशिकाएं

- अग्न्याशय में आइसलेट, कोशिकीय मैट्रिक्स के द्वारा घिरी रहती हैं जो कोशिकाओं को संरचनात्मक और जैवरासायनिक समर्थन प्रदान करती है।
- इस मैट्रिक्स के घटक आइसलेट सतह पर ट्रांसमेम्ब्रेन प्रोटीन से बंधे रहते हैं, ये कोशिका संचार, प्रसार और इंसुलिन स्राव की सुविधाएं कोशिका को प्रदान करते हैं।

टाइप 1 मधुमेह

- मधुमेह मेलिटस टाइप 1, जिसे टाइप 1 मधुमेह के नाम से भी जाना है, यह मधुमेह मेलिटस का वह रूप है जिसमें अग्न्याशय के द्वारा बहुत कम अथवा न के बराबर इंसुलिन का स्राव होता है।
- इसके सामान्य लक्षण बार-बार पेशाब जाना, अधिक प्यास लगना, अधिक भूख लगना और वजन घटना हैं।
- इसके अन्य लक्षणों में धुधला दिखाई देना, थकावट महसूस होना और देर से उपचार का असर होना हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर - विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **भित्तियों का तीसरा दशकीय अंतर्राष्ट्रीय वर्ष-2018**

- प्रवाल भित्तियों की स्थिति और संरक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एस.टी.ए.पी.सी.ओ.आर. - 2018) का उद्घाटन पर्यावरण मंत्रालय द्वारा बंगाराम द्वीप पर किया गया था।

- इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की थीम 'जीवन हेतु भित्तियां' है।
- लक्षद्वीप, प्रवाल भित्तियों पर वैज्ञानिक शोध के लिए विश्वस्तरीय ढांचे के साथ अंतर्राट्रीय ऐटॉल अनुसंधान केंद्र की स्थापना करेगा।

संबंधित जानकारी

प्रवाल भित्तियों की स्थिति और संरक्षण (एस.टी.ए.पी.सी.ओ.आर.)

- एस.टी.ए.पी.सी.ओ.आर. की स्थापना जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों का अध्ययन करने हेतु की गई है, प्रवाल क्षेत्रों पर ग्लोबल वार्मिंग के साथ अलनीनो के प्रभाव के कारण वर्ष 1998 दौरान अंतर्राट्रीय स्तर पर भारी विरंजन हुआ था।
- पूरे विश्व में प्रवाल भित्तियों की स्थिति और प्रगति की समीक्षा करने हेतु प्रत्येक 10 वर्ष में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

प्रवाल भित्तियां

- प्रवाल भित्ति, भमिगत जल में रहने वाला एक पारिस्थिकी तंत्र है जिसकी विशेषता भित्ति निर्माण प्रवाल बनाना है।
- भित्तियों का निर्माण प्रवाल जंतुओं की कॉलोनियों के एक साथ कैल्शियम कार्बोनेट द्वारा बंधने से होता है।
- अधिकांश प्रवाल भित्तियां, पथरीली प्रवालों से मिलकर बनी होती हैं जिनके जंतुओं के गुच्छे समूह में होते हैं।

प्रवाल भित्ति संरचनाओं के प्रकार

- **फ्रिंजिंग भित्तियां**

1. ये द्वीपों और महाद्वीपों के आस-पास के तट के नजदीक उगती हैं।
2. वे तट के किनारे से संकीर्ण, उथली खाड़ियों के द्वारा अलग हो जाती हैं।
3. फ्रिंजिंग भित्तियां, भित्तियों का एक सबसे सामान्य प्रकार हैं।

- **अवरोध भित्तियां**

1. ये समुद्र तट के समानांतर होती हैं लेकिन गहरी, व्यापक खाड़ियों द्वारा अलग होती हैं।
2. अपने सबसे छिछले बिंदु पर वे नेविगेश हेतु एक अवरोध का निर्माण करती हुई पानी की सतह तक पहुँचती हैं।
3. ऑस्ट्रेलिया में ग्रेट बैरियर भित्ति, दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे प्रसिद्ध अवरोध भित्तियों में से एक है।

- **ऐटॉल**

1. ये प्रवाल के छल्ले हैं जो संरक्षित खाड़ियों का निर्माण करते हैं और ये सामान्यत: समुद्र के मध्य में स्थित होते हैं।
2. एटोल, सामान्यत: तब बनते हैं जब फ्रीजिंग भित्तियों से घिरे हुए द्वीप समुद्र में डूब जाते हैं अथवा समुद्र का स्तर उनसे ऊपर उठ जाता है (ये द्वीप सामान्यत: भूमिगत ज्वालामुखियों के शीर्ष होते हैं)।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>"इंवेस्ट इंडिया" ने अक्षय ऊर्जा निवेश को बढ़ावा देने के लिए शीर्ष संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार जीता है।</u>**

- इंवेस्ट इंडिया को शीर्ष संयुक्त राष्ट्र निवेश संवर्धन पुरस्कार प्रदान किया गया है, यह पुरस्कार भारत को भारत में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए उसके प्रयासों हेतु प्रदान किया गया है।
- यह पुरस्कार जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यू.एन.सी.टी.ए.डी.) द्वारा आयोजित विश्व निवेश मंच के उद्घाटन के अवसर पर प्रदान किया गया था।
- इंवेस्ट इंडिया को यह पुरस्कार "स्थानीय कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और 1 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा का उत्पादन करने के दौरान भारत में एक ब्लेड विनिर्माण संयंत्र की स्थापना में एक प्रमुख वैश्विक पवन चक्की कंपनी की सेवा और समर्थन करने में उत्कृष्टता हेतु प्रदान किया गया है।

- इस परियोजना के संचालित होने से भारत की पवन ऊर्जा लागत में काफी कमी आने की उम्मीद है।"

संबंधित जानकारी

इंवेस्ट इंडिया

- इंवेस्ट इंडिया की स्थापना भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग के अंतर्गत एक गैर-लाभकारी उद्यम के रूप में की गई है।
- इंवेस्ट इंडिया, भारत में सतत निवेश को सक्षम करने के लिए क्षेत्रीय-विशिष्ट निवेशक लक्ष्यीकरण और नई साझेदारियों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

पुरस्कार के संदर्भ में जानकारी

- **यह पुरस्कार "उन क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता की पहचान करता हैं जिनके सामाजिक और आर्थिक लाभ होंगे और जो देशों की सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) को पूरा करने में मदद करेंगे।**

यू.एन.सी.टी.ए.डी.

- संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यू.एन.सी.टी.ए.डी.) की स्थापना 1964 में एक स्थायी अंतर सरकारी निकाय के रूप में की गई थी।
- यू.एन.सी.टी.ए.डी., संयुक्त राष्ट्र सचिवालय का एक भाग है जो व्यापार, निवेश और विकास के मुद्दों से निपटने में मदद करता है।
- संगठन के लक्ष्य: "विकासशील देशों के व्यापार, निवेश और विकास के अवसरों को अधिकतम करना है और विश्व अर्थव्यवस्था में एक समान आधार पर उनके प्रयासों को एकीकृत करने में उनकी सहायता करना हैं।
- यू.एन.सी.टी.ए.डी. की स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1964 में की गई थी और यह संयुक्त राष्ट्र महासभा, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद को रिपोर्ट करती है।
- यू.एन.सी.टी.ए.डी. का स्थायी सचिवालय जिनेवा में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

6. **जेल सुधार**

- सर्वोच्च न्यायालय ने जेल सुधारों पर एक समिति बनाई है जिसकी अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अमितव राय के द्वारा की जाएगी।
- समिति, जेल प्रणाली में सुधारों के संपूर्ण विस्तार की गहराई से जांच करेगी जो भारत में 100 वर्षों से भी पुरानी जेल प्रणाली है।
- अन्य समितियां है, जो न्यायमूर्ति ए.एन. मुल्ला समिति और न्यायमूर्ति कृष्णा अय्यर समिति हैं। ये दोनो समितियां महिला जेलों पर (दोनों 1980 में) बनाई गयी थीं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – सामाजिक सशक्तिकरण

स्रोत- द हिंदू

7. **रूस और पाकिस्तान के मध्य "ड्रुज़भा -3" संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू हुआ है।**

- यह पाकिस्तान और रूस के मध्य संयुक्त द्विपक्षीय सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास का तीसरा संस्करण है।
- दोनों सेनाएं, उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान के पहाड़ों में संयुक्त सैन्य अभ्यास करेंगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

8. **जलवायु की तन्यता को बढ़ावा प्रदान के लिए भारत के तटीय समुदायों को 43 मिलियन अमरीकी डालर मिलेंगे।**

- आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में भारत के तटीय समुदायों में रहने वाले लाखों लोगों के लिए जलवायु तन्यता को बढ़ाने हेतु 43.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर की संयुक्त राष्ट्र निधि को स्वीकृति प्रदान की गई है, यह निधि इन्हें जलवायु परिवर्तन के चरम प्रभावों का सामना करने में इनके प्रयासों के भाग के रूप में प्रदान की गई है।

- यह अनुदान, 19 नई परियोजनाओं के लिए हरित जलवायु निधि द्वारा अनुमोदित किए गए 1 बिलियन अमरीकी डालर से भी निधि का हिस्सा है जो विकासशील देशों की जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करेगा।
- नई परियोजना को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) द्वारा समर्थन प्रदान किया जाएगा।
- पेरिस समझौते में उल्लिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने और सतत विकास मुद्दा 2030 के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु यह भारत के लिए एक आवश्यक कदम है।
- हरित जलवायु निधि (जी.सी.एफ.) बोर्ड की 21वीं बैठक बहरीन की राजधानी मनामा में आयोजित की गई थी। इस बैठक में एक बिलियन डॉलर से अधिक की नयी परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई थी और विकासशील देशों में जलवायु कार्यवाहियों को समर्थन प्रदान करने हेतु कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था।

संबंधित जानकारी

- यह परियोजना महिलाओं, महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवारों, युवाओं और बुजुर्गों और अनुसूचित जातियों और जनजातियों के सदस्यों का वास्तविक लाभ प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।
- यह लैंगिक समानता और असमानताओं को कम करने हेतु सतत विकास लक्ष्यों में भी योगदान देती है।
- भारत के तटीय क्षेत्र, जलवायु परिवर्तन के प्रति बेहद संवेदनशील हैं और यह परियोजना चुनिंदा संवेदनशील क्षेत्रों जैसे: आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा राज्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।
- चक्रवात और खराब मौसम की आवृत्ति एवं तीव्रता के साथ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनों ही जलवायु परिवर्तनशीलता के प्रति संवेदनशील की भविष्यवाणी करते हैं।
- भारत सरकार, हरित जलवायु निधि के उचित क्रियान्वन एवं उसे तेज करने हेतु नई परियोजना के लिए 86.8 मिलियन अमरीकी डालर का अतिरिक्त वित्तपोषण प्रदान करेगी।
- वर्ष 2030 के एजेंडा में भूमि पर और पानी के नीचे जीवन की रक्षा करने काउद्देश्य उल्लिखित है।
- ये परियोजना गतिविधियां 15,000 हेक्टेयर सदाबहार, प्रवाल भित्तियां, समुद्री शैवाल साल्टमार्शेस की मरममत और संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करेंगी।
- यह बहु-आयामी परियोजना, ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के वैश्विक प्रयासों में योगदान देगी -पारिस्थितिक तंत्र के माध्यम से 3.5 मिलियन टन से भी अधिक कार्बन डाइ ऑक्साइड गैस को अवशोषित हो जाएगी।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>चीन ने हांगकांग- मकाऊ-झुहाई को जोड़ने वाले दुनिया के सबसे लंबे समुद्री पुल का अनावरण किया है।</u>**

- यह पुल हांगकांग को मकाऊ और मुख्य चीनी शहर झुहाई से जोड़ता है।
- इसकी कुल लंबाई का लगभग 30 कि.मी. हिस्सा पर्ल नदी डेल्टा के समुद्र को पार करता है।
- भूकंप और टाइफून का सामना कर सकने में सक्षमता प्रदान करने के अनुसार इस पुल को डिजाइन किया गया है, इस पुल का निर्माण करने में 400,000 टन स्टील का उपयोग किया गया है, इतनी मात्रा की स्टील से 60 एफिल टॉवर बनाए जा सकते हैं।

टॉपिक-प्रारंभिक परीक्षा के महत्वूपर्ण तथ्य

स्रोत- ए.आई.आर.

25.10.2018

1. **<u>वैज्ञानिकों ने रोगों का पता लगाने में मदद करने हेतु कोशिका के आकर के रोबोट को विकसित किया है।</u>**

- मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिकों ने कोशिका के आकर के रोबोटों का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने का तरीका विकसित किया है।
- इस प्रकार के छोटे रोबोटों का उपयोग तेल अथवा गैस पाइपलाइन के भीतर की स्थितियों की निगरानी करने अथवा रक्त प्रवाह के माध्यम से बहने के द्वारा बीमारियों का पता लगाने में किया जा सकता है।
- इस प्रकार की छोटी युक्ति बनाने के प्रमुख स्रोत को "सिनसेल्स" (सिंथेटिक (कृत्रिम) कोशिकाओं का संक्षिप्त रूप) कहते हैं, जो बड़ी मात्रा में स्वचालित रूप से पतली और भंगुर सामग्रियों को प्राकृतिक रूप से भंग करने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद करती हैं।
- इस प्रक्रिया को "स्वचालित छिद्रण" कहते हैं, इसमें फ्रैक्चर रेखाओं को इस प्रकार निर्देशित करते हैं जिससे कि वे अनुमानित आकार और आकृति के अत्यंत छोटे पॉकेटों का उत्पादन कर सकें।

संबंधित जानकारी

- इन रोबोटों के भीतर अत्यंत छोटे आकार के पॉकेट्स एम्बेडेड होते हैं, जो एक प्रकार के वैद्युत परिपथ होते हैं और डाटा को एकत्र, रिकॉर्ड और आउटपुट करने में मदद करते हैं।
- यह प्रणाली कार्बन के द्विआयामी रूप का प्रयोग करती है जिसे ग्रैफीन कहते हैं, जो छोटी सिनसेल्स की बाहरी संरचना का निर्माण करती हैं।
- उनका आकर, मानव की लाल रूधिर कोशिकाओं के आकार से लगभग 10 माइक्रोमीटर अधिक होता है।
- ये छोटी वस्तुएं, जीवित जैविक कोशिकाओं की भांति व्यवहार करती हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डी.डी. न्यूज

2. **<u>बेनामी संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम, 1988 के निषेध के अंतर्गत निर्णायक प्राधिकरण और अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बेनामी संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम (पी.बी.पी.टी.), 1988 के निषेध के अंतर्गत निर्णायक प्राधिकरण की नियुक्ति और अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।

मुख्य विशेषताएं:

- निर्णायक प्राधिकरण की नियुक्ति तीन अतिरिक्त न्यायपीठों के साथ की जाएगी और पी.बी.पी.टी. अधिनियम के अंतर्गत अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना की जाएगी।
- आयकर विभाग/ केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी.बी.डी.टी.) से समान स्तर/ रैंक पर वर्तमान पदों को बदलकर निर्णायक प्राधिकरण, निर्णायक प्राधिकरण की न्यायपीठों और अपीलीय न्याययधिकरण को अधिकारी और कर्मचारी प्रदान किए जाएंगे।
- निर्णायक प्राधिकरण और अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एन.सी.टी.डी.) में की जाएगी।
- निर्णायक प्राधिकरण के न्यायपीठों की स्थापना कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में की जा सकती है।

लाभ:

- इसके परिणामस्वरूप निर्णायक प्राधिकरण को संदर्भित किए गए मुकदमों का प्रभावी और बेहतर प्रशासनिक कार्य होगा और अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष निर्णायक प्राधिकरण के फैसले के खिलाफ दायर की गई अपीलों का त्वरित निपटान किया जाएगा।
- पी.बी.पी.टी. अधिनियम के अंतर्गत निर्णायक प्राधिकरण की नियुक्ति, प्रशासनिक कार्यवाहियों की प्रथम स्तरीय समीक्षा प्रदान करेगी।
- प्रस्तावित अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना, पी.बी.पी.टी. अधिनियम के अंतर्गत निर्णायक प्राधिकरण द्वारा दिए गए फैसलों के प्रति एक अपीलीय तंत्र प्रदान करेगी।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – सरकारी नीतियां

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>मंत्रिमंडल ने भारतीय कौशल संस्थान की स्थापना हेतु योजना को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक निजी भागीदारी में देश भर के विभिन्न स्थानों पर भारतीय कौशल संस्थान की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।
- इसे मांग और उपलब्ध बुनियादी ढांचों के आधार पर चयनित स्थानों पर आई.आई.एस. के संवर्धन हेतु समन्वेषित किया जाएगा।

लाभ

- यह पूरे देश के आकांक्षी युवाओं को उच्च कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने के अवसर प्रदान करेगा।
- इसके अतिरिक्त यह उद्योगों और कई क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के साथ अपने संबंधों के माध्यम से जवाबदेही के दायरे को बढ़ाएगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>प्रधानमंत्री मोदी ने आई.टी. व्यवसायियों के लिए 'मैं नहीं हम' पोर्टल लॉन्च किया है।</u>**

- प्रधानमंत्री द्वारा 'मैं नहीं हम' पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन लांच किया गया है जो आई.टी. व्यवसायियों और संगठनों को समाजिक मुद्दों के प्रति किए जा रहे उनके प्रयासों को एक साथ एक मंच पर लाने में सक्षम बनाएगा।
- यह पोर्टल 'सेल्फ4सोसाइटी' की थीम पर काम करता है।
- इस पोर्टल के माध्यम से तकनीक के लाभों की शक्ति के द्वारा समाज के कमजोर वर्ग की सेवा के प्रति अधिक सहयोग को उत्प्रेरित करने में मदद करने की उम्मीद है।
- इसके अतिरिक्त रूचिकर लोगो की अधिक सहभागिता को उत्पन्न करने की उम्मीद है, उन लोगों की सहभागिता की उम्मीद की जाती है जो समाज के लाभों के प्रति काम करने के लिए जागरूक हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न: सरकार ने ढांचे को सुधारने के लिए जी.ओ.एम. का गठन किया है।</u>**

- सरकार ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के मामलों से निपटने के लिए वर्तमान के कानूनों और संस्थागत ढांचे की जांच करने हेतु मंत्रियों के समूह (जी.ओ.एम.) का गठन किया है।
- जी.ओ.एम. को "मौजूदा प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वन के साथ मौजूदा ढांचे के सशक्तीकरण" को सुनिश्चित करने हेतु अपनी सिफारिशें पेश करने के लिए तीन महीने का सामयिक ढांचा प्रदान किया गया है।
- मंत्रियों के समूह की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा की जाएगी। इसके सदस्य हैं:

1. श्री नितिन गडकरी, मंत्री, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय
2. निर्मला सीतारमण, मंत्री, रक्षा मंत्रालय
3. मेनका संजय गांधी, मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

संबंधित जानकारी

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने भी इलेक्ट्रॉनिक शिकायतें (एस.एच.ई.-बॉक्स) लॉन्च किया है जो महिलाओं को उनकी कार्यस्थिति के निरपेक्ष कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी आवाज उठाने में सक्षम बनाता है।
- कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने और उनकी सुरक्षा करने एवं यौन उत्पीड़न की शिकायतों के प्रभावी निवारण को सुनिश्चित करने हेतु एक महत्वपूर्ण कानून है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 –महिला सशक्तिकरण

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>कित्तूर उत्सव</u>**

- कित्तूर उत्सव, कर्नाटक में कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक महोत्सव है।

- इस उत्सव को कित्तूर के ऐतिहासिक शहर में मनाया जाता है, इस उत्सव को सन् 1824 में अंग्रेजों के खिलाफ लड़े गए युद्ध में रानी चेन्नामा के द्वारा बहादुरीपूर्वक युद्ध करने के जश्न के रूप में मनाया जाता है।

संबंधित जानकारी

- कित्तूर, दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक के बेलगाम जिले का एक तालुका है।
- कित्तूर चेन्नामा (1778-1829) के सशस्त्र विद्रोह के कारण ऐतिहासिक महत्व का स्थान है।
- इस युद्ध में कित्तूर राज्य के राजा, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ लड़े थे, युद्ध के दौरान ब्रिटिश कमिश्नर सेंट जॉन थैकरे मारा गया था।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृतिक

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2020 के बाद बी.एस.- IV वाहनों की बिक्री और पंजीकरण को प्रतिबंधित किया है।</u>**

- सर्वेच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि स्वच्छक ईंधन हेतु बी.एस.- VI नियमों के लागू होने के बाद 31 मार्च, 2020 के बाद से बी.एस.- IV वाहन नहीं बेंचे जाएंगे।

संबंधित जानकारी

भारत स्टेज उत्सर्जन मानक

- भारत स्टेज उत्सर्जन मानक (बी.एस.ई.एस.), भारत सरकार का उत्सर्जन मानक संस्थान है जो मोटर वाहनों सहित आंतरिक दहन इंजन और स्पार्क-इग्निशन इंजन उपकरणों से वायु प्रदूषकों के उत्पादन को विनियमित करता है।
- कार्यान्वयन के लिए मानकों और समयसीमा का निर्धारण पर्यावरण, वानिकी और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया जाता है।
- यूरोपीय नियमों पर आधारित मानकों को पहली बार वर्ष 2000 में पेश किया गया था।
- भारत स्टेज IV के नियमों को पूरे देश में अप्रैल, 2017 से लागू किया गया है।
- वर्ष 2016 में भारत सरकार ने घोषित किया था कि देश बी.एस.-V मानदंडों को पूरी तरह से छोड़ देगा और वर्ष 2020 तक बी.एस. - VI मानदंडों को अपनाएगा।

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में प्रतिशत के पदों में गैसों का घटता हुआ क्रम-

- CO_2> CH_4> N_2O

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में प्रतिशत के पदों में देशों का घटता हुआ क्रम-

- चीन> अमेरिका> यूरोप> भारत> रूस

बी.एस. VI मानदंडों में क्या नया है?

- बी.एस.- VI ईंधन में पेट्रोल और डीजल दोनों में सल्फर की अधिकतम मात्रा को 10 पार्ट्स प्रति मिलियन (पी.पी.एम.) तक सीमित कर दिया गया है, जो यूरोपीय देशों के समान है।
- बी.एस.- VI ईंधन, वर्तमान में प्रयोग किए जा रहे बी.एस.-4 ईंधन में सल्फर के स्तर को पांच गुना तक कम कर देगा- इससे सल्फर के उत्सर्जन में 80 प्रतिशत की भारी कमी होगी और जिससे ईंधन बहुत साफ हो जाएगा।
- यह नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOX) के उत्सर्जन को भी कम करेगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>भारत, ईरान, अफगानिस्तान ने चाबहार बंदरगाह परियोजना पर पहली त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की हैं।</u>**

- भारत, अफगानिस्तान और ईरान ने चाबहार बंदरगाह परियोजना पर अपनी पहली त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की है, इन देशों ने इस बैठक के दौरान परियोजना के कार्यान्वन की समीक्षा भी की।
- मई, 2016 में भारत, ईरान और अफगानिस्तान ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, इस समझौते के अनुसार चाबहार बंदरगाह का एक धार्मिक केंद्र के रूप में प्रयोग करते हुए इन देशों के मध्य एक पारगमन और परिवहन गलियारे की स्थापना की जाएगी।

संबंधित जानकारी

चाबहार बंदरगाह

- चाबहार बंदरगाह, ओमान की खाड़ी पर दक्षिण-पूर्व ईरान में स्थित एक बंदरगाह है।
- यह ईरान के एक मात्र समुद्री बंदरगाह के रूप में कार्य करता है और यह बंदरगाह, शाहिद कालांतरी और शाहिद बेहेश्ती नाम के दो अलग-अलग बंदरगाहों से मिलकर बना हैं।
- बिना पाकिस्तान मार्ग होते हुए भारत के पश्चिमी तट से इस बंदरगाह पर आसानी से पहुँचा जा सकता है।

ग्वादर बंदरगाह

- यह अरब सागर पर पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ग्वादर में स्थित गर्म पानी का गहरा बंदरगाह है।
- इस बंदरगाह की प्रमुख विशेषता चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सी.पी.ई.सी.) योजना है और इसे महत्वाकांक्षी एक बेल्ट, एक सड़क और समुद्री रेशम सड़क परियोजनाओं के मध्य महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में माना जाता है।

भारत के द्वारा अन्य परियोजनाएं

- एसम्पशन द्वीप- सेशेल्स में
- अगालेगा द्वीप- मॉरीशस में
- ओमान में डुकम बंदरगाह

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>वैश्विक कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2018</u>**

- नई दिल्ली में वैश्विक कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2018 का आयोजन किया गया है।
- शिखर सम्मेलन की थीम, बाजार से किसानों को जोड़ना है।

संबंधित जानकारी

- वैश्विक कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन, भारतीय खाद्य एवं कृषि परिषद द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है।
- यह कृषि क्षेत्र, व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश में व्यापक परिदृश्यों और रुझानों पर चर्चा करने हेतु एक मंच प्रदान करेगा।
- शिखर सम्मेलन का उद्देश्य कृषि और कृषि व्यवसाय में व्यापक मुद्दों पर चर्चा करना, किसानों को सशक्त बनाने और भारत की कृषि की क्षमताओं को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – कृषि

स्रोत- ए.आई.आर.

26.10.2018

1. **<u>केंद्रीय एच.आर.डी. मंत्री ने वेब पोर्टल लॉन्च किया है: एस.पी.ए.आर.सी.</u>**

- मानव संसाधन विकास मंत्री ने "अकादमिक और अनुसंधान सहयोग के संवर्धन हेतु योजना" योजना का वेब पोर्टल लांच किया है।
- एस.पी.ए.आर.सी. कार्यक्रम को लागू करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर राष्ट्रीय समन्वयक संस्थान है।
- इस योजना के अंतर्गत 600 संयुक्त अनुसंधान प्रस्तावों को सर्वश्रेष्ठ संकाय के साथ भारतीय अनुसंधान समूहों और विश्व के अग्रणी विश्वविद्यालयों के प्रसिद्ध अनुसंधान समूहों के मध्य स्थायी अनुसंधान सहयोग को सुविधाजनक बनाने हेतु 2 वर्षों के लिए सम्मानित किया जाएगा।
- शोधकर्ताओं ने उन क्षेत्रों में काम किया है, जो विज्ञान के अत्याधुनिक क्षेत्र हैं अथवा जिनकी विशेष रूप से भारत में मानव जाति के साथ प्रत्यक्ष सामाजिक प्रासंगिकता हैं।

संबंधित जानकारी

एस.पी.ए.आर.सी. की मुख्य विशेषताएं

- यह योजना भारतीय संस्थानों और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों के मध्य अकादमिक और अनुसंधान सहयोग की सुविधा के माध्यम से भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करेगी।
- एस.पी.ए.आर.सी. ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण घटकों का समर्थन करके उत्पादक अकादमिक सहयोग को सक्षम करना प्रस्तावित किया है जो प्रभावपूर्ण संस्थानों को उत्प्रेरित करता हैं:

1. शिक्षण और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय संस्थानों में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संकाय/ शोधकर्ताओं का दौरा होना और दीर्घकालिक प्रवास होना।
2. विश्व भर की प्रमुख प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण और प्रयोग कार्यों के लिए भारतीय छात्र दौरे पर जाते हैं।
3. विशिष्ट पाठ्यक्रमों, विश्व स्तरीय किताबों और मोनोग्राफ, अनुवादनीय पेटेंट, प्रदर्शन तकनीक अथवा एक्शन ओरिएंटेड अनुसंधान परिणामों और उत्पादों का संयुक्त रूप से विकास करना।
4. भारत में एक उच्च प्रोफ़ाइल वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से प्रकाशन, प्रसार और दृश्यता को बढ़ाना।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>मंत्रिमंडल ने पर्यावरण सहयोग पर ब्रिक्स राष्ट्रों के मध्य समझौता ज्ञापन को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पर्यावरण सहयोग पर ब्रिक्स राष्ट्रों के मध्य हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन को अपनी पूर्व-व्यापी मंजूरी प्रदान की है।
- इस समझौता ज्ञापन को जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किए गए 10वें ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान जुलाई, 2018 में हस्ताक्षरित किया गया है।
- एम.ओ.यू. ने सहयोग के निम्नलिखित मुद्दों पर संधि की है:

1. वायु गुणवत्ता
2. जल
3. जैव विविधता
4. जलवायु परिवर्तन
5. अपशिष्ट प्रबंधन
6. सतत विकास के लिए वर्ष 2030 एजेंडा और सतत विकास लक्ष्यों का कार्यान्वयन
7. प्रतिभागियों द्वारा सहयोग के अन्य क्षेत्रों में परस्पर सहमति दर्शायी गई है

संबंधित जानकारी

- समझौता ज्ञापन, ब्रिक्स राष्ट्रों की ज़िम्मेदारी को स्वीकार करता है, ब्रिक्स विश्व की पांच प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का संघ है।
- इन देशों में पर्यावरण की सुरक्षा, संरक्षण और स्थायित्व के संदर्भ में दुनिया की 40% से अधिक जनसंख्या निवास करती है।
- एम.ओ.यू. के अंतर्गत बेहतर पर्यावरण संरक्षण, बेहतर संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और वन्यजीव सुरक्षा/ संरक्षण के बेहतर प्रबंधन को लाने के संदर्भ में उपयुक्त नवीनतम तकनीकों और सर्वोत्तम अभ्यासों को लाने की उम्मीद है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – पर्यावरण

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>प्रधानमंत्री ने लखनऊ में किसानों के सम्मेलन "कृषि कुंभ" का उद्घाटन किया है।</u>**

- प्रधानमंत्री ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश में किसानों के सम्मेलन 'कृषि कुंभ 2018' का उद्घाटन किया है।
- इस सम्मेलन का आयोजन कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए किया गया था जो किसानों की आय को दोगुना करने में मदद कर सकता है।
- कुंभ में विश्व की दो शीर्ष अर्थव्यवस्थाएं इज़राइल और जापान शामिल हैं जो आधिकारिक भागीदार हैं और हिरयाणा और झारखंड भागीदार राज्यों के रूप में शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

- उत्तर प्रदेश सरकार भी कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में निवेश करने हेतु जापान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगी।
- यह सम्मेलन, किसानों को खेती की विकसित गतिशीलता से परिचित कराएगा जिससे कि वे कृषि क्षेत्र में अपनी अधिक क्षमताओं का उपयोग करके और फसलों की पूर्व-कटाई के प्रबंधन द्वारा अपनी आय को बढ़ा सकते हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 –कमजोरवर्गों हेतु कल्याणकारी योजनाएं

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **10वां परमाणु ऊर्जा सम्मेलन**

- 10 वें परमाणु ऊर्जा सम्मेलन का अयोजन अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा मंच (आई.ई.एफ.) द्वारा किया जा रहा है।
- परमाणु ऊर्जा सम्मेलन की थीम "परमाणु ऊर्जा: स्वच्छ और आधार लोड ऊर्जा हेतु" है।

संबंधित जानकारी

- मंत्रिमंडल ने भारत के स्वदेशी दबावयुक्त भारी जल रिएक्टरों (पी.एच.डब्ल्यू.आर.) की 10 इकाइयों के निर्माण हेतु मंजूरी प्रदान की है।
- कैगा परमाणु ऊर्जा स्टेशन ने दबावयुक्त भारी जल रिएक्टरों की श्रेणी में एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है, इस ऊर्जा स्टेशन में एक यूनिट बिना रूके हुए 895 दिनों से निरंतर चल रही है।
- वर्तमान में भारत में परमाणु ऊर्जा का भाग केवल 3 प्रतिशत है जो 10 प्रतिशत के वैश्विक औसत की तुलना में कम है।
- सरकार ने परमाणु ऊर्जा (संशोधन) विधेयक, 2015 के माध्यम से परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 के सेक्शनों में संशोधन किए हैं।
- यह भविष्य में परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के विस्तार हेतु अतिरिक्त वित्त पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अन्य भारतीय पी.एस.यू. के साथ संयुक्त उद्यम कंपनियों के गठन के लिए भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम को सक्षम करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा मंच

- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा मंच (आई.ई.एफ.), एक अंतर्सरकारी, गैर-लाभकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसका उद्देश्य अपने सदस्यों के मध्य अधिक पारस्परिक समझ और सामान्य ऊर्जा हितों के संदर्भ में जागरूकता को बढ़ावा देना है।
- मंच के 72 सदस्य देश आई.ई.एफ. चार्टर के हस्ताक्षरकर्ता हैं, जो अपने अंतर्सरकारी व्यवस्थापन के माध्यम से वैश्विक ऊर्जा वार्तालाप के ढांचे की रूपरेखा तैयार करते हैं।
- आई.ई.एफ. को रियाद, सऊदी अरब के राजनयिक क्वार्टर आधारित एक स्थायी सचिवालय द्वारा पदोन्नत किया गया है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- द हिंदू

5. **हरियाणा ने पशु संजीवनी सेवा प्रस्तावित की है।**

- हरियाणा सरकार राज्य में "पशु संजीवनी सेवा" की शुरूआत करेगी।
- यह सेवा पशुओं के लिए निशुल्क गुणवत्ता वाली पशुचिकित्सा सेवाएं और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं प्रदान करेगी और मोबाइल पशुचिकित्सा दवाखानों के माध्यम से किसानों के पशुओं के घर पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगी।
- यह सेवा जींद, यमुनानगर और नुह नामक तीन जिलों के सभी ब्लॉकों में शुरू की जाएगी।

संबंधित जानकारी

- मोबाइल पशुचिकित्सा सेवाएं, सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पी.पी.पी.) मोड में राज्य के अपूरित, कर्मचारियों की कमी वाले और दूरस्थ क्षेत्रों में शुरू की जाएंगी।
- पशु रखने वाले किसान, मोबाइल पशु चिकित्सा दवाखानों की 24x7 की सेवा का लाभ उठा सकेंगे।
- यह योजना न केवल पशुधन को तत्काल आपातकालीन पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी बल्कि नीम हकीमों की गतिविधियों की भी जांच करेगी।

टॉपिक-जी. एस. पेपर 2– गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **मंत्रिमंडल ने सतत विकास लक्ष्यों पर राष्ट्रीय निगरानी ढांचे को मंजूरी प्रदान की है।**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एस.डी.जी. की निगरानी के लिए राष्ट्रीय संकेतक ढांचे की आवृतिक समीक्षा और परिष्करण हेतु उच्च स्तरीय संचालन समिति के गठन को मंजूरी प्रदान की है।
- इस समिति की अध्यक्षता भारत के मुख्य सांख्यिकीविद और सचिव, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एम.ओ.एस.पी.आई.) द्वारा की जाएगी।

लक्ष्य

- विकासशील चुनौतियों का सामना करने के लिए वर्तमान में चल रही राष्ट्रीय नीतियों, कार्यक्रमों और रणनीतिक कार्रवाई योजनाओं में एस.डी.जी. के विशेष पक्ष हेतु उपाय करना।
- राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एस.डी.जी. की निगरानी के लिए एन.आई.एफ. के सांख्यिकीय संकेतक मुख्य होंगे और विभिन्न एस.डी.जी. के अंतर्गत लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए योजनाओं के परिणामों की वैज्ञानिक रूप से जांच करेगी।
- यह रिपोर्ट प्रगति के मूल्यांकन, चुनौतियों की पहचान करने और राष्ट्रीय स्तर पर अनुसरण करने हेतु सुझाव प्रदान करेगी।

प्रमुख प्रभाव

- इसका उद्देश्य इस बदलती हुई दुनिया में गरीबी को खत्म करना और 'सबका साथ सबका विकास' के मूल आदर्श वाक्य के साथ समृद्धि को बढ़ावा देना है।
- एस.डी.जी. से लोगों के जीवन में परिवर्तन आने की उम्मीद है और एस.डी.जी. के कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी से पूरे देश को लाभ होगा।

मिलेनियम विकास लक्ष्य

- वर्ष 2000 में न्यूर्याक में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित मिलेनियम शिखर सम्मेलन में इसे अपनाया गया था, आठ विकास लक्ष्यों को 'मिलेनियम विकास लक्ष्यों' (एम.डी.जी.) के नाम से जाना जाता है।
- यह वर्ष 2000 से 2015 तक देशों के लिए उनकी राष्ट्रीय विकास रणनीतियों को आगे बढ़ाने के लिए ब्लूप्रिंट तैयार करता था।
- एम.डी.जी. में आठ लक्ष्य शामिल हैं और इसने विभिन्न विकास मुद्दों को संबोधित किया गया है।

सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.)

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने 70वें सत्र में अगले 15 वर्षों के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) पर विचार किया और इन्हें अपनाया है।
- सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.), 17 "वैश्विक लक्ष्य" का एक सेट है जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे 169 विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया है।
- इन्होंने संयुक्त राष्ट्र के मिलेनियम विकास लक्ष्यों को प्रतिस्थापित किया।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसका नेतृत्व किया जाता है।
- एस.डी.जी. कानूनी रूप से देश के लिए बाध्यकारी नहीं हैं।
- एस.डी.जी., वास्तविक अंतरराष्ट्रीय दायित्व बन गए हैं और अगले पंद्रह वर्षों (2030) के दौरान देशों की घरेलू खर्च प्राथमिकताओं को नई दिशा प्रदान करने की क्षमता रखता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 –सरकारी नीतियां

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>सांस्कृतिक समरसता हेतु टैगोर पुरस्कार</u>**

- वर्ष 2014, 2015 और 2016 के लिए सांस्कृतिक समरसता हेतु टैगोर पुरस्कार से निम्नलिखित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया है-

  (a) राजकुमार सिंह, अजीत सिंह (मणिपुरी नृत्यक के अगुआकार)

  (b) छय्यानॉट (बांग्लादेश का एक सांस्कृतिक संगठन)

  (c) राम वंजीसुतार (भारत की सबसे बड़ी मूर्तिकार)

संबंधित जानकारी

टैगोर पुरस्कार

- टैगोर पुरस्कार, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती के उत्सव दौरान भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया वार्षिक पुरस्कार था।
- पहला टैगोर पुरस्कार वर्ष 2012 में भारतीय सितार वादक पंडित रविशंकर को प्रदान किया गया था और दूसरा वर्ष 2013 श्री जुबीन मेहता को प्रदान किया गया था।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 –महत्वूपर्ण व्यक्तित्व

स्रोत- द हिंदू

8. **भारत ने सी.ए.सी.पी.एम. पुरस्कार 2018 जीता है।**

- भारत को यह पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत मिला है।

1. उन्नयन बंका- बिहार राज्य के बंका जिले की तकनीकों का प्रयोग करते हुए शिक्षा को पुनर्जीवित करने हेतु इसे "इनोवेशन इनक्यूबेशन" के अंतर्गत सम्मानित किया गया है। उन्नयन बंका एक ऐसी पहल है जो "सभी के लिए गुणवत्ता शिक्षा" की परिकल्पना करती है, यह मुख्य रूप से पिरामिड के निचले स्तर के लागों के लिए है।
2. एक अन्य पहल को कर्नाटक सरकार के सहयोग विभाग के "एकीकृत कृषि बाजार" के नाम से जाना जाता है, इसे भी 'लोक सेवा प्रबंधन में अभिनव' की श्रेणी के अंतर्गत चुना गया है।

- प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डी.ए.आर.पी.जी.), कार्मिक मंत्रालय, लोक शिकायतें और लोक पेंशन विभाग लोक प्रशासन और प्रबंधन (सी.ए.पी.ए.एम.) के लिए राष्ट्रमंडल संघ के संस्थागत सदस्य हैं।

संबंधित जानकारी

लोक प्रशासन एवं प्रबंधन राष्ट्रमंडल संघ (सी.ए.पी.ए.एम.)

- यह एक गैर-लाभकारी संगठन है जो 1100 से अधिक वरिष्ठ सरकारी कर्मचारियों, सरकार के प्रमुखों, अग्रणी अकादमियों और अनुसंधानों का प्रतिनिधित्व करता है जो पूरे राष्ट्रमंडल में 50 से अधिक विभिन्न देशों में स्थित हैं।
- सी.ए.पी.ए.एम. वर्ष 1998 से अपने द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय नवाचार पुरस्कार (आई.आई.ए.) कार्यक्रम की घोषणा कर रहा है।
- सी.ए.पी.ए.एम. पुरस्कार सार्वजनिक सेवाओं में नवोन्मेष की भावना का उत्सव मनाता है, यह उन संस्थानों को पहचानने के द्वारा उत्सव मनाता है जिन्होंने सार्वजनिक क्षेत्रों में प्रशासन और सेवाओं को सुधारने के लिए महत्वूपर्ण योगदान दिया है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण पुरस्कार

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

27.10.2018

1. **एम. एस. स्वामीनाथन को प्रथम विश्व कृषि पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।**

- प्रसिद्ध वैज्ञानिक और प्रोफेसर एम. एस. स्वामीनाथन को भारत की हरित क्रांति के मुख्य वास्तुकार के रूप में जाना जाता है, इन्हें प्रथम विश्व कृषि पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- एम. एस. स्वामीनाथन ने यह पुरस्कार, भारतीय खाद्य एवं कृषि परिषद (आई.सी.एफ.ए.) द्वारा "जलवायु परिवर्तन एवं खाद्य सुरक्षा पर स्वामीनाथन वैश्विक वार्ता" पर आयोजित किए गए एक विशेष सत्र में प्राप्त किया है।

संबंधित जानकारी

विश्व कृषि पुरस्कार

- विश्व कृषि पुरस्कार की स्थापना भारतीय खाद्य एवं कृषि परिषद द्वारा की गई है। इस पुरस्कार की स्थापना उन व्यक्तियों को पहचानने के दृटिकोण से की गई है जो विश्व स्तर पर कृषि को परिवर्तित करने और मानवता को भूख के अभिशाप से बचाने में मौलिक भूमिका निभाते हैं।
- विश्व कृषि पुरस्कार वार्षिक रूप से विशेषकर एशिया, अफ्रीका अथवा लैटिन अमेरिकी देशों के व्यक्तियों अथवा संस्थानों को प्रदान किया जाएगा।

प्रोफेसर एम. एस. स्वामीनाथन के संदर्भ में जानकारी

- प्रोफेसर एम. एस. स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में भी जाना जाता है, वह सबसे प्रभावशाली कृषिविद और पर्यावरणविद है।
- उन्होंने भारत में हरित क्रांति आंदोलन का नेतृत्व किया और खाद्य सुरक्षा की दिशा में भारत की अगुआई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- उन्हें पूरे विश्व में आनुवंशिकी, कोशिका आनुवंशिकी, विकिरण और रासायनिक उत्परिवर्तन, खाद्य और जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में उनके आधारभूत और प्रायोगिक अनुसंधानों के लिए जाना जाता है।

- कृषि में हरित क्रांति आंदोलन की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता के कारण संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा "आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र के जनक" के रूप में एम. एस. स्वामीनाथन की सराहना की गई है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – कृषि

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>विश्व की सबसे छोटी प्रकाशीय घूर्णिका विकसित हुई है।</u>**

- वैज्ञानिकों ने विश्व की सबसे छोटी प्रकाशीय घूर्णिका युक्ति विकसित की है।
- यह युक्ति वाहनों, ड्रोन और पहनने योग्य तथा हाथ में पकड़ने योग्य विद्युत युक्तियों की त्रिविमीय अंतरिक्ष में उनके अभिविन्यास को जानने में मदद करती है।
- यह प्राकृतिक पत्रिका फोटोनिक्स में वर्णित वर्तमान अत्याधुनिक युक्ति की तुलना में 500 गुना छोटी है।
- नयी घूर्णिका "पारस्परिक संवेदनशीलता वृद्धि" नामक एक नई तकनीक का उपयोग करके बेहतर प्रदर्शन करती है।
- "इस स्थिति में, " पारस्परिक" का अर्थ है कि यह समान प्रकार से घूर्णिका के भीतर प्रकाश के दोनों किरण-पुंजो को प्रभावित करता है।

संबंधित जानकारी

फाइबर प्रकाशीय घूर्णिका

- एक फाइबर प्रकाशीय घूर्णिका (एफ.ओ.जी.), सिग्नैक प्रभाव का प्रयोग करके अभिविन्यास में इंद्रियों को परिवर्तित करती हैं, इस प्रकार वह एक यांत्रिक घूर्णिका के कार्यो को संपादित करती हैं।
- इसके क्रियान्वन का सिद्धांत 5 कि.मी. लंबी प्रकाशीय फाइबर कुंडली से गुजरने वाले प्रकाश के मार्ग में बाधाओं पर आधारित है।

अनुप्रयोग

- एफ.ओ.जी. का उपयोग फाइबर प्रकाशीय द्विकसुचकों में किया जाता है।
- एफ.ओ.जी. का उपयोग कुछ निर्देशित मिसाइलों के जड़त्वीय नेवीगेशन तंत्र में किया जाता है।
- एफ.ओ.जी. दूरस्थ रूप से संचालित वाहनों और स्वायत्त रूप से पानी के नीचे संचालित वाहनों में एक नेविगेशन सहायता के रूप में हो सकते हैं।
- एफ.ओ.जी. का उपयोग सर्वेक्षण में किया जाता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- साइंस डेली

3. **<u>भारतीय स्तनधारियों के नागरिक-विज्ञान संग्रह हेतु फोटोशूट</u>**

- बैंगलोर में राष्ट्रीय जैविक विज्ञान केंद्र (एन.सी.बी.एस.) के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने भारतीय स्तनधारियों पर नए नागरिक-विज्ञान संग्रह को शुरू किया है जिसे भारत के स्तनधारी (मा.ए.ओ.आई.) कहते हैं।
- मा.ए.ओ.आई., जैव विविधता एटलस (भारतीय परियोजना) का हिस्सा है।
- यह एक ऑनलाइन सहकर्मी-समीक्षा आसानी से पहुँच प्राप्त करने वाला पोर्टल है जिसे एन.सी.बी. द्वारा लांच किया था और इसमें स्तनधारियों की कई फोटो अपलोड की गई हैं।
- ये फोटोग्राफिक रिकॉर्ड देश में स्तनधारियों का वितरण मानचित्र बनाने में हमारी सहायता करेंगे।
- वेबसाइट org का उद्देश्य सभी भारतीय स्तनधारियों पर व्यक्तिगत प्रजातीय पेज विकसित करना है, इस पेज पर इन स्तानधारियों की पहचान, विविधता, वितरण, प्रजनन और गैर प्रजनन पारिस्थितिकी तंत्र और प्रजाति संरक्षण के संदर्भ में जानकारी प्रदान की जाएगी।

सम्बंधित जानकारी

- वर्तमान आंकलन के आधार पर भारत में स्तनधारियों की 426 प्रजातियां पाई जाती हैं।
- उनमें से 47 प्रजातियां भारतीय उपमहाद्वीप के लिए स्थानिक हैं।
- प्रसिद्ध प्रजातियों के साथ चूहे की 100 प्रजातियों, चमगादड़ की 126 प्रजातियों और डॉल्फ़िन के व्हेल की 24 प्रजातियों के स्तनधारियों का समूह है

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>वर्ष 2017 में भारत के सबसे अधिक बाहरी प्रवासी थे: ए.डी.बी. रिपोर्ट</u>**

- ए.डी.बी. की रिपोर्ट, एशियाई आर्थिक एकीकरण रिपोर्ट 2018 से ज्ञात हुआ है कि वर्ष 2017 में अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी भारत के थे, इसके बाद इस वर्ष सबसे अधिक प्रवासियों की संख्या चीन और बांग्लादेश से थी।
- रिपोर्ट में बताया गया है कि तीन अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों में से एक प्रवासी भारत और पी.आर.सी. (पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) के नेतृत्व वाले एशिया द्वीप से थे।
- एशिया निरंतरता से वैश्विक स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों का सबसे बड़ा स्रोत है, जब कि क्षेत्रीय स्थानों की ओर बढ़ने वाले एशियाई प्रवासियों की संख्या में कमी आई है।
- एशिया से अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों के वैश्विक आंकड़े में वर्ष 2015 में 83.6 मिलियन से 3.9 प्रतिशत वृद्धि के साथ वर्ष 2017 में यह आंकड़ा बढ़कर 86.9 मिलियन हो गया है।
- रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में अंत:क्षेत्रीय प्रवासी बड़े पैमाने पर बांग्लादेश (3.1 मिलियन), पाकिस्तान (1.1 मिलियन) और नेपाल (0.5 मिलियन) जैसे पड़ोसी देशों से आते हैं।

संबंधित जानकारी

- अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन के आंकड़ों पर संयुक्त राष्ट्र की सिफारिशें 'एक देश में उपस्थित अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों के आंकड़ों' को इस प्रकार परिभाषित करती हैं कि 'उन लोगों का समूह जिन्होंने कभी अपने सामान्य निवास के देश को बदला हो, इसका यह अर्थ है जिन लोगों ने अपने जीवन का कम से कम एक वर्ष इस देश में व्यतीत किया है इसके अतिरिक्त कि जिस देश में वे रह रहे थे उस समय वहां पर जानकारी एकत्र की गई है:
- अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी आंकड़ों में विभिन्न कारणों से सीमा पार करने वाले व्यक्तियों को शामिल किया जाता हैं, उदाहरण: रोजगार, पारिवारिक पुनर्मिलन, अध्ययन और संघर्ष एवं हिंसा से बचने आदि कारणों से सीमा पार करने वाले व्यक्तियों को शामिल किया जाता है।

एशियाई विकास बैंक

- एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.) एक क्षेत्रीय विकास बैंक है।
- इसका मुख्यालय फिलीपींस में स्थित है।
- ए.डी.बी. को पूर्ण रूप से विश्व बैंक के आधार पर तैयार किया गया है और इसमें समान भारित मतदान प्रणाली है जिसमें मत सदस्यों की पूंजीगत सदस्यता के समानुपात में वितरित किए जाते हैं।
- ए.डी.बी. एक आधिकारिक संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षक है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र एवं विकास

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>भारत और बांग्लादेश ने अंतर्देशीय और तटीय जलमार्ग कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- भारत और बांग्लादेश ने व्यापार और समुद्र-पर्यटन आवागमनों के लिए दोनों देशों के मध्य अंतर्देशीय और तटीय जलमार्ग कनेक्टिविटी को बढ़ाने हेतु कई बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।
- दोनों देशों ने भारत से और भारत की ओर उत्पादों के आवागमन हेतु बांग्लादेश में चट्टोग्राम और मोंगला बंदरगाहों का उपयोग करने हेतु एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इस समझौते में, एक अनुशेष है कि भारत और बांग्लादेश के बीच 'अंतर्देशीय जल पारगमन एवं व्यापार' (पी.आई.डब्ल्यू.टी.टी.) पर प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसे धुबरीन इंडिया और पांगाओनिन बांग्लादेश को पड़ाव बंदरगाहों के रूप में समावेशित करने के लिए हस्ताक्षरित किया गया है।
- दोनों देश प्रोटोकॉल मार्ग में जिओनखली से कोलाघाट तक रूपनारायण नदी (राष्ट्रीय जलमार्ग -86) को शामिल करने और पश्चिम बंगाल में कोलाघाट को नए पड़ाव बंदरगाह के रूप में घोषित करने हेतु विचार करने पर भी सहमत हैं।

- नई व्यवस्था से रुपनारायण नदी पर आई.डब्ल्यू.टी. के माध्यम से भारत से बांग्लादेश तक फ्लाई ऐश, सीमेंट, निर्माण सामग्री आदि के ले जाने की सुविधा होगी।

उत्तर पूर्व राज्य के लिए लाभ

- उत्तर-पूर्वी राज्य जलमार्गों के माध्यम से भारत में कोलकाता और हल्दिया के बंदरगाहों से और बांग्लादेश में मोंगला के बंदरगाह से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ जाएंगे।
- यह एक्जिम कार्गो आंदोलन को सुविधा प्रदान करेगा और रसद लागतों को भी कम करेगा।
- ये नदी पर्यटन सेवाओं के कोलकाता- ढाका - गुवाहाटी -जोरहाट और इनके वापसी क्षेत्रों के मध्य शुरू होने की संभावना है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>अर्थशास्त्र में 0-रिंग सिद्धांत क्या है?</u>**

- इसे आर्थिक विकास के 0-रिंग मॉडल के रूप में भी जाना जाता है।
- यह इस सिद्धांत को संदर्भित करता है कि एक जटिल उत्पादन प्रक्रिया के एक सबसे छोटे से घटक को भी उपयुक्त तरीके से प्रदर्शित करना चाहिए यदि प्रक्रिया के अंतिम उत्पाद का कोई उपयोगी मूल्य होता है।
- दूसरे शब्दों में, छोटे से कामों में होने वाली एक मामूली सी गलती भी उपयोगकर्ता के लिए अंतिम उत्पाद को मूल्यरहित कर सकती है।
- 0-रिंग सिद्धांत का नाम 1986 की घटना से पड़ा जिसमें एक सरल गॉस्केट अथवा 0-रिंग उचित तरीके से काम करने में असफल रही जिसके परिणामस्वरूप चैलेंजर अंतरिक्ष शटल पूरी तरह से नष्ट हो गया था।
- इसे पहली बार वर्ष 1993 में अमेरिकी विकास अर्थशास्त्री माइकल क्रेमर द्वारा प्रस्तावित किया गया था।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>यू.एच.सी. और एस.डी.जी. के प्रति प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अस्ताना, कजाखस्तान में आयोजित किया गया है।</u>**

- संयुक्त राष्ट्र के 192 सदस्य देशों ने अल्मा एटा घोषणा की 40वीं वर्षगांठ पर प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने पर सहमति जताई है।
- अस्ताना घोषणा: न केवल स्वास्थ्य, बल्कि सभी के लिए सस्ती लागत पर स्वास्थ्य।
- सम्मेलन की थीम है: प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल का भविष्य।
- इस घोषणा का मतलब पहले के समझौतों को आगे लाना, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (पी.एच.सी.) प्रणाली को मजबूत करना और सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल (यू.एच.सी.) के विचार को समझना है।

संबंधित जानकारी

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में भारत की भूमिका

- सरकार ने हाल ही में आयुष्यमान भारत- एक पहल शुरू की है जो पैमाने और दायरे में महत्वाकांक्षी है।
- आयुष्यमान भारत के दो घटक हैं: व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की पहुँच प्रदान करने हेतु 1,50,000 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र स्थापित करना और हमारे देश की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या हेतु द्वितीयक एवं तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यक्ताओं का समाधान करने हेतु प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को लागू करना है।
- प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की सफलता के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता और आशाएं निरंतर रूप से महत्वपूर्ण हैं।
- सरकार ने 3 एप्लीकेशन भी लॉन्च किए हैं जिनका उपयोग पूरे देश में स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों पर किया जाता है।

1. प्रजनन बाल स्वास्थ्य (आर.सी.एच.) के लिए एक एप्लीकेशन
2. गैर-संवादात्मक रोगों (एन.सी.डी.) के लिए एक एप्लीकेशन
3. क्षय रोग के लिए एक एप्लीकेशन

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य एवं योजनाएं

स्रोत-पी.आई.बी.

8. **केंद्रीय एच.आर.डी. मंत्री प्रकाश जावेडकर ने 'आई.एम.पी.आर.ई.एस.एस.' योजना का वेब पोर्टल लांच किया है।**

- केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने "सामाजिक विज्ञान में प्रभावशाली नीति अनुसंधान (आई.एम.पी.आर.ई.एस.एस)" योजना का वेब पोर्टल नई दिल्ली में लांच किया है।
- इस योजना के अंतर्गत 1500 अनुसंधान परियोजनाओं को उच्च शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान का समर्थन करने और नीति बनाने हेतु अनुसंधान को सक्षम करने के लिए 2 वर्षों तक सम्मानित किया जाएगा।
- 'आई.एम.पी.आर.ई.एस.एस. योजना के अंतर्गत किए गए शोधों का उपयोग, समाज की समस्याओं को समझने और हल करने के लिए किया जाएगा।

योजना के व्यापक उद्देश्य:

- शासन और समाज पर अधिकतम प्रभाव के साथ सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान प्रस्तावों को पहचानना और वित्त पोषित करना।
- यू.जी.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त 12 (B) स्थिति वाले निजी संस्थानों सहित देश के सभी विश्वविद्यालयों (केंद्रीय एवं राज्य) को शामिल करते हुए देश में किसी भी संस्थान में सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं के लिए अवसर प्रदान करना।
- आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा वित्त पोषित/ मान्यता प्राप्त शोध संस्थान भी दिए गए विषयों और उप-विषयों पर शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करने के योग्य होंगे।

टॉपिक- जी. एस. पेपर -2- सरकारी योजनाएं

स्रोत-पी.आई.बी.

29.10.2018

1. **चुनावी बॉन्ड योजना 2018**

- छठे चरण की बिक्री में भारतीय स्टेट बैंक को अपनी 29 प्राधिकृत शाखाओं के माध्यम से चुनावी बांड जारी करने और रद्द करने के लिए अधिकृत किया गया है।

चुनावी बॉन्ड योजना

- यह योजना वर्ष 2017 के बजट के दौरान घोषित की गई थी जिसका उद्देश्य सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को दान दी गई धनराशि का आंकलन करना था।
- यह देश में राजनीतिक वित्त पोषण प्रणाली को साफ करने में मदद करता है।
- एक चुनावी बॉन्ड को प्रोमिसरी नोट और ब्याज मुक्त बैंकिंग उपकरण जैसे धारक उपकरण के रूप में डिजाइन किया गया है।
- चुनावी बॉन्ड का 15 दिनों का जीवनकाल होगा और इन्हें केवल भारतीय स्टेट बैंक की निर्दिष्ट शाखाओं से ही खरीदा जा सकता है।
- चुनावी बॉन्ड को 1,000 रुपये, 10,000 रुपये, 1 लाख रुपये, 10 लाख रुपये या 1 करोड़ रुपये के गुणजों के रूप में किसी भी मूल्य का खरीदा जा सकता है।
- दाता, अपनी पसंद की पार्टी में बांड दान कर सकते हैं जिसे 15 दिनों के भीतर पार्टी के सत्यापित खाते के माध्यम से कैश किया जा सकता है।
- एक भारतीय नागरिक अथवा भारत में निगमित निकाय, बॉन्ड खरीदने के लिए योग्य है।
- चुनावी बॉन्ड का इस्तेमाल केवल जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 29 A के अंतर्गत पंजीकृत राजनीतिक दलों को दान देने के लिए ही किया जा सकता है और जिन राजनीतिक दलों ने लोकसभा अथवा राज्य सभा के लिए पिछले सामान्य चुनावों में मतदान किए गए वोटों में से एक प्रतिशत से भी कम वोट नहीं प्राप्त किए हैं।
- **इन बॉन्डों में भुगतानकर्ता का नाम नहीं होगा।**

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – सरकारी योजना

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **वैज्ञानिकों ने फेसबुक, ट्विटर पर नकली खबरों की निगरानी करने हेतु एक वेब-आधारित उपकरण विकसित किया है।**

- अमेरिका में मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर नकली समाचार के प्रसार की निगरानी करने में सहायता करने हेतु एक वेब-आधारित टूल विकसित किया है।
- यह वेब-आधारित टूल एक प्लेटफॉर्म हेल्थ मीट्रिक का उपयोग करता है जिसे इफ्फी क्योशेंस कहा जाता है।
- यह दो बाहरी इकाइयों से डेटा प्राप्त करेगा: न्यूजहिप और मीडिया बायस/ फैक्ट चेकर से डाटा प्राप्त करेगा।

न्यूजविहप

- यह एक सोशल मीडिया इंगेजमेंट ट्रैकिंग फर्म है।
- न्यूजविहप प्रतिदिन सैकड़ों, हजारों साइटों पर यू.आर.एल. एकत्र करता है और फिर उन साइटों पर एकत्र जानकारियां जो फेसबुक और ट्विटर पर इंगेज हैं उन्हें एकत्र करता है।
- दो सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर शीर्ष 5,000 सबसे लोकप्रिय यू.आर.एल. के लिए इफी क्यूशेंस, न्यूजविहप से पूंछता है।

मीडिया बायस/ फैक्ट

- यह एक स्वतंत्र साइट की जांच करेगा जो अपनी विश्वसनीयता और पूर्वाग्रह के आधार पर विभिन्न स्रोतों को वर्गीकृत करेगी।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- ए.आई.आर.

3. **<u>मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि (एफ.आई.डी.एफ.)</u>**

- मंत्रिमंडल ने विशेष मत्स्यपालन एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि के निर्माण के लिए मंजूरी प्रदान की है।
- राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम और सभी अनुसूचित बैंक, प्रधान ऋण संस्थाएं होंगी।

लाभ

- यह समुद्री और अंतर्देशीय मत्स्यपालन क्षेत्र दोनों में मत्स्य पालन बुनियादी सुविधाओं के निर्माण में मदद करेगा।
- नीली क्रांति के अंतर्गत निर्धारित किए गए वर्ष 2020 तक 15 मिलियन टन मछली के उत्पादन के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु मछली उत्पादन को बढ़ाएगा।
- यह निधि 8-9 प्रतिशित की सतत विकास दर को प्राप्त करने में मदद करेगी, इसके अतिरिक्त यह वर्ष 2022-23 तक मछली उत्पादन को लगभग 20 एम.एम.टी. के स्तर तक ले जाने में भी मदद करेगी।
- यह मछली पकड़ने और संबद्ध गतिविधियों में लाखों मछुआ/ मछुआरों /मल्लाहों और अन्य उद्यमियों को रोजगार के अवसर प्रदान करेगी।
- मत्स्य पालन बुनियादी सुविधाओं के निर्माण और प्रबंधन हेतु निजी निवेश को आकर्षित करना।
- यह निधि लोगो के इस समूह की नई तकनीकों को अपनाने में सहायता करती है।

संबंधित जानकारी

- एफ.आई.डी.एफ. मत्स्य पालन विकास की मान्यता प्राप्त निवेश गतिविधियों को लेने के लिए राज्य सरकारों/ केंद्रशासित प्रदेशों और राज्य संस्थाओं, सहकारी समितियों, व्यक्तियों और उद्यमियों आदि को रियायती वित्त प्रदान करेगा।
- ऋण प्रदान करने की समयावधि वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 तक पांच वर्षों की होगी और अधिकतम पुनर्भुगतान 12 वर्ष की अवधि में होगी।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

4. **<u>उड़िया वर्चुअल अकादमी: उड़िया भाषा, साहित्य को प्रोत्साहित करने हेतु पोर्टल है।</u>**

- ओडिशा सरकार ने उड़िया भाषा और साहित्य को प्रोत्साहित करने हेतु एक नया वेब पोर्टल, ओडिया वर्चुअल अकादमी (ova.gov.in) लांच किया है।
- उड़िया साहित्य के डिजिटलीकरण और सॉफ्टवेयर के विकास में तेजी लाने के लिए शिकागो लाइब्रेरी विश्वविद्यालय, सी-डैक और सेंटर फॉर इंटरनेट एंड सोसाइटी, बैंगलोर के साथ तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

संबंधित जानकारी

- ओडिया वर्चुअल अकादमी ने उड़िया भाषा और साहित्य के प्रोत्साहन, संरक्षण और डिजिटलीकरण की जिम्मेदारी ली है।
- यह पोर्टल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, विशेषकर अनिवासी उड़िया निवासियों हेतु उड़िया भाषा के प्रोत्साहन हेतु विशेष रूप से सहायक होगा।
- अकादमी की वेबसाइट पर ओडिया साहित्य की लगभग 170 किताबें उपलब्ध हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

5. **<u>पॉली-ऑक्जिम जेल: जहरीले कीटनाशकों से किसानों की रक्षा करता है।</u>**

- पॉली-आक्जिम जेल को शोधकर्ताओं द्वारा स्टेम सेल साइंस और रीजनरेटिव मेडिसिन संस्थान (इनस्टेम), बैंगलोर में एक न्यूक्लियोफीलिक बहुलक से तैयार किया गया है।

यह जेल ही क्यों?

- भारतीय किसान सामान्यत: खेतों में रसायनों का छिड़काव करते समय किसी प्रकार की सुरक्षात्मक सामग्री नहीं पहनते हैं।
- जिससे कि वे कीटनाशकों में निहित हानिकारक विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आते हैं जिससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ते हैं और चरम परिस्थितियों में उनकी मृत्यु भी हो सकती है।

यह किस प्रकार काम करता है?

- इस जेल को त्वचा पर लगाया जा सकता है और यह कीटनाशकों, कीटाणुनाशकों और कवकनाशकों में पाए जाने वाले जहरीले रसायनों सहित सबसे अधिक खतरनाक और व्यापक रूप से प्रयोग किए जाने वाले कार्बनिक फॉस्फोरिक यौगिकों के नकारात्मक प्रभावों को समाप्त करता है।
- यह जेल इन रसायनों को निष्क्रिय करता है, इन्हें त्वचा और मस्तिष्क एवं फेफड़े जैसे अंगो में गहराई तक जाने से रोकता है।

संबंधित जानकारी

- कीटनाशकों में मौजूद रसायनों के संपर्क में आने से आप एसिटिल कॉलिनईस्टर (ए.सी.एच.ई) नामक एंजाइम के संपर्क में आते हैं जो कि हमारे तंत्रिका तंत्र में उपस्थित होता है और न्यूरोमस्कुलर क्रियाकलापों हेतु महत्वूपर्ण होता है।
- जब रासायनिक कीटनाशक, त्वचा के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर इसकी कार्यप्रणाली को बाधित करते हैं तो इससे न्यूरोटॉक्सिसिटी हो सकती है जो एक प्रकार की संज्ञानात्मक अक्षमता और गंभीर मामलों में यह मौत का कारण बन सकती है।
- जब चूहों पर जेल लगाया गया और उन्हें कीटनाशक एम.पी.टी. की घातक खुराक दी गई तो इससे उनके ए.सी.एच.ई. स्तर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ, जिससे यह साबित होता है कि यह त्वचा के माध्यम से कीटनाशकों के प्रवेश को रोकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>किसानों की आय को दोगुना करने के लिए राज्यपालों के पैनल ने राष्ट्रपति के समक्ष 21 सिफारिशें पेश की हैं।</u>**

- राष्ट्रपति द्वारा गठित राज्यपालों की एक समिति ने देश में किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कृषि के दृष्टिकोण पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है।
- इस पैनल के अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाइक हैं।
- इस पैनल ने जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों में कमी, खारी और पानी से सनी मिट्टी, भूमि अधिग्रहण के क्षेत्रों में कमी, पर्याप्त भंडारण और प्रसंस्करण सुविधाओं की कमी आदि समेत विभिन्न समस्याओं पर विचार किया है।

रिपोर्ट के परिणाम-

- इस समिति ने जलवायु-तन्यक और इनपुट-दक्ष किस्मों के विकास, क्षेत्रीय विशिष्ट फसलों के लिए विशेष कृषि क्षेत्र और क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन अनुदान देने की सिफारिशें की हैं।
- इस समिति ने अधिक बुआई वाले क्षेत्रों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रीमियम दरों को 5 से घटाकर 2.5 प्रतिशत करने का सुझाव दिया है।

- इस समिति ने कृषि गतिविधियों में महिलाओं को प्रोत्साहित करने का भी सुझाव दिया है क्यों कि पुरुष-वर्चस्व वाले इस क्षेत्र पर प्रवासन का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- यह भी कहा गया है कि प्रत्येक जिले में एक कृषक शिकायार निवारण इकाई अथवा कृषक शिकायत संबोधन प्रणाली होनी चाहिए।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **<u>हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र में परागण के लिए कीट महत्वपूर्ण हैं।</u>**

- कीट को व्यापक रूप से कीड़ों के रूप में माना जाता है लेकिन हाल ही में भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों के अध्ययन से पता चला है कि कीटों के ये समूह हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र में कई फूल वाले पौधों के लिए परागकण हैं।
- यह अध्ययन अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में किया गया था।
- कीटों के परिवारों से संबंधित विभिन्न कीटों की शोषक-नलिका है, जैसे: ऐरेबिडे और स्फिनगिडे।
- रोडोडेंड्रन समेत कई फूल वाले पौधों के पराग इकठ्ठा करने हेतु ये प्रजातियां पाई जाती हैं।

संबंधित जानकारी

- विश्व के लगभग 90% फूल वाले पौधे, जानवरों द्वारा परागित किए जाते हैं।
- फूल वाले पौधों के मध्य अनुवांशिक विनिमय और पौधों के मध्य जैवविविधता हेतु परागकण आवश्यक होते हैं।
- शोधकर्ताओं ने बताया है कि पिछले 40 वर्षों के दौरान विश्व के कुछ हिस्सों में सामान्यत: वृहद रूप से पाए जाने वाली कीट प्रजातियों में दो-तिहाई की कमी आयी है।
- कीट प्रजातियों में कमी के प्रमुख कारणों में से एक कारण, प्रकाश प्रदूषण (कृत्रिम प्रकाश में कीटों के आवास में वृद्धि) है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>प्रवासी पक्षी, चिल्का पहुँचने लगे हैं, संख्या में कमी आयी है।</u>**

- ओडिशा के चिल्का झील की आद्रभूमि, प्रवासी पक्षियों के लिए एशिया में सबसे बड़े शीतकालीन मैदानों में से एक है।
- प्रत्येक वर्ष सर्दियों की शुरुआत के साथ प्रवासी पक्षियों का इंतजार रहता है लेकिन इस वर्ष झील की कीचड़दार भूमि पर पंखों वाले आगंतुक उतरे हैं।

संबंधित जानकारी

चिल्का झील

- यह झील वर्ष 1981 से रामसर क्षेत्र (अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आद्रभूमि) के नाम से नामांकित है।
- ये बारिश से प्रेरित बाढ़ग्रस्त झील हैं।
- नालाबना पक्षी अभयारण्य और मंगलाजोड़ी दो ऐसे प्रमुख स्थान हैं जहां पर प्राय: सामान्य संख्या में पक्षी एकत्र नहीं होते हैं।
- कम संख्या में पक्षियों के एकत्रित होने के प्रमुख कारणों में से एक, चक्रवात तितली के ओडिशा तट से टकराने के कारण उत्पन्न हुई निरंतर वर्षा के कारण आने वाली बाढ़ है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>भारतीय रेलवे, विश्व की सबसे ऊंची रेलवे लाइन का निर्माण कर रही है।</u>**

- भारतीय रेलवे, भारत-चीन सीमा के सामांनांतर संचालित की जाने वाली विश्व की सबसे बड़ी रेलवे लाइन के माध्यम से नई दिल्ली को लद्दाख क्षेत्र से जोड़ने की योजना बना रहा है।
- राष्ट्रीय परिवाहक, भारत-चीन सीमा के समानांतर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बिलासपुर-मनाली-लेह लाइन का निर्माण करने की योजना बना रहा है।
- इस रेल लाइन पर औसत समुद्र तल से 5,360 मीटर की ऊँचाई पर उच्चतम सड़क बिंदु होगा, जिसकी तुलना केवल चीन की किनघाई-तिब्बत रेलवे लाइन से की जा सकती है, जो लगभग 2000 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।

संबंधित जानकारी

- यह सभी प्रकार के मौसमों में सशस्त्र बलों तक त्वरित पहुँच प्रदान करता है।
- यह रेलवे लाइन सुंदर लद्दाख क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगी जो कि वर्तमान में सड़क और वायु मार्ग से जुड़ा हुआ है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विकास एवं पर्यावरण

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

30.10.2018

1. **<u>सी.एस.आई.आर. ने स्वास, सफल और स्टार नामक कम प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे विकसित किए हैं।</u>**

- सी.एस.आई.आर. के वैज्ञानिकों ने कम प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे विकसित किए हैं जो न केवल पर्यावरण अनुकूल हैं बल्कि परंपरागत पटाखों की तुलना में 15-20% तक सस्ते हैं।
- इन पटाखों के नाम क्रमश: सेफ वाटर रिलीसर (एस. डब्ल्यू.ए.एस.), सेफ मिनिमल एल्युमिनियम (एस.ए.एफ.ए.एस.) और सेफ थर्माइट क्रैकर (एस.टी.ए.आर.) हैं।
- एस.डब्ल्यू.ए.एस. पटाखों में पोटैशियम नाइट्रेट (KNO_3) और सल्फर का प्रयोग नहीं किया गया है जिसके परिणामस्वरूप SO2 और NOx के कणिका तत्वों में (30-35 प्रतिशत) तक की कमी आयी है।
- स्टार पटाखों में भी KNO_3 और सल्फर का प्रयोग नहीं किया गया है जिसके परिणामस्वरूप SO2 और NOx के कणिका तत्वों में (30-35 प्रतिशत) तक की कमी आयी है।
- सफल पटाखों में एल्युमिनियम की बहुत कम मात्रा (केवल शुरू करने हेतु फ्लैश पाउडर में) का प्रयोग किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप वाणिज्यिक पटाखों की तुलना में कणिका तत्वों में (35-40) प्रतिशत की महत्वूपर्ण कमी आयी है।
- शोधकर्ताओं ने एल्यूमीनियम को मैग्नीशियम से प्रतिस्थापित करने का निर्णय लिया है, उन्होंने ऐसा इस आधार पर किया है कि यह ज्वलन तापमान को कम करता है और इसके परिणामस्वरूप पटाखों से उत्पन्न होने वाले कणिका तत्वों में कमी आएगी।

संबंधित जानकारी

- नए पटाखों का विकास दो राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं- कराईकुडी, तमिलनाडु आधारित केंद्रीय वैद्युतरसायन अनुसंधान संस्थान (सी.ई.सी.आर.आई.) और नागपुर आधारित राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (एन.ई.ई.आर.आई.) के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है।
- सी.ई.सी.आर.आई. के शोधकर्ताओं ने 'जिलजिल' और परमाणु बम कहे जाने वाले फूलदान के रासायनिक फार्मूलेशन को संशोधित करके हरित पटाखें विकसित किए हैं।

सी.एस.आई.आर.-एन.ई.ई.आर.आई. के संदर्भ में जानकारी-

- सी.एस.आई.आर.- राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, एक शोध संस्थान है जो भारत सरकार द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत बनाया और वित्त पोषित किया गया है।
- पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एन.ई.ई.आर.आई. एक अग्रणी प्रयोगशाला है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद का हिस्सा है।
- इसे वर्ष 1958 में नागपुर में जल आपूर्ति, सीवेज निपटान, संक्रमणीय बीमारियों, औद्योगिक प्रदूषण और व्यवसायिक बीमारियों के निपटान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया था। यह स्वतंत्रता पूर्व भारत में सामान्यत: पाई जाने वाली समस्याएं थी।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डान टू अर्थ

2. **<u>आरे का चिपको आंदोलन</u>**

- मुंबई के नागरिक शहर के अंतिम हरित क्षेत्र आरे को बचाने हेतु बी.एम.सी. और एम.एम.आर.सी. से पूरे प्रयासों के साथ लड़ रहे हैं।

- मेट्रो-3 कार शेड परियोजना के लिए गोरेगांव में आरे मिल्क कॉलोनी में 2,702 पेड़ों को काटने के बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के प्रस्ताव के खिलाफ मध्य अक्टूबर माह में नागरिकों और कार्यकर्ताओं के द्वारा हजारों सुझाव और आपत्तियां दर्ज करायी गई हैं।

संबंधित जानकारी

- आरे, एक समय वनों के पर्णपाती विस्तार का हिस्सा था, जो अब बगल में स्थित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और छोटी पहाड़ियों तक ही सीमित है।
- जब आरे डेयरी सहकारी का निर्माण किया गया था तो घास के मैदान, झाड़ियां, कच्छ भूमि और जल निकायों के खुले पारिस्थिकी तंत्र का निर्माण करने हेतु जंगल की मोटाई कम कर दी गई थी। जिससे प्रजातियों के रूचिकर संयोजन को शरण मिलती थी।
- बड़े खुले पैरा घास के मैदान मुनियास, ड्रोंगो के मैदानों और सफेद बगुलों का पालन पोषण कर रहे हैं, जिन्हें कार शेड के लिए प्रस्तावित किया गया है।
- इन घास के मैदानों को पोषित करने वाली नालियों में देशी मछली प्रजातियों, केकड़े, झींगा और चेकर्ड कीलबैक पानी के सांप रहते हैं जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत अनुसूची II प्रजातियों के आधार पर संरक्षित हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>ओडिशा ने अपने तटों के लिए आपदा चेतावनी प्रणाली की शुरूआत की है।</u>**

- ओडिशा सरकार ने बहु प्रतीक्षित प्रारंभिक चेतावनी प्रसार प्रणाली की शुरूआत की है।
- यह भारत में इस प्रकार की पहली तकनीक है जो एक साथ तटीय समुदायों और मछुआरों को सायरन टावरों के माध्यम से आने वाले चक्रवात और सुनामी के बारे में चेतावनी देने में मदद करती है।
- ई.डब्ल्यू.डी.एस., केंद्रीय और राज्य सरकारों का एक सहयोगी प्रयास है और इसे विश्व बैंक की सहायता से लागू किया गया है।
- राज्य के 480 कि.मी. लंबे तट के समांतर लगाए गए 122 टावरों से सायरन बजेंगे यदि भुवनेश्वर में राज्य आपातकालीन केंद्र में एक बटन दबाया जाए।

संबंधित जानकारी

- इसमें सैटेलाइट आधारित मोबाइल डेटा वॉयस टर्मिनल, डिजिटल मोबाइल रेडियो, मास मैसेजिंग सिस्टम और अंतरकार्यकारिता हेतु यूनीवर्सल कम्यूनिकेशन इंटरफ़ेस जैसी तकनीकें शामिल हैं।
- यह राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण परियोजना के अंतर्गत अंतिम-मील कनेक्टिविटी कार्यक्रम का हिस्सा है और इसका उद्देश्य चक्रवात आने की स्थिति में समुद्र के पास रहने वाले अंतिम व्यक्ति को सूचित करना है।
- गहरे समुद्रों में मछली पकड़ने वाले मछुआरों तक भी ई.डब्ल्यू.डी.एस. के माध्यम से उनके मोबाइल फोन पर मास एस.एम.एस के द्वारा संदेश पहुँचाया जा सकता है।
- ई.डब्ल्यू.डी.एस. के अंतर्गत बालासोर, भद्रक, जगतसिंहपुर, केंद्रपारा, पुरी और गंजम नामक छह तटीय जिलों को कवर किया गया है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>भारत का सबसे बड़ा ड्राइ डॉक कोचीन शिपयार्ड में आने वाला है।</u>**

- यह कोचीन शिपयार्ड में जहाजों के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव के लिए भारत का सबसे बड़ा ड्राइ डॉक है।
- यह ड्राइ डॉक, सागरमाला (बंदरगाहों के निर्माण और आधुनिकीकरण हेतु कार्यक्रम) के अंतर्गत 'मेक इन इंडिया' पहल को गति प्रदान करेगा और वैश्विक जहाज निर्माण में भारत के हिस्से को 2% तक बढ़ाएगा।
- यह डॉक एल.एन.जी. कैरियर, ड्रिल जहाज, जैक-अप जहाज की रस्सियों, बड़े ड्रेजरों, भारतीय नौसेना के लिए विमान वाहक और उच्च कोटि शोध जहाजों जैसे विशेष और तकनीकी रूप से उन्नत बड़े जहाजों का निर्माण करने में सक्षम होगा।

संबंधित जानकारी

- वर्तमान में भारत वैश्विक जहाज निर्माण बाजार में 66% की हिस्सेदारी रखता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – ढांचागत विकास

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>स्वच्छ न्यायालय परियोजना</u>**

- स्वच्छ न्यायालय परियोजना का उद्देश्य न्यायालयों में सामान्य साफ-सफाई का ख्याल रखना और बाथरूम का निर्माण एवं रख-रखाव करना है।
- यह कचरे को प्रकल्पित करने और पुराने मुकदमों की फाइलों की छटांई हेतु आवश्यक तंत्र को भी तैयार करता है।
- यह महिला, पुरूषों और विकलांगो के लिए उपयोग अनुकूलतम शौचालय की सुविधा भी प्रदान करेगा।
- यह परियोजना प्रमुख रूप से केंद्र सरकार की प्रमुख योजना स्वच्छ भारत अभियान की तर्ज पर है।
- इस परियोजना के दायित्व का निर्वाह नीति आयोग, केंद्रीय पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय के साथ न्याय विभाग द्वारा निभाया जाएगा।

संबंधित जानकारी

- इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत सभी सर्वोच्च न्यायालय, सभी उच्च न्यायालय और 3,388 अधीनस्थ न्यायालय शामिल होंगे।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – सरकारी योजना

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>आई.एन.एफ. संधि</u>**

- अमेरिका, शीत युद्ध के समय के डर को वापस लाने हेतु 1987 माध्यमिक-क्षेत्र परमाणु बल संधि से बाहर निकलने की योजन बना रहा है।
- यह संधि वर्ष 1987 में राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन और मिखाइल गोर्बाचेव द्वारा समाप्त की गई थी।
- आई.एन.एफ. संधि, वाशिंगटन और मॉस्को के मध्य एक द्विपक्षीय समझौता था।
- आई.एन.एफ. संधि के अंतर्गत, अमेरिका और सोवियत संघ ने 500 से 5,500 कि.मी. के बीच की रेंज वाली किसी भी जमीन-आधारित बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को विकसित, उत्पादित, रखने अथवा तैनात नहीं करने पर सहमति जतायी थी।
- इस संधि में समान श्रेणी में हवा से मार करने वाली और समुद्र-आधारित मिसाइल प्रणाली को शामिल नहीं किया गया था।
- एस.एस.-20 बैलिस्टिक मिसाइलों की रूसी तैनाती और पर्सिंग-2 रॉकेट के साथ अमेरिकी प्रतिक्रिया पर यूरोप में वर्ष 1980 में भारी जनता उन्माद के परिणामस्वरूप यह संधि लागू की गई थी।
- आई.एन.एफ. संधि, यूरोप में होने वाले परमाणु युद्ध के डर को दूर करने में मदद करती थी।
- यह संधि वाशिंगटन और मॉस्को के मध्य थोड़ा विश्वास पैदा करती थी और शीत युद्ध के अंत में भी इसका योगदान रहा था।

संबंधित जानकारी

समस्या क्या हैं?

- अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, चीन के विशाल मिसाइल शस्त्रागार का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा- अनुमानित रूप से लगभग 2,000 रॉकेट हैं- मध्यवर्ती सीमा में है और यदि बीजिंग आई.एन.एफ. संधि का हिस्सा होता तो यह अवैध होगा।
- विशाल चीनी भूमि आधारित मध्यवर्ती रेंज मिसाइल बलों ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में तैनात अमेरिकी नौसेना के जहाजों को धमकी दी और जापन में अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बनाया था। चीनी मिसाइलों के प्रति प्रशांत क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सैना की कमजोरी, इसके बदले में यह अपने एशियाई सहयोगियों के लिए अमेरिकी सुरक्षा प्रतिबद्धता की विश्वसनीयता को कमजोर करती है।
- अमेरिकी सैन्य नेतृत्व लंबे समय से प्रयासरत था कि आई.एन.एफ संधि द्वारा एशिया में अमेरिकी मिसाइल बलों पर लगाई गई सीमाओं को हटाया जाएं।

भारत के संदर्भ में संधि

- इनके मिसाइल कार्यक्रम की प्रकृति की तुलना में हथियार नियंत्रण कूटनीति के साथ भारत की समस्या कम होने लगी हैं।
- यदि अमेरिका, चीन को राकने हेतु अपनी क्षमताओं को बढ़ाने हेतु एशिया में एक नया आई.एन.एफ. तैनात करता है तो बीजिंग प्रतिक्रिया देने हेतु बाध्य है।
- मॉस्को और बीजिंग ने पहले से ही हाइपर्सोनिक सिस्टम के विकास में निवेश किया है।
- भारत में भी हाइपर्सोनिक मिसाइलों पर शोध चल रहा है- सुपरसोनिक ब्राह्मोस मिसाइलों का निर्माण करने के लिए रूस के साथ सहयोग में कार्य चल रहा है और यह मिसाइल कुछ हद तक स्वदेशी भी है, यह मिसाइल, ध्वनि की दोगुनी से अधिक गति से हमला करेगी।
- इस समस्या के कारण, मॉस्को उन्नत सैन्य प्रणाली, बढ़ती जांच और दबाव के दायरे में आ जाएगी।
- रूस से एस-400 के अधिग्रहण पर हाल ही में हुए विवाद का परिणाम है जो भारत की आवश्यकता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- न्यूयॉर्क टाइम्स

7. **<u>केंद्र ने प्राथमिक आधार पर ऑपरेशन ग्रीन को सहमति प्रदान की है।</u>**

- इस योजना को उच्च उत्पादन वाले क्षेत्रों में टमाटर, प्याज और आलू के वार्षिक मूल्य संकट को नियंत्रित करने के लिए तैयार किया गया था।
- इस ऑपरेशन की घोषणा वर्ष 2018 के बजट सत्र के भाषण के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा की गई थी और दावा किया गया था कि यह ऑपरेशन बागवानी फसल उत्पादकों को समर्थन प्रदान करेगा।
- इस योजना का उद्देश्य सब्जियों को अधिक उत्पादन वाले क्षेत्रों से कम उत्पादन वाले क्षेत्रों में भेजना है और शेल्फ लाइफ को बढ़ाने के लिए भंडारण प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाने हेतु ढांचागत संरचना का निर्माण करना है।
- सरकार ने चयनित अधिशेष क्षेत्रों में मूल्य श्रृंखला और प्रसंस्करण उद्योग बनाने का निर्णय लिया है।

संबंधित जानकारी

ऑपरेशन ग्रीन क्या है?

- ऑपरेशन ग्रीन में अल्पावधि और दीर्घकालिक घटक हैं।
- अल्पकालिक घटक के लिए बजट में 50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस बजट के अंतर्गत, शीर्ष उत्पादनों के परिवहन और भंडारण की सुविधा हेतु सरकार, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (एन.ए.एफ.ए.डी.) के साथ 50 प्रतिशत लागत साझा करेगी।
- दीर्घकालिक घटक हेतु बजट में 450 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, इसका उद्देश्य मूल्य श्रृंखला, कोल्ड स्टोरेज, पैकेजिंग, छटॉई, ग्रेडिंग और प्रसंस्करण उद्योग को विकसित करना है।
- समिति ने सुझाव दिया कि संपदा जैसी समान योजनाओं और कृषि प्रक्रियाओं के लिए बुनियादी ढांचे, पूर्व और भविष्य के संबंधों का निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण क्षमताओं का निर्माण/ विस्तार जैसी नई योजनाओं से भी अतिरिक्त निधियां प्राप्त की जा सकती हैं।
- संपदा एक योजना है जिसमें वर्तमान में चल रही योजनाएं (मेगा फूड पार्क, एकीकृत शीत श्रृंखला और मूल्य वृद्धि बुनियादी ढांचा, खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन बुनियादी ढांचा आदि) शामिल हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – कृषि योजना

स्रोत- डाउन टू अर्थ

8. **<u>ट्रेन 18: देश की पहली इंजन-लेस ट्रेन शुरू की गई है।</u>**

- भारत की पहली इंजन-लेस सेमी-हाई स्पीड ट्रेन- "ट्रेन 18" - इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आई.सी.एफ.) द्वारा शुरू की गई है।
- यह ट्रेन अंततः शताब्दी एक्सप्रेस को अंतर-शहर यात्रा के लिए प्रतिस्थापित करेगी।
- 16-कोच सेमी-हाई स्पीड 'ट्रेनसेट' को 160 कि.मी./ घंटे की अधिकतम क्रियान्वन गति के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- यह बिना लोकोमोटिव (इंजन) की पहली लंबी दूरी की रेल है।
- सभी कोच एकीकृत पुल प्लेटों के साथ पूरी तरह सील किए गए गैंगवेज से जुड़े हुए हैं, जहां यात्री एक कोच से दूसरे कोच में स्वतंत्र रूप से जा सकते हैं।
- अब रेलवे एक अन्य परियोजना पर ध्यान केंद्रित करेगा- ट्रेन 20 –यह अगली पीढ़ी एल्यूमीनियम-बॉडी स्लीपर क्लास ट्रेन है जो वर्तमान नेटवर्क पर चल रही राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनों को प्रतिस्थापित करेगी और इसे वर्ष 2020 तक शुरू करने की उम्मीद है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इकानॉमिक टाइम्स

31.10.2018

1. **<u>मृदा जैव विविधता के गंभीर खतरे का सामना करने वाले राष्ट्रों में भारत भी शामिल है: डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ.</u>**

- प्रकृति संरक्षण हेतु विश्वव्यापी कोष (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर) द्वारा तैयार वैश्विक मृदा जैव विविधता एटलस के अनुसार भारत की मृदा की जैव विविधता गंभीर खतरे में है।
- ये निष्कर्ष द्विवार्षिक लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2018 के भाग थे।
- इस वर्ष की रिपोर्ट का एक प्रमुख पहलू मृदा जैव विविधता और परागणों के लिए खतरा है।
- मृदा जैव विविधता के अंतर्गत सूक्ष्म जीवों, सूक्ष्म जीवों (उदाहरण के लिए सूत्रकृमि और टार्डिग्रेड्स) और लघु-जीवों (चींटियों, दीमक और केचुओं) की उपस्थिति होती है।
- डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. का 'जोखिम सूचकांक' पूरे विश्व को ऊपरी भूमि की विविधता नष्ट होने, प्रदूषण और पोषण की अधिकता, अधिक चारागाह, सघन कृषि, अग्नि, मृदा क्षरण, मरूस्थलीकरण और जलवायु परिवर्तन के खतरों का संकेत देता है।

संबंधित जानकारी

- जैव विविधता हानि के दो प्रमुख कारण प्राकृतिक संसाधनों और कृषि का अधिक शोषण करना हैं।
- मछली, पक्षियों, स्तनधारियों, उभयचरों और सरीसृपों की जनसंख्या में वर्ष 1970 से 2014 तक औसतन 60% की कमी आयी है और ताजे पानी में रहने वाली प्रजातियों में की संख्या में 83% की कमी आई है।
- वर्ष 1960 से वैश्विक पारिस्थितिकीय पदचिह्न में 190% से अधिक की वृद्धि हुई है।
- वैश्विक स्तर पर वर्ष 1970 से झीलों के क्षेत्रों में 87% तक की कमी आयी है।

इन समस्याओं का मुकाबला कैसे करें?

- डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. ने तीन आवश्यक चरण बताए हैं:
- जैव विविधता को पुन: प्राप्त करने हेतु स्पष्ट रूप से एक लक्ष्य निर्धारित करना।
- प्रगति के मापक और प्रासंगिक संकेतकों के एक समूह को विकसित करना।
- उन कार्यों के समूह पर सहमत होना जो सामूहिक रूप से आवश्यक समय सीमा के भीतर लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

<u>2. भारत और जापान ने 75 अरब डॉलर के मुद्रा विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>

- टोक्यों में भारतीय प्रधानमंत्री और उनके जापानी समकक्ष शिंजो अबे के मध्य वार्षिक समिति बैठक के बाद भारत और जापान ने 75 अरब डॉलर के मुद्रा विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- मुद्रा विनिमय संधि, दो प्रमुख एशियाई अर्थव्यवस्थाओं को 75 बिलियन तक के अमेरिकी डॉलर के विरूद्ध या तो भारतीय रूपए में या जापनी येन मे अपनी स्थानीय मुद्राओं को विनिमय करने में सक्षमता प्रदान करेंगी।
- यह संधि भारत के लिए एक बड़ी सहायता होगी क्यों कि यह संधि इस समय हुई है जब अमेरिका में ब्याज दरों में होने वाली क्रमिक वृद्धि के कारण रूपया गिर रहा है जिससे कि बाजार में अमेरिकी डॉलर मजबूत हो रहा है।

- भारत के चालू खाता घाटे को वित्त पोषित करने पर मुद्रा विनिमय समझौते का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

संबंधित जानकारी

इससे पहले भारत ने कम धनराशि के लिए जापान के साथ मुद्रा विनिमय समझौते में प्रवेश किया था।

- वर्ष 2013 में, दोनों पक्षों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) और बैंक ऑफ जापान के मध्य द्विपक्षीय मुद्रा विनिमय व्यवस्थापन को 15 अरब डॉलर से 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने की मंजूरी प्रदान की थी।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

3. <u>सेचेल्स ने दुनिया का पहला संप्रभु ब्लू बॉन्ड लांच किया है।</u>

- सेचेल्स गणराज्य ने विश्व बैंक द्वारा समर्थित दुनिया का पहला संप्रभु ब्लू बॉन्ड लांच किया है।
- यह अग्रणी वित्तीय उपकरण है जिसका प्रयोग सतत समुद्री और मत्स्य पालन परियोजनाओं को समर्थन देने हेतु किया गया है।
- सेचेल्स ब्लू बॉन्ड आंशिक रूप से अमेरिका के 5 मिलियन डॉलर से गारंटीकृत है जो विश्व बैंक (आई.बी.आर.डी.) द्वारा गारंटीकृत हैं और भविष्य में जी.ई.एफ. से 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर के रियायती ऋण द्वारा समर्थित है जो आंशिक रूप से बॉन्ड के लिए ब्याज भुगतान को कवर करेगा।
- मत्स्य पालन क्षेत्र देश का सबसे महत्वपूर्ण उद्योग है, जो वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है और जनसंख्या के 17% को नियोजित करता है।

संबंधित जानकारी-

सेचेल्स के संदर्भ में जानकारी-

- सेचेल्स एक द्वीपसमूह राष्ट्र है जिसमें 115 ग्रेनाइट और प्रवाल द्वीप शामिल हैं।
- इस देश का भूमि क्षेत्रफल 455 वर्ग कि.मी. है जो लगभग 1.4 मिलियन वर्ग कि.मी. के एक विशेष आर्थिक क्षेत्र में फैला हुआ है।
- विश्व के जैव विविधता हॉटस्पॉट्स में से एक होने के कारण सेचेल्स आर्थिक रूप से विकसित होने और प्राकृतिक संरक्षण दोनो प्रकार की आवश्यकताओं को संतुलित कर रहा है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

4. <u>प्रधानमंत्री ने दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा, सरदार पटेल के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण किया।</u>

- भारत के प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभ भाई पटेल की 143 वीं जयंती पर उन्हें श्रृद्धांजलि अर्पित करने के रूप में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण किया है, जो कि विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा है और इसकी ऊँचाई 182 मीटर है।
- उनकी जयंती को प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस (नेशनल यूनिटी डे) के रूप में मनाया जाएगा।
- इस प्रतिमा को नर्मदा नदी पर बनाया गया है जिसमें भारत के पहले गृह मंत्री, श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को चित्रित किया गया है, इस प्रतिमा में वे पारंपरिक धोती और शॉल पहने हुए हैं।
- भारत के लौह पुरूष के नाम से प्रसिद्ध सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा बनाने हेतु पूरे देश से लोहा एकत्र किया गया था।
- इस प्रतिमा को पद्म भूषण विजेता मूर्तिकार राम वी सुतार द्वारा डिजाइन किया गया है।
- इसे लार्सन एंड टर्बो और राज्य संचालित सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड द्वारा बनाया गया है।
- स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, वर्तमान में विश्व की सबसे ऊँची, केंद्रीय हेनान प्रांत में चीन के स्प्रिंग मंदिर बुद्ध से 177 फीट अधिक ऊँची है।
- इस प्रतिमा में दर्शक दीर्घा भी है जो सरदार सरोवर बांध, इसके जलाशयों, सतपुड़ा और विंध्य पर्वत श्रृंखलाओं का दृश्य प्रदान करती है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण व्यक्तित्व

स्रोत- द हिंदू

5. वैश्विक पासपोर्ट सूचकांक

- वैश्विक पासपोर्ट सूचकांक की नवीनतम रैंकिंग में भारतीय पासपोर्ट को दुनिया में 66वां स्थान प्राप्त हुआ था।
- रैंकिंग पासपोर्ट के वीज़ा फ्री स्कोर के आधार पर की जाती थी।
- भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग धारकों को 66 देशों तक वीज़ा मुक्त पहुंच प्रदान करती है, पिछले वर्ष की तुलना में नौ अंको का सुधार हुआ है।
- सिंगापुर के पासपोर्ट को दुनिया के "सबसे शक्तिशाली" पासपोर्ट का दर्जा प्राप्त है, सिंगापुर के पासपोर्ट धारक 165 देशों में वीजा मुक्त जा सकते है।, इसके बाद जर्मनी, डेनमार्क और स्वीडन के स्थान हैं।

संबंधित जानकारी

- ये परिणाम, नागरिकता योजना फर्म हेनले एंड पार्टनर्स के वार्षिक पासपोर्ट सूचकांक का हिस्सा हैं।
- यह किसी वीजा को इस आधार पर स्थान प्रदान करता है कि वीजाधारक कितने देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकता है अथवा कितने देशों में वीजाधारक जा सकता है जहां वह वीजा, आगंतुक की अनुमति अथवा आगमन पर वैद्युत यात्रा प्राधिकरण प्राप्त करता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण सूचकांक

स्रोत- द हिंदू

6. नवजात मृत्यु दर में 15.8 प्रतिशत की कमी के लिए हिमाचल को पुरस्कृत किया गया है।

- हिमाचल प्रदेश ने नवजात मृत्यु दर में 15.8 प्रतिशत की उच्चतम वार्षिक गिरावट के लिए यह पुरस्कार प्राप्त किया है, हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष चार सप्ताह से कम आयु के बच्चों की मृत्यु में 15.8 फीसदी की कमी आयी है।
- तमिलनाडु और दिल्ली को क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

संबंधित जानकारी

- काजीरंगा में आयोजित "भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में अच्छे और प्रतिकृति अभ्यास एवं नवाचार" पर 5वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।
- नवजात मृत्यु दर में सबसे अधिक वार्षिक गिरावट हेतु यह पुरस्कार केरल (16.7%), मिजोरम (15.6%) और कर्नाटक (14.3%) को भी प्रदान किए गए हैं।
- पांच से कम मृत्युदर के अंतर्गत सबसे अधिक वार्षिक कमी हेतु हिमाचल प्रदेश (18.2%), असम (16.1%), और झारखंड, गुजरात और केरल (15.4%) को पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।
- परिवार नियोजन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के क्षेत्र में पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान को पुरस्कृत किया गया है।
- टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, गुजरात और अरुणाचल प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण पुरस्कार

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. डब्ल्यू.टी.ओ. ने निर्यात सब्सिडियों पर भारत-यू.एस. मुकदमें पर एक विवाद पैनल का गठन किया है।

- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) के विवाद निपटान निकाय ने भारत द्वारा निश्चित निर्यात-सब्सिडी उपायों के खिलाफ अमेरिकी शिकायत की जांच के लिए एक पैनल का गठन किया है।
- इस पैनल का गठन तब किया गया है जब दोनों पक्ष परामर्श स्तर पर इस मुद्दे को हल करने में विफल रहे हैं।

संबंधित जानकारी

- अमेरिका ने निर्यात सब्सिडी पर वैश्विक व्यापार निकाय के विवाद निपटान तंत्र में भारत के खिलाफ शिकायत दर्ज की है और कहा है कि ये प्रोत्साहन राशियां अमेरिकी कंपनियों को नुकसान पहुंचा रही थी।
- अमेरिका ने डब्ल्यू.टी.ओ. में भारत योजना से निर्यात व्यापार करने जैसे भारत के निर्यात सब्सिडी कार्यक्रमों को यह कहते हुए चुनौती दी है कि इस प्रकार की पहलें असमान व्यवस्था का निर्माण कर उनकी कपनियों को नुकसान पहुँचा रही हैं।

विवाद निपटान निकाय के संदर्भ में जानकारी-

- डब्ल्यू.टी.ओ. के सदस्यों के मध्य विवादों का निपटारा कराने के लिए सामान्य परिषद को विवाद निपटान निकाय (डी.एस.बी.) के रूप में गठित किया गया है।
- ऐसे विवाद उरुग्वे दौरे के अंतिम अधिनियम में निहित किसी भी समझौते के सापेक्ष उत्पन्न हो सकते हैं जो विवादों (डी.एस.यू.) के निपटान को नियंत्रित करने वाले नियमों और प्रक्रियाओं पर समझ के अधीन है।
- डी.एस.बी. को विवाद निपटान पैनल स्थापित करने, मध्यस्थता के मामलों को संदर्भित करने, पैनल, अपीलीय निकाय और मध्यस्थता रिपोर्टों को स्वीकार करने, ऐसी रिपोर्टों में निहित सिफारिशों और निर्णयों के अधिनियमन पर निगरानी बनाए रखने और इन सिफारिशों और निर्णयों के साथ गैर-अनुपालन की स्थिति में रियायतों को आधिकारिक रूप से निलंबित करने का अधिकार प्राप्त है।

भारत योजना से निर्यात व्यपार (एम.ई.आई.एस.)

- भारत सरकार ने विदेश व्यापार नीति (एफ़.टी.पी.) 2015-20 के माध्यम से भारत योजना से निर्यात व्यापार (एम.ई.आई.एस.) पेश किया है।
- यह भारत में निर्मित/ उत्पादित अधिसूचित वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देना चाहता है।
- एम.ई.आई.एस., भारत सरकार की प्रमुख निर्यात संवर्धन योजना है जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा लागू की गई है।

नोट: वर्ष 2017-18 में अमेरिका के लिए भारत का निर्यात $47.9 बिलियन था, जब कि समान वित्तीय वर्ष में भारत का आयात $26.7 बिलियन था।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- द हिंदू

8. विश्व के 50 नाइट्रोजन उत्सर्जन हॉटस्पॉट्स में से तीन भारत के हैं।

- उपग्रह डेटा पर आधारित ग्रीनपीस विश्लेषण ने 50 हॉटस्पॉटों की पहचान की है जिसमें से 10 चीन में, 8 अरब दुनिया, चार यूरोप में और भारत, अमेरिका और डीआर कांगो में प्रत्येक में तीन हॉटस्पॉट हैं।
- भारत में ये तीन हॉटस्पॉट दिल्ली-एन.सी.आर., एक ऐसा क्षेत्र जो यू.पी. के सोनभद्र और एम.पी. के सिंगरौली दोनो में आता है और अन्य क्षेत्र ओडिशा के तलचर-अंगुल में स्थित है।
- दक्षिण अफ्रीका का मपुमलंगा प्रांत वायु में सबसे अधिक मात्रा में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO2) उत्सर्जित करता है।

कोयला, तेल उत्सर्जन के प्रमुख स्रोत हैं-

- सबसे अधिक 50 हॉटस्पॉटों में से 19 हॉटस्पॉटों में उत्सर्जन का प्रमुख स्रोत, कोयले और तेल से ऊर्जा उत्पादन करना है।
- इसके बाद उत्सर्जन के प्रमुख स्रोत विनिर्माण उद्योग (14), चीन में सबसे विशेष रूप से इस्पात संयंत्र और परिवहन (10) हैं।
- इन स्रोतों को वैश्विक ई.डी.जी.ए.आर. ग्रिडेड उत्सर्जन सूची के द्वारा पहचाना गया है जो उत्सर्जन स्रोतों का एक व्यापक सहकर्मी-समीक्षा मानचित्र है।

NO2 उत्सर्जन के स्वास्थ्य पर प्रभाव-

- NO2 एक खतरनाक प्रदूषक है जो वायु प्रदूषण के दो सबसे खतरनाक रूपों पी.एम. 2.5 और ओजोन के निर्माण में योगदान देता है।
- श्वसन वायु में NO2 की अधिक सांद्रता मानव श्वसन प्रणाली में वायुमार्ग को प्रभावित कर सकती है।
- कम समयावधि में इस प्रकार के जोखिम श्वसन बीमारियों को गंभीर बना सकते हैं, विशेष रूप से दमा की बीमारी कर सकते हैं, श्वसन लक्षणों (जैसे: खांसी, खरखराहट और सांस लेने में तकलीफ) को उत्पन्न कर सकते हैं।
- NO2 की अधिक सांद्रता में लंबे समय तक बने रहने से यह अस्थमा के विकसित होने में योगदान देता है और श्वसन संक्रमण की संवेदनशीलता में वृद्धि करता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

'जन्मजात नागरिकता समाप्त होने जा रही है।'

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जन्मजात नागरिकता प्रावधान समाप्त करने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं।
- इस प्रावधान के अंतर्गत देश में पैदा हुए किसी भी व्यक्ति को अमेरिकी नागरिकता स्वचालित रूप से प्राप्त हो जाती है।
- अमेरिकी संविधान में 14वें संशोधन के परिणामस्वरूप जुस सोलि का सिद्धांत (मिट्टी का अधिकार) प्राप्त हुआ था, जिसे गृह युद्ध के बाद वर्ष 1868 में पूर्व गुलामों को कानूनी अधिकार प्रदान करने हेतु अधिनियमित किया गया था।
- यह बताता है: "संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा हुए अथवा देशीयकृत सभी व्यक्तियों को और इसके अधिकार क्षेत्र के अधीन सभी लोगो को संयुक्त राज्य अमेरिका की नागरिकता और जिस राज्य में वे रहते हैं, वहां की नगारिकता प्राप्त है।"
- इसलिए अमेरिका में पैदा हुए व्यक्ति, अस्थायी वीजा रखने पर भी अथवा यहां वैध वीज़ा रखे बिना भी अमेरिकी नागरिक हैं।
- यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने वर्ष 2014 में अमेरिका में बिना वैध स्थिति के रहने वाले विदेशियों की संख्या 12 मिलियन से अधिक ज्ञात की थी।
- यह अमेरिका में अवैध आप्रवासियों की समस्या को रोकने में मदद करेगा।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

***

बैंकिंग, एसएससी, गेट, सीटीईटी, जेईई एवं अन्य प्रवेश परीक्षाएं

- नवीनतम परीक्षा पैटर्न पर आधारित
- हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध है
- अखिल भारतीय रैंक और परिणाम विश्लेषण प्राप्त करें
- विस्तृत समाधान

ANDROID APP ON Google play